नई दिल्ली। मंगलवार, 15 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 250/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक

विश्व केसरी

नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

सिर्फ पत्रकारिता...

vishwakesari.com

@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल जो हमारे देश के खिलाफ काम कर रहा है... | @ विचार आखिर क्या है 'नई दिल्ली घोषणा पत्र' ... | @ व्यापार फेड की ब्याज दर बढ़ाने की आशंका...

चीन-अमेरिका के बीच एआई वॉर? ब्रिक्स के अगले दिन गरमाया मोर्चा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत में संपन्न ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के समापन के अगले ही दिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) वैश्विक शक्ति-संतुलन का नया मैदान बनती दिख रही है। राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने सदस्य देशों के लिए चीन के नेतृत्व वाला ओपन-सोर्स एआई इकोसिस्टम प्रस्तावित किया है तो राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस दौड़ में चीन से आगे है।

राष्ट्रपति ट्रंप के बयान को दरअसल, चीन की तरफ से दुनिया के प्रमुख विकासशील देशों को अपने ओपन सोर्स एआई की तरफ लुभाने की लगातार हो रही कोशिश से जोड़ कर देखा जा रहा है। दो महीने पहले ही चीन ने 29 देशों के साथ वर्ल्ड एआई कोऑपरेशन आर्गनाइजेशन का गठन किया है और अब वह ब्रिक्स के सदस्यों व साझेदारों के सामने भी प्रस्ताव रख दिया है।

दूसरी तरफ, अमेरिकी एआई कंपनियों ने एआई की प्रगति को 'स्लोडाउन' करने का आह्वान किया है। जबकि अमेरिका के नेतृत्व में पैक्स सिलिका संगठन की अंतिम बैठक जून, 2026 में हुई थी। इसमें जारी संयुक्त बयान मे 34 देशों ने हस्ताक्षर किये हैं लेकिन उसके बाद अमेरिका के भीतर ही एआई की प्रगति को लेकर विरोधाभाष सामने आ रहा है। स्वयं ट्रंप प्रशासन की तरफ से अमेरिकी कंपनियों की एआई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल में अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देने की बात की जा रही है। संकेत साफ है कि एआई संबंधित प्रौद्योगिकी को लेकर वैश्विक कूटनीति में तनाव बढ़ने जा रहा है।

13 सितंबर को नई दिल्ली में ब्रिक्स के समापन सत्र में शी ने कहा कि चीन ब्रिक्स के लिए ओपन-सोर्सएआई समुदाय बनाने में अग्रणी भूमिका निभाएगा, बड़े भाषा माडल के विकास व उपयोग में सहयोग देगा, विशेष प्रशिक्षण आयोजित करेगा और खुला एआई पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा करेगा। यह प्रस्ताव उस पृष्ठभूमि में आया है जब चीनी कंपनियां ओपन-सोर्स माडल पर जोर दे रही हैं और अमेरिकी दिग्गज अधिक बंद, फ्रंटियर माडल पर काम कर रहे हैं।

दो महाशक्तियों की दौड़ नहीं

भारत भी अमेरिका व चीन की इस प्रतिद्वंदिता को पहचान रहा है। ब्रिक्स के समापन सत्र में पीएम नरेन्द्र मोदी की चेतावनी कि 'तकनीक और क्रिटिकल मिनरल्स का हथियार बनाना साझा प्रगति में बाधा बन सकता है', को भारत की नीति का ही द्योतक है। पीएम मोदी ने उस बयान के जरिए चीन व अमेरिका, दोनों को यह बताने की कोशिश की है कि एआई सिर्फ दो महाशक्तियों की दौड़ नहीं, बल्कि इस प्रौद्योगिकी पर गरीब व विकासशील देशों (ग्लोबल साउथ) की भी पहुंच होनी चाहिए।

एआई आधारित प्रौद्योगिकी को लेकर लामबंदी

पिछले तीन-चार महीनों में दुनिया के अलग अलग हिस्सों में एआई को लेकर अपने अपने हितों की रक्षा करने के कई उदाहरण दिखते हैं। अमेरिका ने बेहद उच्च गुणवत्ता वाले चिप्स, सेमीकंडक्टर उपकरण, क्लाउड एक्सेस और कुछ फ्रंटियर माडल पर निर्यात नियंत्रण व इन्हें सिर्फ 'भरोसेमंद साझेदारों' के साथ साझा करने की व्यवस्था करने का ऐलान किया है।

भीलवाड़ा नगर निगम चुनावः 45 वार्डों पर भाजपा का कब्जा, कांग्रेस 10 पर सिमटी

एजेंसी ■ भीलवाड़ा

राजस्थान नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भीलवाड़ा नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। 70 वार्डों वाले इस नगर निगम में भाजपा ने 45 सीटों पर जीत दर्ज कर बोर्ड पर अपना कब्जा बरकरार रखा है। कांग्रेस को 10 सीटें मिली हैं, जबकि 15 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है।

पहले चरण का मतदान 9 सितंबर और दूसरे चरण का मतदान 11 सितंबर को हुआ था। राजस्थान में इस बार 10 नगर निगम, 51 नगर परिषद और 248 नगरपालिकाओं में चुनाव हुए हैं। पहले चरण में 162 निकायों में 76.41 प्रतिशत और दूसरे चरण में 147 निकायों में 71.69 प्रतिशत मतदान हुआ था। दोनों चरणों को मिलाकर कुल मतदान 74.05 प्रतिशत रहा। सोमवार को मतगणना के बाद परिणाम घोषित किए गए।

इस चुनाव में सबसे बड़ी जीत वार्ड 36 से भाजपा के राजेन्द्र कुमार जैन ने दर्ज की है। उन्होंने 2,313 वोटों के विशाल अंतर से जीत हासिल की। वार्ड 9 में भाजपा की जसवंत कंवर ने 2,165 वोटों से और वार्ड 60 में भाजपा की सुमन ओझा ने 1,893 वोटों के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

वहीं, सबसे करीबी और रोमांचक मुकाबला वार्ड 7 में देखने को मिला, जहां निर्दलीय उम्मीदवार इंदु टाक ने भाजपा प्रत्याशी गजराज कंवर को मात्र छह वोटों के अंतर से हरा दिया। नगर निगम, भीलवाड़ा में जीते उम्मीदवारों की सूची :- वार्ड 1 से योगेश सोनी (कांग्रेस), वार्ड 2 से संपत गंधर्व (भाजपा), वार्ड 3 से राजेन्द्र मेहता (भाजपा), वार्ड 4 से राहुल जाट (कांग्रेस), वार्ड 5 से पिंकी विश्नोई (भाजपा), वार्ड 6 से महेन्द्र सिंह (भाजपा), वार्ड 7 से इंदू टांक (निर्दलीय), वार्ड 8 से मिथिलेश चंदेल (भाजपा), वार्ड 9 से जसवंत कंवर (भाजपा), वार्ड 10 से संतोष कंवर (निर्दलीय), वार्ड 11 से दिनेश सुथार (भाजपा) इत्यादि हैं।

विश्व केसरी खबर झरोखा

भारत नेपाल को प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करेगा

नई दिल्ली। विनाशकारी बाढ़ से जूझ रहे नेपाल को भारत ने बड़ी राहत दी है। भारत के विद्युत मंत्रालय ने सोमवार को नेपाल को 31 दिसंबर तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। पिछले महीने आई भीषण बाढ़ ने नेपाल की बिजली उत्पादन क्षमता का करीब दसवां हिस्सा प्रभावित कर दिया था।

ग्लेशियर के टूटने से आई बाढ़ ने नेपाल और तिब्बत में भारी तबाही मचाई। इस आपदा में करीब 1,400 लोगों की मौत हुई है। नेपाल में 12 से अधिक जलविद्युत संयंत्र बाढ़ की चपेट में आने से क्षतिग्रस्त या बह गए।

आपदा के बाद बड़ी संख्या में लोग अब भी लापता हैं। रिपोर्ट के मुताबिक 5,300 से अधिक लोग लापता हैं, जिनमें करीब 900 बिजली संयंत्रों में काम करने वाले कर्मचारी शामिल हैं।

भारत की ओर से बिजली निर्यात बढ़ाने का निर्णय नेपाल की ऊर्जा आपूर्ति को सामान्य करने और बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं पुनर्वास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में एसएसबी हेड कांस्टेबल ने खुद को गोली मारी, मौत

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सोमवार सुबह सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के 41 वर्षीय हेड कांस्टेबल की कथित तौर पर आत्महत्या से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, जवान ने कैंप में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली।

घटना सुबह करीब 5 बजे अंतागढ़ थाना क्षेत्र के कुहचे गांव स्थित एसएसबी कैंप में हुई। मृतक की पहचान आनंद प्रकाश तिवारी के रूप में हुई है। वह एसएसबी की 28वीं बटालियन में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। जवान ने यह कदम क्यों उठाया, इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भानुप्रतापपुर के अस्पताल भेज दिया है। अधिकारियों द्वारा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

यमन के हूती विद्रोहियों का सऊदी एयरबेस पर मिसाइल और ड्रोन हमले

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी सऊदी अरब में स्थित एक प्रमुख सैन्य एयरबेस पर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। सीमा पार बढ़ते

तनाव के बीच इस हमले को क्षेत्र में सैन्य टकराव में बड़ी वृद्धि के तौर पर देखा जा रहा है। हूती समूह द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी पर जारी बयान में सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि समूह ने यमन की सीमा के पास दक्षिण-पश्चिमी सऊदी शहर खमीस मुशैत स्थित किंग खालिद एयरबेस को निशाना बनाकर दर्जनों बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन दागे।

भारत में खुदरा महंगाई 4.82 प्रतिशत पर पहुंची, सोना-चांदी और खाद्य कीमतों ने बढ़ाया दबाव

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, नए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) श्रृंखला पर आधारित भारत की खुदरा महंगाई अगस्त 2026 में बढ़कर 4.82 प्रतिशत हो गई, जो पिछले वर्ष की इसी महीने की तुलना में मामूली बढ़ोतरी को दर्शाता है।

अगस्त के दौरान सबसे अधिक महंगाई चांदी के आभूषणों में दर्ज की गई, जिनकी कीमतों में 107.11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं सोने के आभूषणों की कीमतों में 35.55 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया।

अगस्त में कुल खाद्य महंगाई 5.95 प्रतिशत रही। इस दौरान प्याज, अदरक और लहसुन की कीमतों में क्रमशः 48.27 प्रतिशत, 73.82 प्रतिशत और 43.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हालांकि, टमाटर की कीमतों में 31.09 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आलू भी 13.14 प्रतिशत सस्ता हुआ।

अन्य वस्तुओं में कारों की कीमतों में भी कमी देखने को मिली और अगस्त के दौरान इनमें 6.72 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

सीपीआई-आधारित महंगाई अभी भी आरबीआई के निर्धारित 2 प्रतिशत से 6 प्रतिशत के सहनशीलता दायरे के भीतर है। इस दायरे का मध्य बिंदु 4 प्रतिशत है। आरबीआई की मौद्रिक नीति का लक्ष्य आर्थिक वृद्धि और मूल्य स्थिरता के बीच संतुलन बनाते हुए महंगाई को इसी सीमा के भीतर रखना है।

हालिया मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा था कि मुख्य महंगाई दर लक्ष्य से ऊपर गई है, जिसका प्रमुख कारण ईंधन की ऊंची कीमतें हैं, जबकि व्यापक मूल्य दबाव अभी भी नियंत्रण में हैं। आर्थिक वृद्धि को समर्थन देने के लिए आरबीआई ने रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया।

आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए औसत महंगाई के अपने अनुमान को जून में दिए गए 5.1 प्रतिशत के अनुमान से घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया है।

एआई कंपनियों की चेतावनी से दुनियाभर के शेयर बाजारों में हड़कंप

एआई से जुड़े शेयरों में भारी गिरावट, अरबों डॉलर के निवेश पर बढ़ा जोखिम

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तेजी से हो रहे विकास को लेकर दुनिया की प्रमुख एआई कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों की चेतावनी का असर सोमवार को वैश्विक शेयर बाजारों पर दिखाई दिया। एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेज गिरावट दर्ज की गई। इसे एआई क्षेत्र में हो रहे अरबों डॉलर के निवेश के लिए अब तक का सबसे बड़ा जोखिम माना जा रहा है। इसी निवेश ने हाल के वर्षों में दुनिया के प्रमुख शेयर बाजारों को रिकॉर्ड ऊंचाई तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई है।

एंथ्रोपिक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डारियो अमोदेई ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रकाशित एक विस्तृत लेख में एआई कंपनियों से अपने मॉडलों की क्षमताओं को विकसित करने की रफ्तार धीमी करने का आग्रह किया। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के संभावित दुरुपयोग को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यह अपील की।

एक्सएआई के प्रमुख एलन मस्क और ओपनएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सैम ऑल्टमैन ने भी अमोदेई की चिंता से सहमति जताई।

ऑल्टमैन ने यह भी संकेत दिया कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते ओपनएआई इस वर्ष प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की दिशा में आगे नहीं बढ़ेगी।

'सेमीकॉन इंडिया 2026' का 17 सितंबर को उद्घाटन करेंगे पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को नई दिल्ली स्थित यशोभूमि में आयोजित होने वाले 'सेमीकॉन इंडिया 2026' के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करेंगे। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाला यह तीन दिवसीय आयोजन वैश्विक सेमीकंडक्टर कंपनियों, नीति निर्माताओं, निवेशकों, शोधकर्ताओं, स्टार्टअप्स और शिक्षाविदों को एक मंच पर लाएगा, जहां भारत की सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि 'सिलिकॉन टू सिस्टम्स: बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम पर आधारित यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित हो रहा है जब भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

तीर तेवर — सागर कुमार

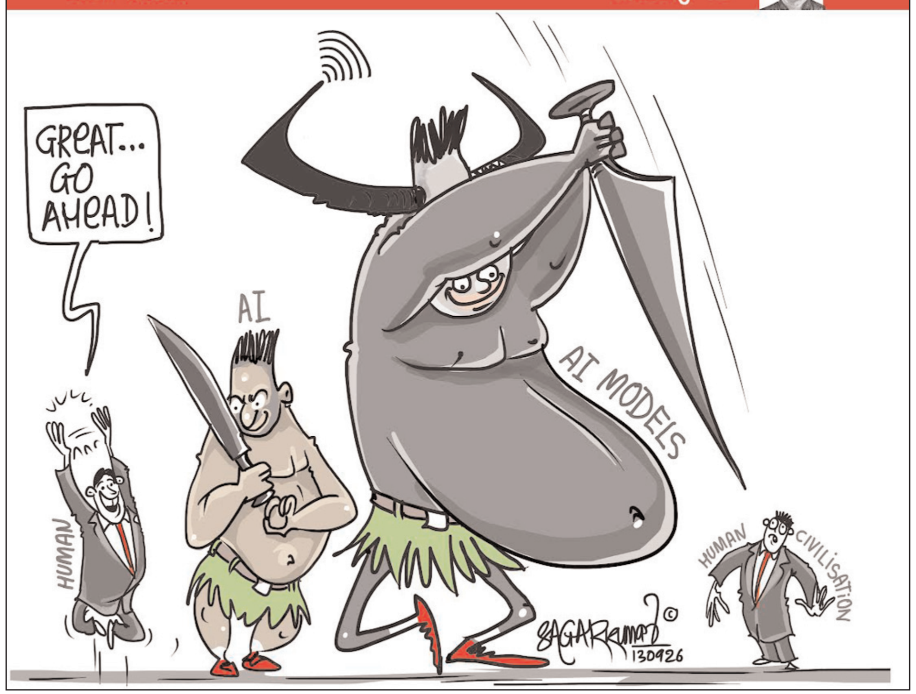

सेवा संकल्प अभियान को जनभागीदारी का उत्सव बनाएं : मुख्यमंत्री साय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर की संध्या हर घर में 'आशीर्वाद का दीया' जलाने का किया आह्वान

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेशवासियों से 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' से पूरे उत्साह और आत्मीयता के साथ जुड़ने की अपील की है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों के नाम जारी अपनी अपील में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर के परिप्रेक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे देश में 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सेवा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न हिस्सा है। प्रदेश का प्रत्येक नागरिक अपनी सहभागिता से इस अभियान को जनसेवा और जनभागीदारी का व्यापक उत्सव बनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अभियान सेवा के भाव को जन-जन तक पहुंचाने और समाज एवं राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को सहभागिता के साथ निभाने का अवसर है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि वे अपने गांव, शहर और आसपास

स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता और जनसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय सहभागिता निभाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को भी इस अभियान से जोड़ें।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गरीब कल्याण और विकास की योजनाओं ने लाखों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। पक्का आवास, स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क, बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हुआ है। विकास की प्रत्येक उपलब्धि के केंद्र में आम नागरिकों के पूरे होते सपने, उनका बढ़ता आत्मविश्वास और जीवन में आती खुशहाली है।

17 सितंबर की संध्या जलाएं 'आशीर्वाद का दीया'

मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर प्रदेशवासियों से एक विशेष और आत्मीय अपील भी की है। उन्होंने कहा कि 17 सितंबर को संध्या 7 बजे प्रत्येक परिवार अपने घर में 'आशीर्वाद का दीया' अवश्य जलाए और अपने आसपास के लाभार्थी परिवारों को भी इस पहल से जोड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दीया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन के लिए छत्तीसगढ़वासियों की शुभकामनाओं का प्रतीक होने के साथ सेवा, जनकल्याण और विकसित भारत के निर्माण के सामूहिक संकल्प का भी प्रतीक बने।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने गरीब कल्याण और विकास को जनभागीदारी से जोड़ते हुए आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्राप्त की है। इसी भावना के अनुरूप सेवा संकल्प अभियान के दौरान समाज का प्रत्येक वर्ग अपनी क्षमता के अनुसार सेवा का कोई न कोई कार्य करे। जब सेवा का भाव जनभागीदारी से जुड़ता है, तभी वह समाज में व्यापक और स्थायी परिवर्तन का माध्यम बनता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ अपनी सशक्त भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित है। विकसित भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब हमारे गांव विकसित हों, शहर आगे बढ़ें और प्रत्येक परिवार विकास की मुख्यधारा से जुड़े। सेवा संकल्प अभियान इस सामूहिक संकल्प को और मजबूत करने का अवसर है।

तरुण तेजपाल ने गोवा कोर्ट में सरेंडर किया

पणजी। तहलका के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने सोमवार को गोवा की एक अदालत में सरेंडर कर दिया। इसके बाद उन्हें उत्तरी गोवा के कोलवाले सेंट्रल जेल ले जाया गया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2013 के रेप केस में उन्हें दोषी ठहराते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी, जिसके कुछ हफ्ते बाद उन्होंने सरेंडर किया।

सुप्रीम कोर्ट ने 25 अगस्त को 62 वर्षीय पत्रकार को निर्देश दिया था कि वे अपनी सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई शुरू होने से पहले दो हफ्ते के भीतर सरेंडर करें।

सुप्रीम कोर्ट ने उनकी तत्काल राहत की याचिका खारिज कर दी थी और स्पष्ट किया था कि सरेंडर सर्टिफिकेट जमा करने के बाद ही उनकी अपील पर विचार किया जाएगा। इसके बाद तेजपाल ने मापुसा में अतिरिक्त सत्र न्यायालय के समक्ष सरेंडर किया।

बाढ़ से स्थायी समाधान के प्रयास जारीः सम्राट चौधरी

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राज्य में बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में एक केंद्रीय टीम बिहार आएगी और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति एवं क्षति का आकलन करेगी। मुख्यमंत्री ने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। मुख्यमंत्री ने यह बात नेहरू पथ स्थित बिहार राज्य अभिलेख भवन के सभागार में आयोजित हिंदी दिवस समारोह-सह-कवि सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि बिहार की नदियां राज्य के जीवन और अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। इसलिए नदियों को जोड़ने के साथ-साथ उनका संरक्षण भी जरूरी है। नदी तंत्र के संरक्षण, जल प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ काम किया जा रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि बाढ़ से होने वाली जन-धन की क्षति को कम किया जाए और इस समस्या का स्थायी एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित हो।

उन्होंने कहा कि बाढ़ की चुनौती से निपटने के लिए नदी तंत्र और जल प्रबंधन को लेकर व्यापक स्तर पर काम करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने हिंदी दिवस के अवसर पर राज्यवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति, सभ्यता और समृद्ध साहित्यिक परंपरा की अभिव्यक्ति है। उन्होंने हिंदी के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयास करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि दुनिया में सर्वाधिक प्रयोग की जाने वाली भाषाओं में हिंदी का महत्वपूर्ण स्थान है और यह विश्व में तीसरी सबसे अधिक प्रयोग की जाने वाली भाषा है।

बिहार के साहित्यिक योगदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने विद्यापति, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' और जनकवि नागार्जुन को याद किया। सम्राट चौधरी ने कहा कि हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के मंच से हिंदी में संबोधन कर देश को गौरवान्वित किया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हिंदी में भारत का पक्ष रखने का भी उल्लेख किया और ब्रिक्स सम्मेलन में हिंदी में संदेश देने के लिए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिंदी के साहित्यिक और सांस्कृतिक विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बिहार में दो दिवसीय हिंदी साहित्य समागम आयोजित किया जाएगा। इसमें देशभर के प्रमुख हिंदी साहित्यकारों, रचनाकारों, कवियों और विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आयोजन की तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हिंदी को केवल हिंदी दिवस या सरकारी कार्यक्रमों तक सीमित नहीं रखना चाहिए। दैनिक जीवन और कार्यक्षेत्र में इसके अधिक से अधिक प्रयोग से भाषा मजबूत होगी।

उन्होंने आधुनिक तकनीक के माध्यम से हिंदी के प्रचार-प्रसार और इसे वैश्विक पहचान दिलाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव और मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने भी संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने राजभाषा पत्रिका का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिकारी, साहित्यकार, कवि, विद्वान, गणमान्य व्यक्ति और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पेरियार और अन्ना की जयंती रैलियों पर रोक से भड़की डीएमके, उधयनिधि ने उठाए सवाल

विश्व केसरी■

चेन्नई। तमिलनाडु के विपक्ष के नेता उधयनिधि स्टालिन ने सोमवार को समाज सुधारक पेरियार ई.वी. रामासामी और पूर्व मुख्यमंत्री सी.एन. अन्नादुरई की जयंती पर प्रस्तावित रैलियों को अनुमति न दिए जाने को लेकर पुलिस की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी डीएमके समेत अन्य दलों द्वारा आयोजित की जाने वाली इन रैलियों को रोकना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। उधयनिधि ने पुलिस के फैसले पर सवाल उठाते हुए इसे अनुचित बताया और सरकार से इस निर्णय पर पुनर्विचार करने की मांग की।

सोशल मीडिया पोस्ट में उदयनिधि स्टालिन ने सवाल किया कि पुलिस ने इन कार्यक्रमों की इजाजत क्यों नहीं दी, जबकि राज्य में दक्षिणपंथी समूहों द्वारा आयोजित रैलियों को इजाजत दी गई थी। उन्होंने सरकार से इस फैसले पर फिर से विचार करने और कार्यक्रमों के लिए तुरंत मंजूरी देने की अपील की। उनके अनुसार, डीएमके ने समाज सुधारक की जयंती मनाने के लिए 17 सितंबर को पेरियार के जन्मस्थान इरोड में एक रैली आयोजित करने की योजना बनाई थी। एक और रैली 'पेरारिग्नार अन्ना' के नाम से मशहूर अन्नादुरई की जयंती मनाने के लिए गुडियाथम में प्रस्तावित थी।

गुडियाथम कार्यक्रम डीएमके और कई अन्य राजनीतिक पार्टियों द्वारा मिलकर आयोजित किया जाना था। उदयनिधि स्टालिन ने पुलिस की इजाजत न मिलने को अस्वीकार्य बताया और आरोप लगाया कि सरकार यह तय करते समय अलग-अलग मापदंड अपना रही है कि कौन से राजनीतिक और सामाजिक संगठन सार्वजनिक जुलूस निकाल सकते हैं।

उन्होंने पूछा कि पुलिस, जो सीधे मुख्यमंत्री के नियंत्रण में काम करती है, उसने दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा आयोजित रैलियों को तो इजाजत दे दी, लेकिन पेरियार और अन्ना के सम्मान में होने वाले कार्यक्रमों को रोक दिया, ये दोनों नेता ऐसे थे जिन्होंने तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक विकास पर गहरा प्रभाव डाला था।

विपक्ष के नेता ने मुख्यमंत्री द्वारा पेरियार और अन्ना को बार-बार वैचारिक मार्गदर्शक बताए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि उनकी याद में आयोजित रैलियों की इजाजत न देकर सरकार किसे खुश करने की कोशिश कर रही है। उदयनिधि स्टालिन ने आरोप लगाया कि इस फैसले से शक पैदा होता है कि क्या राज्य पुलिस मुख्यमंत्री के अधिकार के तहत स्वतंत्र रूप से काम कर रही है या भगवा राजनीति से जुड़ी ताकतों के दबाव में झुक रही है।

उन्होंने सरकार पर राजनीतिक अहंकार दिखाने और दो द्रविड दिग्गजों की विरासत का सम्मान न करने का आरोप लगाया।

संक्षिप्त खबरें

गुजरातः पुलिस ने छापों में 22 लाख से ज्यादा की शराब जब्त की, 11 गिरफ्तार

विश्व केसरी■

गांधीनगर। गुजरात पुलिस की ओर से तीन अलग-अलग छापों में 22 लाख रुपये से ज्यादा की शराब जब्त की गई है। पुलिस की ओर से सोमवार को जानकारी दी गई कि गुजरात पुलिस के स्टेट मॉनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने अमरेली, अरावली और वलसाड जिलों में तीन अलग-अलग छापों में 22 लाख रुपये से ज्यादा की भारतीय निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) जब्त की है। इस दौरान 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 16 अन्य को वांछित आरोपी बनाया गया है। वलसाड जिले के पारडी पुलिस स्टेशन के इलाके में हाल ही में हुई एक रेड में, एसएमसी ने 3,21,937 रुपये की शराब और बीयर जब्त की। इसके साथ ही दो गाड़ियां, दो मोबाइल फोन और अन्य सामान भी जब्त किया गया। कुल 3,71,937 रुपये के कीमत का सामना जब्त किया गया है। पुलिस टीम ने दमन के किकेरला गांव और पारडी तालुका के उदवाड़ा रेलवे स्टेशन और नेशनल हाईवे 48 पर कार्रवाई की है।

ब्रिक्स सम्मेलन के बाद दुनिया भारत की ओर देख रही : संजय सेठ

विश्व केसरी■

रांची। रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर कहा कि भारत की सोच पूरी दुनिया में शांति, विकास और मानवता के कल्याण की है। ब्रिक्स समिट के सफल आयोजन के बाद दुनिया की नजरें भारत की ओर हैं। रांची में आईएएनएस से बातचीत में रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि हम दुनिया में शांति चाहते हैं और पूरी दुनिया भी विकास चाहती है। हमारा ध्यान भी विकास पर केंद्रित है। हमारी सोच सकारात्मक है तथा हम विश्व शांति और मानवता के कल्याण के लिए समर्पित हैं। जी-20 से लेकर एआई समिट और अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन तक भारत ने कई महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आयोजनों की मेजबानी की है। ब्रिक्स सम्मेलन में दुनिया के 11 राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी रही और विश्व शांति एवं कल्याण को लेकर सभी देशों की एकजुटता देखने को मिली। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि पहलगाम आतंकी घटना की सभी देशों ने निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर सहमति जताई।

बंगाल में फर्जी होम्योपैथी कॉलेजों पर परिषद का अलर्ट डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन नंबर जारी करने का आरोप

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की होम्योपैथिक चिकित्सा परिषद ने राज्य सरकार को राज्यभर में होम्योपैथी और बायोकेमिस्ट्री में कोर्स कराने वाले कई बिना मान्यता वाले संस्थानों के लगातार चलने के बारे में चेतावनी दी है।

काउंसिल ने कहा है कि इनमें से कई संस्थान ग्रेजुएट छात्रों को गैरकानूनी तरीके से रजिस्ट्रेशन नंबर भी जारी कर रहे हैं। काउंसिल ने कहा कि पास होने वाले छात्रों को रजिस्ट्रेशन नंबर देना पूरी तरह से गैरकानूनी है क्योंकि ऐसा करने के लिए सिर्फ काउंसिल ही अधिकृत संस्था है। काउंसिल के मुताबिक, ऐसे कई संस्थान बिना जरूरी मान्यता के चल रहे हैं,जिनमें से ज्यादातर पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय तेजी से खुले थे। इन्हें न तो पश्चिम बंगाल की होम्योपैथिक चिकित्सा परिषद से और न ही राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से मान्यता मिली है। काउंसिल ने राज्य प्रशासन से इन संस्थानों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है।

काउंसिल ने मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल को पत्र लिखकर दखल देने और प्रशासन से इन अनाधिकृत संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है। काउंसिल के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि हाल ही में उन्हें उत्तरी बंगाल के कूच बिहार जिले में बिना मंजूरी के चल रहे 'होम्योपैथी और बायोकेमिस्ट्री कॉलेजों की एक चेन' के बारे में पता चला है। जिन अन्य जिलों में ऐसे संस्थान तेजी से बढ़े हैं, उनमें नॉर्थ 24 परगना, साउथ 24 परगना और वेस्ट मिदनापुर शामिल हैं।

काउंसिल ने इस बात पर खास चिंता जताई है कि इनमें से कुछ संस्थानों ने बिना किसी कानूनी अधिकार के अपने ग्रेजुएट छात्रों को रजिस्ट्रेशन नंबर जारी किए हैं।

नाबालिग को शराब बेचने मामले में सेल्समैन निलंबित, 30 हजार का जुर्माना

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नाबालिग को शराब बेचने के आरोप से जुड़े सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो का आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने तत्काल संज्ञान लिया है। मंत्री के निर्देश पर हुई जांच में सेल्समैन का व्यवहार अनुचित पाए जाने के बाद उसे तत्काल दुकान से हटा दिया गया। साथ ही संबंधित कम्पोजिट दुकान के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

मामला लखनऊ के विकासनगर थाना क्षेत्र स्थित एक कम्पोजिट शराब की दुकान से जुड़ा है। 11 सितंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स समेत अन्य प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो प्रसारित हुआ था, जिसमें दुकान के सेल्समैन की एक व्यक्ति से कहासुनी दिखाई दे रही थी। वीडियो में सेल्समैन पर नाबालिग बच्चे को शराब बेचने का आरोप लगाया जा रहा था। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच कर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ की ओर से मामले की जांच की गई। जांच के दौरान सेल्समैन का व्यवहार उचित नहीं पाया गया। इसके बाद उसे तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया। वहीं, संबंधित कम्पोजिट दुकान के खिलाफ आबकारी नियमों के तहत प्रशमन की कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये का जुर्माना आरोपित किया गया।

तीनों ऑथोरिटी पर किसानों का हल्लाबोल राकेश टिकैत बोले- होगी महापंचायत

विश्व केसरी■

नोएडा। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्र के किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को किसान संगठनों ने प्रदर्शन का ऐलान किया है। किसान नेता चौधरी राकेश टिकैत के नेतृत्व में किसानों ने तीनों प्राधिकरणों के बाहर किसान महापंचायत करने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में राकेश टिकैत सोमवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के बाहर पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में किसान अपनी मांगों को लेकर एकत्रित हुए।

किसानों का कहना है कि लंबे समय से उनकी कई मांगें लंबित हैं। अधिकारियों की ओर से लगातार आश्वासन दिए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर तीनों अथॉरिटी जाएंगे और अधिकारियों के सामने एक बार फिर अपनी मांगें रखेंगे। राकेश टिकैत ने अधिकारियों पर किसानों के काम नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले करीब दो वर्षों से किसानों को लगातार आश्वासन दिया जा रहा है। अब किसान केवल आश्वासन के भरोसे बैठने वाले नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार किसानों के भ्रम को तोड़ा जाएगा और उनकी मांगों को लेकर मजबूती से आवाज उठाई जाएगी। किसान महापंचायत में मुख्य रूप से आबादी निस्तारण, 10 प्रतिशत प्लॉट, शिफ्टिंग और लीज बैक से जुड़ी समस्याओं को उठाया जा रहा है।

मणिपुर हमलों में राज्य के गृह मंत्री ने सख्त कार्रवाई का किया वादा

विश्व केसरी■

इंफाल। मणिपुर में चार लोगों की हत्या के मामले में राज्य के गृह मंत्री की ओर से सख्त कार्रवाई का वादा किया गया। गृह मंत्री कोंथौजम गोविंदस सिंह ने सोमवार को कहा कि तामेंगलोंग और नोनी जिलों में अलग-अलग हमलों के बाद राज्य की शांति और सामान्य स्थिति को भंग करने की इजाजत किसी भी हाल में नहीं दी जाएगी।

चार लोगों के हत्या की कड़ी निंदा करते हुए कोंथौजम गोविंदस सिंह ने बेगुनाह लोगों की जान जाने पर गहरा दुख जताया और भरोसा दिलाया कि दोषियों के खिलाफ कानून के मुताबिक सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताया और कहा, 'मैंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तथ्यों का पता लगाने, दोषियों की पहचान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएं कि कानून बिना किसी डर या पक्षपात के अपना काम करे।'

उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं होना चाहिए; इस हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी और उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। इस नाजुक मोड़ पर, हिंसा की किसी भी घटना को मणिपुर की शांति और सामान्य स्थिति की ओर बढ़ने की राह से भटकाने नहीं दिया जाएगा।' उन्होंने कहा, 'हर नागरिक की सुरक्षा सबसे अहम है। कानून का राज चलेगा, न्याय होगा और शांति की रक्षा की जाएगी।'

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि तामेंगलोंग जिले के कैमाई पुलिस स्टेशन के तहत टोलन कुकी गांव में हुए हमले में एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई ।

पंजाब में राष्ट्रवाद, राज्य की एकता और सीमाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर चुनाव लड़ेगी भाजपाः राजीव बब्बर

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा नेता राजीव बब्बर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रवाद, पंजाब की एकता और सीमाओं की सुरक्षा के मुद्दे को आधार बनाकर चुनाव मैदान में उतरेगी। पार्टी चुनाव की तैयारियों में जुटी है और पंजाब में भाजपा का जनाधार लगातार बढ़ रहा है।

बब्बर ने पंजाब सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि राज्य में नशे और भ्रष्टाचार की समस्या गंभीर है तथा स्कूलों में बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधाएं नहीं हैं। बाढ़ जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए सरकार की तैयारियां पूरी नहीं हैं।

उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की तुलना करते हुए आरोप लगाया कि जिस तरह दिल्ली में केजरीवाल सरकार केंद्र पर आरोप लगाती थी, उसी तरह पंजाब में भगवंत मान भी केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हैं। पंजाब में जमीनी स्तर पर अपेक्षित काम नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी सरकार को बदलने का समय आ गया है।

राजीव बब्बर के मुताबिक पंजाब में बड़ी संख्या में लोग भाजपा से जुड़ना चाहते हैं और पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ रही है। यूसीसी पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान का समर्थन करते हुए राजीव बब्बर ने कहा कि यूनिफॉर्म सिविल कोड देश की और हमारी मांग है और इसका सही मतलब समझना बहुत जरूरी है। उन्होंने संविधान को सर्वोपरि बताते हुए कहा कि व्यक्ति किस जाति या धर्म से आता है। यह बाद की बात है, सबसे पहले देश का संविधान है तिरंगे का उदाहरण देते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जिस तरह तिरंगा पूरे देश का प्रतीक है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /...35274..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35274
वार्ड का नाम 7-कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 7 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR226A00669** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **AMITOSH ARUN DEVIKAR** पिता / पति श्री श्रीमती **ARJUN NARAYAN DEVIKAR** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री श्रीमती रश्मि मिश्रा पिता/पति श्री श्रीमती अंशुल बाफना** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35320..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35320
वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227K00493** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **RAJENDRA KUMAR MAHILANG** पिता/पति श्री/श्रीमती **DHARAM DAS MAHILANG** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती शैलेष तिवारी पिता/पति श्री श्रीमती शेष नारायण तिवारी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35233..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35233
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227J01818** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SEKH NAJIR** पिता / पति श्री श्रीमती **USMAN BAKS** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री / श्रीमती 1. शेख औरंगजेब 2. शेख रहमान पिता/पति श्री श्रीमती स्व. शेख नजीर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, सहमती पत्र, टैक्स रसीद / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 9)
:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /....35349..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35349
वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227Q0064M** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **HARSH AGRAWAL** पिता/पति श्री श्रीमती **ARUN KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती अनुपमा करनानी पिता/पति श्री श्रीमती बजरंग लाल करनानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35374..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 14-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35374
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663500550** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **RAKESH ROSHAN SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. L.R. SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **CHHANNU RAM SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O KAMAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35373..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 14-09-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35373
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RP R663500552** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **RAKESH ROSHAN SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. L.R. SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **CHHANNU RAM SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O KAMAL SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

शांति और रणनीतिक स्वायत्तता में भारत-वियतनाम के साझा हित : ले होई ट्रुंग

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वियतनाम के विदेश मंत्री ले होई ट्रुंग ने सोमवार को कहा कि शांति, स्थिरता और रणनीतिक स्वायत्तता की रक्षा करने तथा एक खुले और समावेशी क्षेत्रीय व्यवस्था को बढ़ावा देने के मामले में वियतनाम और भारत के साझा रणनीतिक हित हैं।

वियतनाम के विदेश मंत्री ले होई ट्रुंग ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय माहौल की बढ़ती जटिलताओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि शांति, स्थिरता, रणनीतिक स्वायत्तता और एक खुले एवं समावेशी क्षेत्रीय ढांचे को बनाए रखने के मामले में भारत और वियतनाम के मजबूत साझा हित हैं।

उन्होंने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि आज अंतरराष्ट्रीय परिवेश लगातार अधिक जटिल होता जा रहा है। ऐसे समय में वियतनाम और भारत शांति, स्थिरता, रणनीतिक स्वायत्तता तथा एक खुले और समावेशी क्षेत्रीय ढांचे के संरक्षण में समान हित साझा करते हैं। दोनों देश अपने-अपने विकास के महत्वपूर्ण चरण से गुजर रहे हैं। वियतनाम 2045 के अपने विकास दृष्टिकोण और भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य के मार्गदर्शन में आगे बढ़ रहा है।'

उन्होंने कहा, 'हमें पूरा विश्वास है कि हमारे द्विपक्षीय संबंध और सहयोग न केवल दोनों देशों के हित में हैं, बल्कि क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर शांति, स्थिरता और सहयोग को भी मजबूत करेंगे। ट्रुंग ने नई दिल्ली में आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी के लिए भारत को बधाई देते हुए कहा कि इस बैठक ने वैश्विक समुदाय के साझा उद्देश्यों में योगदान देने की ब्रिक्स की बढ़ती क्षमता को प्रदर्शित किया है।

उन्होंने कहा, 'भारत की भूमिका और प्रयासों के कारण यह शिखर सम्मेलन बेहद सफल रहा। विशेष रूप से इसका विस्तृत और सारगर्भित घोषणा-पत्र वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसमें अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रमुख सिद्धांतों तथा शांति, सुरक्षा और विकास के लिए आवश्यक दिशानिर्देशों की पुनर्पुष्टि की गई है। साथ ही कई महत्वपूर्ण और ठोस पहलें भी सामने रखी गईं।' ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के इतर नई दिल्ली में वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हुंग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता का उल्लेख करते हुए ट्रुंग ने कहा कि यह बातचीत 'बेहद सार्थक और सौहार्दपूर्ण' रही तथा इससे दोनों नेताओं के बीच हुए समझौतों को आगे बढ़ाने में मदद मिली।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर भारत की जनता को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे विश्वास है कि हमारी यह बैठक सफल होगी।

हिंदी दिवस पर इजरायल ने भारत को दी बधाई, राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी बोलकर दी शुभकामनाएं

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत में इजरायल के राजदूत रूवेन अजार ने हिंदी दिवस के अवसर पर सभी भारतवासियों को शुभकामनाएं दीं। खास बात यह रही कि राजदूत रूवेन अजार ने यह बधाई संदेश हिंदी में दिया।

राजदूत रूवेन अजार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में बधाई संदेश का वीडियो साझा किया। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, ''हिंदी और हिब्रू, यह दो प्राचीन भाषाएं, जो आज भी जीवंत हैं। हिंदी दिवस के अवसर पर इजरायल की ओर से आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं।''

वीडियो संदेश में उन्होंने कहा, ''नमस्ते, मैं रूवेन अजार, भारत में इजरायल का राजदूत हूं। मैं दो वर्ष पहले भारत आया था और तभी से मैंने हिंदी सीखनी शुरू कर दी थी। आज दो साल बाद हिंदी दिवस के अवसर पर मैं आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।''

इजरायल हमेशा ही भारत को अपना अच्छा दोस्त बताता है। भारत में होने वाले तमाम त्योहारों के मौके पर इजरायल खुद को शामिल कर अपनी अच्छी प्रतिक्रिया देता है।

इससे पहले भी रक्षाबंधन के मौके पर भी इजरायली दूतावास में राखी का त्योहार मनाया गया था। उस मौके पर इजरायली दूतावास में राजनीतिक सलाहकार और युवा राजनयिक नित्तई बेन-हाइम को भारतीय बहनों ने राखी बांधी थी।

इजरायली दूतावास ने रक्षाबंधन के इस मौके को दोनों देशों के बीच एक मजबूत रिश्ते से जोड़ते हुए अच?छे संबंध की बात कही थी। इजरायली दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में बहनों के राखी बांधने का विडियो साझा करते हुए लिखा, ''भारत + इजरायल = एक मजबूत और खूबसूरत दोस्ती का बंधन!''

सीईसी ज्ञानेश कुमार की भूटान यात्रा शुरू 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' में भी होंगे शामिल

विश्व केसरी

थिम्पू। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को भूटान की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की। इस यात्रा के दौरान वह भूटान के राजा से मिलेंगे और देश के 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के जश्न में भी शामिल होंगे।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह दौरा भारत और भूटान के चुनाव आयोग के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करेगा और उनके बीच चल रहे आपसी सहयोग को आगे बढ़ाएगा।

बयान के अनुसार, इस दौरे के दौरान सीईसी ज्ञानेश कुमार थिम्पू में भूटान के राजा से मुलाकात करेंगे। इस दौरान एक मुख्य कार्यक्रम मंगलवार को पारो के जिग्मे सिंग्ये वांगचुक स्कूल ऑफ लॉ में भूटान का राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाना होगा, जहां सीईसी मुख्य अतिथि होंगे।

बुधवार को ज्ञानेश कुमार थिम्पू में भूटान के प्रधानमंत्री दाशो शेरिंग टोबगे से मुलाकात करेंगे। बयान में कहा गया है कि वह भूटान के वरिष्ठ सिविल सेवकों के साथ भी बातचीत करेंगे।

भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं और चुनाव प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से अन्य देशों के साथ जुड़ा रहा है।

एक अधिकारी ने बताया कि इससे पहले, इंटरनेशनल इलेक्शन विजिटर्स प्रोग्राम 2026 (आईईवीपी 2026) के प्रतिनिधियों को नई दिल्ली में ईवीएम का लाइव डेमो और मॉक पोल दिखाया गया, जिससे उन्हें भारत की मजबूत, तकनीक-आधारित और पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया की व्यावहारिक समझ मिली। बयान में कहा गया है कि आईईवीपी 2026 के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लिए इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) का लाइव डेमो आयोजित किया गया।

दक्षिण कोरिया में शुरू होगा 'सारंग-भरत महोत्सव', ओडिया नृत्य और कार्यशालाओं से दिखेगी भारतीय संस्कृति की झलक

विश्व केसरी

सियोल। दक्षिण कोरिया में भारत का वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव इस सप्ताह शुरू होगा। भारतीय दूतावास ने सोमवार को बताया कि इसमें देश भर के शहरों में पारंपरिक नृत्य प्रदर्शन और कार्यशालाएं होंगी।

भारतीय दूतावास के अनुसार, 'सारंग-कोरिया में भारत का त्योहार' का 12वां संस्करण मंगलवार से 22 सितंबर तक सियोल, दक्षिण-पूर्वी शहरों बुसान और गिम्हे, दक्षिण-पश्चिमी शहर ग्वांगजू और अन्य क्षेत्रों में चलेगा।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि 2015 में शुरू हुए इस महोत्सव का उद्देश्य भारत की विविध संस्कृति को प्रदर्शित करना और दोनों देशों के बीच लोगों के बीच आदान-प्रदान को मजबूत करना है। इस साल के महोत्सव में भारत की प्रमुख शास्त्रीय नृत्य परंपराओं में से एक ओडिसी की प्रस्तुति होगी, जिसे प्रसिद्ध नृत्यांगना मधुलिता मोहपात्रा के नेतृत्व में एक दल द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा।

दूतावास ने कहा कि यह दल अन्य क्षेत्रों की यात्रा करने से पहले मंगलवार को सियोल के इवा वुमन यूनिवर्सिटी में अपना उद्घाटन प्रदर्शन देगा। यह कोरियाई नृत्य प्रेमियों के लिए कार्यशालाएं भी आयोजित करेगा।

इसके अलावा, 14वां भारतीय फिल्म महोत्सव नवंबर में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 'अगेंस्ट द ऑड्स: ऑर्डिनरी लाइव्स, एक्स्ट्राऑर्डिनरी करेज' थीम के तहत कोरियाई सबटाइटल के साथ छह पुरस्कार विजेता भारतीय फिल्में दिखाई जाएंगी।

इस बीच, हेरिटेज कोरिया 2026 में, भारतीय दूतावास ने आंध्र प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक कलाओं और शिल्पों का प्रदर्शन किया। दूतावास ने एक्स पर कहा, 'हेरिटेज कोरिया 2026 में भारत: दूतावास ने ग्योंगजू (11-12 सितंबर) में हेरिटेज कोरिया 2026 में भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया, जिसमें आंध्र प्रदेश, राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की पारंपरिक कलाओं और शिल्पों को प्रदर्शित किया गया। मेहंदी और मंडला कला ने आगंतुकों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का एक इमर्सिव, हैंड्स-ऑन अनुभव प्रदान किया।'

दूतावास ने सिंचोन वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल में भी भाग लिया, जिसमें भारतीय संस्कृति की विविधता का प्रदर्शन किया गया। दूतावास ने एक्स पर जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'सिंचोन वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल में भारत का जश्न! दूतावास ने 12-13 सितंबर तक सिंचोन वर्ल्ड यूथ फेस्टिवल में भाग लिया, जिसमें भारतीय संस्कृति की विविधता का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा, 'आगंतुकों ने मंडला कला और मेहंदी के हैंड्स-ऑन अनुभवों का आनंद लिया, जबकि एसवीसीसी कथक शिक्षक और छात्रों द्वारा एक मनमोहक कथक नृत्य प्रदर्शन ने भारत की शास्त्रीय परंपराओं की सुंदरता को मंच पर पेश किया।

यूपी चुनाव से पहले 'चचा आउट, भतीजा इन', अखिलेश यादव ने शिवपाल को बड़ी जिम्मेदारी से किया मुक्त

विश्व केसरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) में शायद सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। ऐसा इसलिए कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने चाचा शिवपाल यादव को हटाकर अब खुद लोहिया ट्रस्ट के अध्यक्ष बन गए हैं। जबकि पिछले 10 सालों से लोहिया ट्रस्ट की कमान शिवपाल यादव के हाथ में थी। लेकिन, इस फैसले के साथ अब इस ट्रस्ट पर अखिलेश यादव का कंट्रोल होगा।

दरअसल, लोहिया ट्रस्ट समाजवादी पार्टी से जुड़े लोगों के बीच काफी अहम रहा है। 2017 से ही शिवपाल यादव इस ट्रस्ट की जिम्मेदारी संभालते आ रहे थे, लेकिन अब इसका नियंत्रण पूरी तरह से अखिलेश यादव के पास होगा।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले हुई ट्रस्ट की बैठक में यह फैसला लिया गया था कि अखिलेश यादव को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी जाए। बैठक में शामिल शिवपाल यादव समेत सभी लोगों ने इस फैसले पर अपनी सहमति जताई थी। सूत्रों के अनुसार, ट्रस्ट की कमान अखिलेश यादव को सौंपने से जुड़े फैसले पर शिवपाल यादव समेत सभी आठ सदस्यों ने अपनी मुहर लगा दी थी। इसके साथ ही सपा मुखिया अब लोहिया ट्रस्ट और जनेश्वर ट्रस्ट दोनों के अध्यक्ष बन गए हैं।

2017 में पारिवारिक विवाद के दौरान मुलायम सिंह यादव ने ट्रस्ट की जिम्मेदारी प्रोफेसर रामगोपाल यादव से हटाकर शिवपाल यादव को सौंप दी थी। हालांकि, लोहिया ट्रस्ट का गठन सपा की नींव पड़ने से भी काफी पहले हो चुका था। इसलिए सपा की विरासत में इस ट्रस्ट का काफी महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है। इस ट्रस्ट का काम समाजवादी विचारधारा को आगे बढ़ाना यानी प्रचार-प्रसार करना और पार्टी के लिए फंड जुटाना है।

गोवा में 278 करोड़ के भूमि घोटाले में ईडी की चार्जशीट, मुख्य आरोपी सिद्धीक खान पर शिकंजा

विश्व केसरी

पणजी। गोवा में करीब 278 करोड़ रुपये की कथित भूमि हड़पने और धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुख्य आरोपी सिद्धीक उर्फ सुलेमान खान के खिलाफ विशेष अदालत में अभियोजन शिकायत (प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की है। ईडी की पणजी जोनल कार्यालय ने 11 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत यह शिकायत उत्तर गोवा के मर्सेस स्थित विशेष पीएमएलए अदालत में दायर की।

ईडी ने बताया कि जांच गोवा पुलिस की क्राइम ब्रांच की विशेष जांच टीम (लैंड ग्रैबिंग) द्वारा दाखिल चार चार्जशीट के आधार पर शुरू की गई थी। ये मामले मापुसा और वालपोई पुलिस थानों में दर्ज एफआईआर से जुड़े हैं।

जांच में सामने आया कि सिद्धीक उर्फ सुलेमान खान कथित तौर पर एक आदतन अपराधी है और उसने उत्तर गोवा की बहुमूल्य अचल संपत्तियों पर अवैध कब्जा करने के लिए आपराधिक साजिश रची। इसके लिए फर्जी बिक्री विलेख (सेल डीड) तैयार किए गए और बारदेज व वालपोई के उप-पंजीयक कार्यालयों के रिकॉर्ड में नकली स्टांप और सील की मदद से उन्हें दर्ज कराया गया।

ईडी के अनुसार, आरोपी ने कब्जाई गई संपत्तियों पर फर्जी दावे के जरिए धन अर्जित किया और उस रकम को तीसरे पक्षों व बेनामी खाताधारकों के बैंक खातों तथा दूसरे पैन कार्ड के जरिए संचालित एक साझेदारी फर्म के माध्यम से घुमाया। बाद में बड़ी मात्रा में रकम को नकदी में बदलकर अपराध से अर्जित आय को वैध दिखाने की कोशिश की गई।

जांच के दौरान ईडी ने लगभग 278 करोड़ रुपये मूल्य की कब्जाई गई अचल संपत्तियों को अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) मानते हुए पीएमएलए के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया है।

ईडी ने सिद्धीक उर्फ सुलेमान खान को 16 जुलाई 2026 को गिरफ्तार किया था। ईडी हिरासत समाप्त होने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और फिलहाल वह कोलवाले केंद्रीय जेल में बंद है।

सत्य निकेतन में एमसीडी की ओर से बिल्डिंग गिराने को लेकर दायर याचिका पर जल्द सुनवाई से किया इनकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने उस मांग पर जल्द सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने सत्य निकेतन में गिरी पीजी इमारत से सटी बिल्डिंग को मलबा हटाए बिना गिरा दिया। याचिका में आशंका जताई गई है कि बिना जांच किए कि अंदर अभी भी लोग फंसे हैं या नहीं, दूसरी बिल्डिंग को गिरा दिया गया।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने याचिकाकर्ता से पूछा कि उनकी जानकारी का सोर्स क्या है। कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों ने बिल्डिंग गिराने से पहले जरूर कोई टेक्निकल ऑडिट किया होगा। हाईकोर्ट ने याचिका पर जल्द सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से याचिका फाइल करने को कहा। कोर्ट ने कहा कि इसे नियम के अनुसार सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाएगा।

इससे पहले 9 सितंबर को दिल्ली विश्वविद्यालय के कॉलेजों में छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका (पीआईएल) पर दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार, दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) और दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है।

हाईकोर्ट में दाखिल पीआईएल में सभी संबंधित अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई है कि दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संचालित सभी कॉलेजों में छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध हो। याचिकाकर्ता ने कहा है कि छात्रों को सुरक्षित और पर्याप्त आवास उपलब्ध कराना जरूरी है ताकि उन्हें असुरक्षित निजी पीजी और हॉस्टल में रहने के लिए मजबूर न होना पड़े। बता दें कि 6 सितंबर को सत्य निकेतन में एक इमारत ढह गई थी। हादसे के बाद एनडीआरएफ, दिल्ली पुलिस, दमकल विभाग, जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाया। मलबे से कई लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में अधिकतर छात्र थे।

पश्चिम बंगाल भाजपा में बड़ा संगठनात्मक फेरबदल मीडिया-आईटी और सोशल मीडिया टीमों का हुआ पुनर्गठन

विश्व केसरी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी की पश्चिम बंगाल इकाई में बड़ा संगठनात्मक बदलाव किया गया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मीडिया, आईटी, सोशल मीडिया और प्रवक्ता पैनल के लिए नई टीम की घोषणा की। जारी अधिसूचना के मुताबिक, सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। यह आदेश राज्य महासचिव एवं राज्य कार्यालय प्रभारी शशि अग्निहोत्री द्वारा जारी किया गया।

पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, तीन प्रमुख विभागों में नए चेहरों को जिम्मेदारी दी गई है। मीडिया विभाग में अनुपम घोष को संयोजक बनाया गया है, जबकि पार्थ सारथी चौधरी और चंद्रशेखर बसुतिया को सह संयोजक नियुक्त किया गया है। यह विभाग पार्टी की प्रेस और मीडिया से जुड़ी गतिविधियों को संभालेगा।

जॉय मल्लिक को संयोजक के रूप में आईटी विभाग की कमान सौंपी गई है। उनके साथ चार सह-संयोजक होंगे। इनमें रत्नेश सिंह, रम्यज्योति सरकार, शुभोजीत कर्मकार और सब्यसाची रॉय के नाम शामिल हैं।

सोशल मीडिया विभाग में उपमन्यु भट्टाचार्य को संयोजक बनाया गया है। प्रीतम भट्टाचार्जी और कमेलिया सान्याल को सह-संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

सबसे बड़ा विस्तार प्रवक्ता पैनल में किया गया है। एडवोकेट देबजीत सरकार को मुख्य प्रवक्ता बनाया गया है। उनके साथ 13 अन्य प्रवक्ताओं की टीम होगी, जिसमें रितेश तिवारी, सायंतन बोस, केया घोष, प्रणय रॉय, डॉ. तन्मय मुखर्जी, सप्तर्षि चौधरी (प्रवक्ता और पार्टी साहित्य), ओफेलिया सिंघा, अंकन दत्ता, मेघा सेन रॉय, डॉ. निखिल प्रसून सिंह, समिक दासगुप्ता, सुदीप्ता गुहा और मेजर ऋत्विक पॉल (सेवानिवृत्त) शामिल हैं।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 2026 के नगर निकाय और 2027 के पंचायत चुनाव से पहले यह नियुक्तियां संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। नई टीम में अनुभवी चेहरों के साथ युवाओं को भी मौका दिया गया है।

संपादकीय

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

ललित गर्ग

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। हर वर्ष 15 सितंबर को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस इसी लोकतांत्रिक चेतना को मजबूत करने का अवसर है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए 'मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं' को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्त हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा।

आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा

तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है।

आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है। यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- 'मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए, जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।' गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता।

विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है कि 'लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।' यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहाँ सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं।

आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है।

आखिर क्या है 'नई दिल्ली घोषणा पत्र' में?

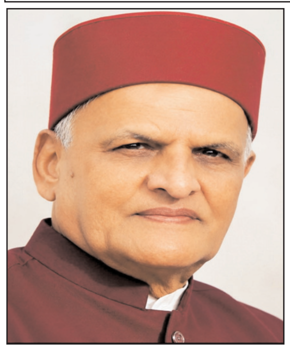

गिरीश पंकज

'ब्रिक्स' सम्मेलन को लेकर आलोचना के स्वर भी सुनाई देते रहे हैं कि इस सम्मेलन से भारत को क्या हासिल होगा, लेकिन सच बात तो यह है कि ऐसे ही सम्मेलनों से भारत की दुनिया में विशिष्ट पहचान कायम होती है। जब रूस और चीन जैसे बड़े देशों के प्रमुख भारत पहुंचकर हमारे प्रधानमंत्री के साथ मिलते हैं, दूसरे देशों के राष्ट्रीय नेता भी आते हैं तब वैश्विक पटल पर भारत के दबदबे की गूँज भी होती है। मुझे लगता है कि ऐसे वैश्विक सम्मेलनों पर विपक्ष को भी सकारात्मक प्रक्रिया व्यक्त करनी चाहिए। एक आलोचना यह भी हो रही थी कि दिल्ली के कुछ स्थानों को सफेद कपड़े से ढक दिया गया था। इसका उत्तर यह भी है कि जब हमारे घर कोई मेहमान आता है,तो हम घर को कुछ व्यवस्थित करते हैं। मैली हप चुकी चादर को हटाकर साफ सचादर बिछा देते हैं। यह सामान्य शिष्टाचार है। देश भी एक तरह का घर है और इस घर में विदेश के मेहमान आ रहे हैं, तो देश की अच्छी छवि जानी चाहिए। इसमें कोई बुराई नहीं है। एक हास्यास्पद आलोचना यह भी सुनाई दी कि विदेशी मेहमानों को वेज खाना क्यों परोसा गया, नॉनवेज भी परोसना था। यह कितनी आकर्षक बात है कि विदेशी नेता आते हैं, वह भारतीय फिल्मों के गाने झूम-झूम कर गाते हैं। मांसाहारी भोजन तो दुनिया भर के लोग करते ही हैं, मगर भारत में आकर वे शाकाहारी व्यंजनों का स्वाद लेते हैं, तो यह गर्व की बात है।

सम्मेलन के समापन पर जारी 'नई दिल्ली घोषणा पत्र' महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जाएगा। इस घोषणा पत्र को मैंने ध्यान से देखा है। उसे समझने की कोशिश की है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित 13वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में स्वीकार किया गया घोषणा पत्र वैश्विक राजनीति, सुरक्षा और बहुपक्षीय सुधारों के दृष्टिकोण से अत्यंत प्रासंगिक है। घोषणा पत्र का सबसे प्रमुख संदेश संयुक्त राष्ट्र,सुरक्षा परिषद, विश्व व्यापार संगठन, और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधार की मांग थी, ताकि विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ सके। इसमें स्पष्ट किया गया कि आतंकवाद के किसी भी रूप को किसी भी आधार पर जायज नहीं ठहराया जा सकता और सीमा पार आतंकी नेटवर्क, फंडिंग तथा सुरक्षित पनाहगाहों को समाप्त करना अनिवार्य है। तत्कालीन काबुल घटनाक्रम के मद्देनजर, घोषणा पत्र में यह रेखांकित किया गया कि अफगान भूमि का उपयोग किसी अन्य देश पर हमले, आतंकी ठिकानों या ड्रग तस्करी के लिए नहीं होना चाहिए। साथ ही समावेशी राजनीतिक समाधान और मानवाधिकारों की रक्षा पर बल दिया गया। डिजिटल अर्थव्यवस्था और तकनीकी सहयोग की ओर भी एक कदम आगे बढ़ा है। सतत विकास लक्ष्यों को गति देने के लिए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के उपयोग पर जोर दिया गया।

नई दिल्ली घोषणा पत्र ने यह स्पष्ट किया कि ब्रिक्स केवल एक आर्थिक मंच नहीं है, बल्कि वैश्विक शासन प्रणाली के पुनर्गठन और साझा सुरक्षा प्राथमिकताओं पर एक संतुलित व प्रभावशाली बहुपक्षीय आवाज है। दिल्ली घोषणा पत्र के जरिए भारत ने कूटनीतिक, रणनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर कई ठोस उपलब्धियाँ हासिल कीं। जैसे आतंकवाद पर कड़ा वैश्विक रुख और सहमति बनी। इसमें सीमा पार आतंकवाद, आतंकियों के सुरक्षित ठिकानों और फंडिंग नेटवर्क को खत्म करने पर चीन सहित सभी देशों को एक मंच पर लाया गया।

ग्लोबल साउथ के नेता के रूप में भारत ने बहुपक्षीय संस्थाओं में व्यापक सुधार की मांग को मुखरता से आगे बढ़ाया। इससे विकासशील देशों के हितों की पैरोकारी करने वाले एक जिम्मेदार और अग्रणी राष्ट्र के रूप में भारत की छवि मजबूत हुई। रूस और चीन के साथ कूटनीतिक संतुलन पर भी चर्चा हुई। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के तनावपूर्ण दौर में भी भारत ने इस बहुपक्षीय मंच का उपयोग कर संवाद की निरंतरता बनाए रखी, बिना अपने मूल सुरक्षा और संप्रभुता संबंधी हितों से समझौता किए। डिजिटल और नवाचार नेतृत्व को मान्यता मिली है। भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर को साझा समाधान के रूप में प्रस्तुत किया। ब्रिक्स सम्मेलन निश्चित रूप से भारत और चीन के संबंधों को संभालने और उन्हें संवाद को पटरी पर बनाए रखने में एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक का काम करता है। हालांकि, इसे एकमुश्त सकारात्मक मजबूती के बजाय रणनीतिक स्थिरीकरण और तनाव प्रबंधन के रूप में देखना अधिक यथार्थवादी होगा।

ब्रिक्स मंच भारत-चीन संबंधों को भी सकारात्मक दिशा और गति देता है। द्विपक्षीय तनाव या सीमा गतिरोध के समय जब औपचारिक द्विपक्षीय दौरे रुक जाते हैं, तब ब्रिक्स जैसा बहुपक्षीय मंच दोनों देशों के शीर्ष नेताओं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग, को आमने-सामने बैठने और बातचीत करने का तटस्थ अवसर प्रदान करता है। नई दिल्ली में आयोजित शिखर सम्मेलन के दौरान हुई द्विपक्षीय बातचीत इसी संवाद तंत्र का परिणाम है। भारत ने ब्रिक्स वार्ताओं के समानांतर लगातार यह स्पष्ट किया है कि संबंध तभी मजबूत हो सकते हैं जब वे आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता, और आपसी हित पर आधारित हों। इस मंच से यह संदेश स्पष्ट रूप से बीजिंग तक पहुंचता है कि 'मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए'।

सीमा पर अमन-चैन को संबंधों की अनिवार्य शर्त बनाना भी सम्मेलन का उद्देश्य रहा। भारत ने बहुपक्षीय बैठकों के दौरान भी यह रेखांकित किया है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति एवं स्थिरता ही समग्र द्विपक्षीय संबंधों के सामान्यीकरण की पहली शर्त है। बहुपक्षीय दबाव के चलते दोनों पक्षों को सैन्य व राजनयिक वार्ताओं को गति देनी पड़ती है।

लोबल साउथ और बहुपक्षीय सुधारों पर साझा हित पर फोकस किया गया। पश्चिमी आधिपत्य वाली वित्तीय और सुरक्षा संस्थाओं में सुधार, जलवायु वित्त और विकासशील देशों के प्रतिनिधित्व के मामले में भारत और चीन के कई रणनीतिक हित एक जैसे हैं। यह साझा एजेंडा दोनों देशों को टकराव छोड़कर कुछ मुद्दों पर सहयोग करने का आधार देता है।

ब्रिक्स से संवाद का माहौल जरूर बनता है, लेकिन पूर्ण सकारात्मक मजबूती तब तक संभव नहीं है जब तक

सीमा विवाद का स्थायी व स्वीकार्य समाधान न निकले और सीमा पर पूर्ण शांति बहाल न हो। चीन भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय चिंताओं के प्रति वास्तविक संवेदनशीलता न दिखाए।व्यापार संतुलन के गंभीर घाटे को पाटने के लिए चीन भारतीय वस्तुओं और सेवाओं को पारदर्शी बाजार पहुंच न दे। ब्रिक्स सम्मेलन भारत-चीन संबंधों में किसी नाटकीय दोस्ती की गारंटी नहीं देता, लेकिन यह दोनों परमाणु संपन्न पड़ोसियों को किसी अनियंत्रित टकराव से बचाकर 'सह-अस्तित्व और व्यावहारिक जुड़ाव' के दायरे में रखने का सबसे प्रभावी कूटनीतिक कवच साबित होता है।

अगला ब्रिक्स सम्मेलन बीजिंग में होगा। इस तरह वैश्विक स्तर पर संवाद का एक सिलसिला जारी रहना चाहिए, यह बड़ी बात है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलनों से भारत को कूटनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे पर कई ठोस लाभ हासिल हुए हैं। ब्रिक्स भारत को बहुध्रुवीय विश्व में स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखने का मंच देता है। इसके जरिए भारत पश्चिमी देशों और गैर-पश्चिमी शक्तियों के बीच रणनीतिक संतुलन साधने में सफल रहा है।

ब्रिक्स द्वारा स्थापित न्यू डेवलपमेंट बैंक से भारत को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर रियायती कर्ज मिला है। ब्रिक्स सम्मेलनों के जरिए द्विपक्षीय व्यापार में राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा मिला है। इससे अमेरिकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता घटी है और वैश्विक प्रतिबंधों या मुद्रा विनिमय के उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हुआ है। समूह में रूस, यूएई, ईरान और सऊदी अरब जैसे ऊर्जा उत्पादकों की मौजूदगी से भारत को दीर्घकालिक कच्चे तेल, गैस और महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिली है। भारत देश में रहने वाले आलोचकों को बहुत उदार होकर विचार मंथन करना चाहिए, राष्ट्रहित में यह बहुत जरूरी है।

आधुनिकता की काली छाया

पार्थसारथि थपलियाल

माना कि परिवर्तन अवश्यंभावी है, नदी के पानी में नहाते हुए स्पर्श होते ही पानी वही नहीं रह जाता जिसने अभी स्पर्श किया था। यह प्रवाह का परिवर्तन है। तालाब के पानी में ऐसा परिवर्तन नहीं होता। एक परिवर्तन बाँध वाले पानी का भी होता है। यह परिवर्तन प्राकृतिक या स्वाभाविक नहीं है। आधुनिकता ने बांध तो दे दिया लेकिन मानवता के लिए एक भय भी उपस्थित किया, किन्हीं भी स्थितियों में बांध टूट सकता है, तब क्या होगा। जीवन में कृत्रिमता ने सदैव संकट पैदा किया है। यह आधुनिक भारतीय समाज में दिखाई दे रहा है।

भारतीय चिंतन में समाज केवल व्यक्तियों का समूह नहीं, बल्कि परस्पर संबंधों और दायित्वों से जुड़ा हुआ एक जीवंत परिवार है। इसी भावभूमि से वसुधैव कुटुम्बकम् और सर्वे भवन्तु सुखिनः जैसे विचार विकसित हुए। भारत की सामाजिक संस्कृति की विशेषता

रही है कि उसने विविधताओं को समाप्त करने के बजाय उन्हें स्वीकार करते हुए एक व्यापक सांस्कृतिक एकात्मता का निर्माण किया। भाषा, वेशभूषा, खान-पान, पूजा-पद्धति, लोकपरंपरा और सामाजिक रीति-रिवाजों की असंख्य विविधताओं के बावजूद भारतीय समाज को जोड़ने वाली एक सांस्कृतिक चेतना निरंतर प्रवाहित रही है।

समावेशिता का भारतीय अर्थ केवल अधिकारों की समानता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसमें सह-अस्तित्व, परस्पर सम्मान, कर्तव्य और सहभागिता का भाव भी रहा है। परिवार, ग्राम, तीर्थ, पर्व, मेले और लोकपरंपराएँ सामाजिक समरसता के महत्वपूर्ण माध्यम रहे हैं। संत परंपरा ने भी जाति, वर्ग और बाहरी भेदों से ऊपर उठकर मनुष्य की अंतर्निहित गरिमा को प्रतिष्ठित किया।

किन्तु आधुनिकता के साथ आई तीव्र व्यक्तिवादिता, उपभोक्तावाद और बाजार-केंद्रित जीवन-दृष्टि ने इस सामाजिक ताने-बाने को चुनौती दी है। तकनीक ने मनुष्य को जोड़ने के साधन तो बढ़ाए हैं, परंतु अनेक बार वास्तविक संबंधों की आत्मीयता कम हुई है। संयुक्त परिवारों का विघटन, पड़ोस की आत्मीयता में कमी, सामाजिक दायित्वों से बढ़ती दूरी और आभासी जीवन की प्रधानता इसके संकेत हैं। आधुनिकता स्वयं समस्या नहीं है; समस्या तब उत्पन्न होती है जब आधुनिकता अपनी जड़ों और सांस्कृतिक स्मृति से विमुख होकर केवल उपभोग और स्वार्थ का पर्याय बन जाती है।

भारत के लिए आवश्यक है कि वह विज्ञान, तकनीक, समानता और आधुनिक संस्थाओं को अपनाते हुए अपनी समरसता, सह-अस्तित्व और कुटुंब-भावना को भी जीवित रखे। भारतीय आधुनिकता वही होगी जो नए को स्वीकार करे, पर अपनी आत्मा को विस्मृत न करे।

बोध कथा

दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं मानेगा। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवतः कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

कविता

वो माँ चाहिए..

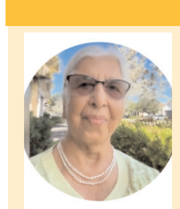

देवी नागरानी

हमें अपनी हिंदी ज़बाँ चाहिये
सुनाए जो लोरी वो माँ चाहिये

जहाँ भिन्नता में भी हो एकता
मुझे एक ऐसा जहाँ चाहिये

मुहब्बत के बहते हों धारे जहाँ
वतन ऐसा जन्नत-निशाँ चाहिये

कहा किसने सारा जहाँ चाहिये
हमें सिर्फ़ हिन्दोस्ताँ चाहिये

तिरंगा हमारा हो ऊँचा जहाँ
निगाहों में वो आसमाँ चाहिये

जहाँ हिंदी भाषा के महकें सुमन
वो सुंदर हमें गुलसिताँ चाहिये

खिले फूल भाषा के 'देवी' जहाँ
उसी बाग़ में आशियाँ चाहिये।

व्यंग्य केसरी

भ्रष्टाचारी होने का संसारी-सुख

रेखा शाह आर बी

बड़े बुजुर्ग कहते थे कि जिसे संतोष है वही सुखी है। बड़े बुजुर्ग तो कह कर चले गए। अब वो ना लोग रहे ,ना जमाना रहा और ना उनकी बनाई लकीर पर कोई चलने वाला रहा। आजकल की औलाद है तो अपने मां-बाप की बात नहीं सुन रही है तो पुरखों की बातें क्या सुनेंगी। इससे तो बस रील बनवा लीजिए बस यही आता है। बड़े बुजुर्गों की कहावतें भी उनके साथ ही चली जानी चाहिए थी लेकिन दीवारों पर आज भी कहीं-कहीं 'संतोष परम सुखम' लिखा हुआ कलेजा जलाते रह गया।

लेकिन लिखा हुआ रहने से क्या होता है। जैसे किताबों में लिखी नैतिकता की बातों का जितना मूल्य है उनका भी वही है।अब तो वही होता है जो आज का इंसान चाहता है। उनके सिद्धांत अब पुराने हो चुके है। आधुनिक युग में सुखी होने के लिए संतोष नहीं सुविधा और लग्जरी की जरूरत पड़ती है तो संतोष और सुख अपने आप आ जाते हैं जैसे किसी मॉल में एक पर एक फ्री सामान मिलते हैं।

और आज के जमाने का सबसे बड़ा सुख है कि बिना कुछ काम किये फायदा पूरा उठाना। हर कोई इस जुगाड़ में लगा रहता है। चाहे सरकारी नौकरी वाला हो या प्राइवेट नौकरी वाला हो। यह सुख दुनिया का सबसे बड़ा और अद्भुत सुख है। अब ईमानदार आदमी या कर्मचारी को देख लीजिए ।सालों साल काम करता है वेतन बचाता है। अपनी जरूरतो में कटौती करता है। फिर भी अपने घर की मरम्मत करने से पहले उसे 10 बार सोचना पड़ता है।और वहीं पर दूसरी तरफ बिना कुछ काम किया माल पुरा कमाने वाले देखते ही देखते वहां पहुंच जाते हैं जहां एक ईमानदार कर्मचारी को पहुंचने में दो-चार जन्म तो लग ही जाएंगे। तो बताइए सुखी कौन है? आखिर में तो दुनिया रिजल्ट ही दिखती है। किस तरीके से यह रिजल्ट बना यह कौन देखता है। यदि आप किसी से कहेंगे कि आपने काम तो पूरा किया था बस नाम नहीं मिला तो लोग आप पर हसेंगे।

इस दुनिया में भ्रष्टाचारी और करप्ट होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि ऐसे इंसान को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए महीने की पहली तारीख तक इंतजार नहीं करना पड़ता है। तनख्वाह तो पूर्णमासी का चांद है एक दिन निकलता है। भ्रष्टाचारी बाकी दिन को अर्धपूर्णमासी तो मना ही लेता है। ऐसे व्यक्ति को ना अपना आय का हिसाब रखना पड़ता है। और ना खर्च का हिसाब रखना पड़ता है ।कहां से आया, कितना आया, कितना गया इन सब फिक्र से बेफिक्र रहता है।

ईमानदार व्यक्ति सिर्फ अच्छा आदमी होता है। लेकिन भ्रष्ट और बेईमान व्यक्ति काम का आदमी होता है। और जिससे सभी का काम पड़ता है इसीलिए कोई उसके काम में ज्यादा टांग अड़ाने की कोशिश नहीं करता है। असल में काम वही करता है। भ्रष्टाचार व्यावहारिकता है। और ईमानदारी दीवार पर लिखा स्लोगन है। और असल जिंदगी में व्यवहारिकता काम आती है। दीवार पर लिखे स्लोगन सिर्फ लिखा ही रह जाते हैं। क्योंकि देश बदल चुका है बस ईमानदार नहीं बदल रहा है। इसीलिए बेचारे दुख काटते हैं।

इतिहास

15 सितंबर का दिन भारत और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं, जयंतियों और स्थापना दिवसों के लिए जाना जाता है। आप आज तक और YourStory पर भी विस्तृत जानकारी देख सकते हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1959: भारत के राष्ट्रीय टेलीविजन प्रसारक दूरदर्शन की शुरुआत हुई थी।

1948: स्वतंत्र भारत का पहला ध्वजपोत (फ्लैगशिप) 'आईएनएस दिल्ली' मुंबई के बंदरगाह पर पहुँचा था।

1971: पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाले अंतरराष्ट्रीय संगठन 'ग्रीनपीस' की स्थापना की गई थी।

1981: वानुअतु देश संयुक्त राष्ट्र संघ का सदस्य बना था।

लखनऊ विश्वविद्यालय में करीब 100 सुरक्षाकर्मियों को नौकरी से निकाला, एनएसयूआई के साथ धरने पर बैठे गार्ड

विश्व केसरी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में लंबे समय से काम कर रहे करीब 100 सुरक्षा कर्मियों को अचानक हटाए जाने का मामला सामने आया है। नौकरी जाने से नाराज सुरक्षा कर्मियों ने एनएसयूआई कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर विश्वविद्यालय के गेट नंबर-1 के पास धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मचारियों ने नौकरी बहाल करने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की और विश्वविद्यालय प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में सुरक्षा कर्मी शामिल हुए। सभी गेट नंबर-1 के पास बैठ गए और रोजगार बहाल किए जाने की मांग उठाई। सुरक्षा कर्मियों का कहना है कि वे कई वर्षों से लखनऊ विश्वविद्यालय में सेवाएं दे रहे हैं। कुछ कर्मचारियों ने बताया कि वे वर्ष 2018 से लगातार विश्वविद्यालय में काम कर रहे हैं, जबकि कुलसचिव को दिए पत्र में करीब 12 वर्षों से सेवा देने का दावा किया गया है। उनका कहना है कि इतने लंबे समय तक काम करने के बावजूद अचानक नौकरी से हटा दिया गया।

गार्डों ने बताया कि नौकरी जाने से उनके परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। बच्चों की पढ़ाई और घर का खर्च चलाने के लिए यही नौकरी उनका मुख्य सहारा थी। अचानक रोजगार छिनने से परिवार की जिम्मेदारियां पूरी करना मुश्किल हो रहा है। गार्डों का कहना है कि बिना कुलसचिव की अनुमति किसी कर्मचारी को हटाने का आदेश नहीं है। इसके बावजूद एजेंसी की ओर से कई गार्डों को हटाया जा चुका है। कर्मचारियों का दावा है कि करीब 60 फीसदी सुरक्षा कर्मियों को हटाने की तैयारी चल रही है।

गार्डों ने पत्र में यह भी कहा कि वर्षों की सेवा के दौरान उनके खिलाफ कोई शिकायत नहीं हुई। वहीं, एजेंसी की ओर से तय मानकों को पूरा नहीं करने वाले गार्डों को हटाने की बात कही जा रही है। कर्मचारियों का कहना है कि वे निर्धारित सभी मानकों को पूरा करने के लिए तैयार हैं।

सुरक्षा कर्मियों ने विश्वविद्यालय में खाली पड़े चौकीदार और अन्य पदों पर उनकी योग्यता के अनुसार समायोजन की मांग भी की है। उन्होंने कुलसचिव से सभी गार्डों के हितों की रक्षा करने और उन्हें नौकरी से न हटाने की गुहार लगाई है। वहीं, एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने सुरक्षा कर्मियों की मांग का समर्थन किया। संगठन ने विश्वविद्यालय प्रशासन से हटाए गए सभी सुरक्षाकर्मियों को दोबारा काम पर रखने की मांग की है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि समस्या का समाधान होने तक वे अपनी मांग को लेकर आवाज उठाते रहेंगे।

पोखरण में शुरू हुआ वायुसेना का पहला ड्रोनाथॉन, स्वदेशी तकनीकों का प्रदर्शन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना ने ड्रोन व मानवरहित हवाई प्रणालियों की नई क्षमताओं को परखने के लिए ड्रोनाथॉन-2026 की शुरुआत की है। यह विशेष आयोजन सोमवार से पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू हुआ। यह अपनी तरह का पहला ड्रोनाथॉन है। वायुसेना उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने इसका उद्घाटन किया।

इसमें 20 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियां, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और नवोन्मेषक हिस्सा ले रहे हैं।

पोखरण की वास्तविक परिचालन परिस्थितियों में ये कंपनियां अपने मानवरहित हवाई तंत्र और उनसे जुड़ी युद्धक व अन्य तकनीकों का प्रदर्शन कर रही हैं। वायुसेना के मुताबिक ड्रोनाथॉन में निगरानी और टोह लेने से लेकर स्वायत्त संचालन, ड्रोन झुंड तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और ड्रोन रोधी प्रणालियों जैसी क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। हालांकि इस आयोजन का मकसद केवल नई तकनीक दिखाना नहीं है। वायुसेना इन प्रणालियों को कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में उनकी विश्वसनीयता तथा प्रभावशीलता के आधार पर परख रही है। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि बदलती परिचालन जरूरतों और उभरते खतरों के अनुसार ये प्रणालियां कितनी तेजी से खुद को ढाल सकती हैं।

समारोह में रक्षा मंत्रालय, मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ के वरिष्ठ अधिकारी और भारतीय सेना तथा सीमा सुरक्षा बल के प्रतिनिधि मौजूद रहे। तीन दिन तक चलने वाला यह आयोजन 16 सितंबर तक चलेगा। दरअसल मानवरहित प्रणालियां मानवयुक्त विमानों की महत्वपूर्ण सहयोगी क्षमता बनती जा रही हैं। इन प्रणालियों के जरिए अभियानों की पहुंच, लंबे समय तक संचालन, तेजी से प्रतिक्रिया और परिचालन में लचीलापन बढ़ाने के लिए अतिरिक्त विकल्प मिल सकते हैं।

ड्रोनाथॉन के उद्घाटन के दौरान वायुसेना उप प्रमुख ने भारतीय वायुसेना यूएएस रोडमैप भी जारी किया। इसका उद्देश्य भारतीय उद्योग को वायुसेना की भविष्य की प्राथमिकताओं और क्षमताओं को लेकर अधिक स्पष्ट दिशा देना है।

मणिपुरः जिरीबाम जिले में जलाए गए रोंगमेई नागा समुदाय के लोगों के कई घर

विश्व केसरी

जिरिबाम। मणिपुर के जिरीबाम जिले में उस समय तनाव की स्थिति पैदा हो गई, जब रोंगमेई नागा समुदाय के लोगों के तीन से चार घर जला दिए गए। हालांकि, अभी तक किसी के घायल होने या जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना रविवार शाम करीब 6.30 बजे जिरीबाम थाना क्षेत्र से लगभग 12 किलोमीटर दक्षिण में हुई। यहां तीन से चार घरों में आग लगा दी गई। आग लगने का सही कारण और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान अभी आधिकारिक तौर पर नहीं हो पाई है।

सूत्रों ने बताया कि कुकी और नागा समुदायों के बीच तनाव बढ़ने के बाद संभावित जवाबी कार्रवाई के डर से रोंगमेई नागा परिवारों ने कुछ हफ्ते पहले ही अपने घर खाली कर दिए थे।

घटना के बाद सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति का जायजा लिया। फिलहाल, सुरक्षाबलों को हाईअलर्ट पर रखा गया है। तुरंत तैनाती के लिए जवानों और क्विक एक्शन टीमों को भी तैयार रखा गया है। सुरक्षाकर्मियों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे इलाके के ग्रामीणों और प्रमुख लोगों के साथ बातचीत बढ़ाएं ताकि सतर्कता बनी रहे और स्थिति को और बिगड़ने से रोका जा सके।

इससे पहले, मणिपुर के तामेंगलोंग जिले में नेशनल हाईवे-37 पर स्थित टोलन गांव में अज्ञात हमलावरों ने एक परिवार पर गोलीबारी की। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार, यह हमला सुबह करीब 4 बजे हुआ, जिसमें एक महिला को गोली लगी और उनकी मौत हो गई। उसका पति और छह साल का बेटा इस गोलीबारी में घायल हो गया। दो बच्चे सुरक्षित बचे हैं।

सीकर निकाय चुनावः कांग्रेस की जीत के बाद झड़प; वार्ड 17 में पत्थरबाजी

विश्व केसरी

जयपुर। सीकर में नगर निकाय चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ ही देर बाद तनाव फैल गया, जब वार्ड 17 में कांग्रेस और एक निर्दलीय उम्मीदवार के समर्थक आपस में भिड़ गए। सीकर नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी; उसने 65 में से 38 वार्ड जीते और स्पष्ट बहुमत हासिल किया।

भाजपा ने 22 वार्ड जीते, जबकि निर्दलीय उम्मीदवारों ने 4 सीटें और आरएलपी ने 1 वार्ड जीता। वार्ड 17 का नतीजा खास तौर पर अहम रहा, क्योंकि कांग्रेस उम्मीदवार तस्लीम ने निर्दलीय उम्मीदवार अर्शीन को हराकर जीत हासिल की। हालांकि, नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद दोनों गुटों के बीच टकराव हो गया और पत्थरबाजी हुई, जिसमें कई लोग घायल हो गए। झड़प की खबर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घटना के सिलसिले में कई लोगों को हिरासत में लिया। स्थिति को काबू में कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। कांग्रेस के शानदार प्रदर्शन से उसे म्युनिसिपल बोर्ड के गठन में साफ बढ़त मिल गई है। हालांकि, वार्ड 17 में नतीजों के बाद हुई हिंसा ने चुनाव के बाद विरोधी गुटों के बीच तनाव को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस इलाके में स्थिति पर नजर रख रही है ताकि तनाव और न बढ़े।

वहीं, जोधपुर में वार्ड नंबर 50 की एक सीट के लिए वोटों की गिनती रोक दी गई, क्योंकि एक पोलिंग बूथ पर ईवीएम (ईवीएम) में तकनीकी खराबी की सूचना मिली थी। इस समस्या के बाद, रिटर्निंग ऑफिसर ने राज्य चुनाव आयोग से मार्गदर्शन मांगा।

'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के जरिए पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अब तक 79,784 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

विश्व केसरी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब पुलिस ने ड्रग्स-विरोधी अभियान 'युद्ध नशे के विरुद्ध' की शुरुआत के बाद से 60,582 एफआईआर दर्ज की हैं और 79,784 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनमें 354 बड़े कमर्शियल-स्तर के मामलों में शामिल 708 बड़े तस्कर भी शामिल हैं। हर मामले में दो किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद की गई थी।

सोमवार को सीएम भगवंत मान के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए, पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीएसपी) गौरव यादव ने 1 मार्च 2025 और 10 सितंबर 2026 के बीच नशीले पदार्थों के खिलाफ लड़ाई में हासिल की गई अहम उपलब्धियों का ब्योरा दिया और काउंटर इंटेलिजेंस विंग द्वारा हासिल की गई बड़ी कामयाबियों की जानकारी भी साझा की।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा, 'इस दौरान कुल मिलाकर रिकॉर्ड मात्रा में ड्रग्स बरामद किए गए, जिनमें 3,803 किलोग्राम हेरोइन, 976 किलोग्राम अफीम, 46 टन पोस्ता भूसा, 1,325 किलोग्राम गांजा और 78 लाख नशीले कैप्सूल/गोलियां शामिल हैं'।

भारत में बरामद कुल हेरोइन का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पंजाब से आता है। प्रोफेशनल और वैज्ञानिक जांच के असर पर जोर देते हुए डीजीपी ने कहा, 'एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की अगुवाई में हुई प्रोफेशनल और वैज्ञानिक जांच ने पंजाब में सजा दिलाने की दर को 89 प्रतिशत तक पहुंचा दिया है, जो पूरे भारत में एक मिसाल है।

डीके शिवकुमार सरकार के सौ दिन के जश्न पर विवाद, मंच पर जगह न मिलने से कांग्रेस प्रमुख ने जताई नाराजगी

विश्व केसरी

बेंगलुरु। कर्नाटक के कांग्रेस अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने डीके शिवकुमार के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के सौ दिन के जश्न के दौरान मंच पर आमंत्रित न किए जाने पर गंभीर नाराजगी जताई है। इस संबंध में पार्टी सूत्रों ने सोमवार को जानकारी दी।

कांग्रेस एमएलसी हरिप्रसाद ने सरकारी कार्यक्रम में मंच से दूर रखे जाने पर पार्टी आलाकमान के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की है। बताया जा रहा है कि आलाकमान ने इस मामले की जानकारी मांगी है।

100 दिन के जश्न के दौरान, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री जी. परमेश्वर मंच पर बैठे थे और उन्होंने सभा को संबोधित किया। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष होने के बावजूद हरिप्रसाद मंच पर नहीं दिखे।

सूत्रों का कहना है कि हरिप्रसाद ने अपने करीबी लोगों के बीच नाराजगी जाहिर की और सवाल उठाया कि उन्हें इतने अहम सरकारी कार्यक्रम में मंच पर क्यों नहीं बुलाया गया। उन्होंने यह भी कहा कि वह पार्टी के राज्य अध्यक्ष और एमएलसी हैं, फिर भी कार्यक्रम की उनकी एक भी तस्वीर प्रकाशित नहीं हुई। हरिप्रसाद ने कहा कि सौ दिन के जश्न का कार्यक्रम खत्म हो गया है। मैं पार्टी का अध्यक्ष और एमएलसी हूं। यह एक अहम सरकारी कार्यक्रम था। एक भी तस्वीर प्रकाशित नहीं हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जानबूझकर दूर रखा गया।

इस घटनाक्रम ने कांग्रेस के भीतर चर्चा छेड़ दी है, ऐसे समय में जब पार्टी और सरकार के कामकाज को लेकर वरिष्ठ नेताओं के बीच मतभेद चर्चा का विषय बने हुए हैं। सोमवार को विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री शिवकुमार ने इस बात को खारिज कर दिया कि हरिप्रसाद को कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया था।

17 सितंबर से शुरू होगा 'सेवा संकल्प अभियान' नोएडा में प्रभारी मंत्री बृजेश सिंह ने की समीक्षा बैठक

विश्व केसरी

नोएडा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से शुरू होने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को व्यापक जनभागीदारी का स्वरूप देने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार को गौतमबुद्धनगर के प्रभारी मंत्री एवं उत्तर प्रदेश सरकार में लोक निर्माण विभाग के राज्यमंत्री बृजेश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को केवल विभागीय कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे व्यापक जनअभियान बनाया जाए। इसके लिए जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने और उनके सहयोग से अधिक से अधिक लोगों को कार्यक्रमों से जोड़ने पर जोर दिया गया।

सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, स्वयं सहायता समूहों और आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में बताया गया कि अभियान के दौरान सेवा, स्वच्छता, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रमुख सरकारी भवनों पर आकर्षक प्रकाश व्यवस्था कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग को विद्यालयों में चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित कराने और उत्कृष्ट चित्रों की प्रदर्शनी लगाने को कहा गया है। वहीं जिला विद्यालय निरीक्षक को विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर विद्यार्थियों और युवाओं को अभियान से जोड़ने के निर्देश दिए गए।

ग्रेट इंडियन बस्टर्ड संरक्षण को लेकर कच्छ पहुंचे भूपेंद्र यादव, जमीनी कार्यों की समीक्षा की

विश्व केसरी

कच्छ। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को गुजरात के कच्छ जिले के नलिया स्थित ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (जीआईबी) आवास क्षेत्र में गुजरात वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा किए जा रहे संरक्षण एवं आवास प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भूपेंद्र यादव ने कहा कि नलिया स्थित ग्रेट इंडियन बस्टर्ड आवास क्षेत्र के दौरे के दौरान उन्होंने जत सुमरा और दरबार समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ 'खातला सभा' में बातचीत की और पक्षी संरक्षण प्रयासों में उनके सहयोग का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव प्रजातियों के संरक्षण के लिए समुदाय आधारित भागीदारी पर विशेष जोर दे रहा है। कच्छ के स्थानीय पशुपालक और कृषक समुदाय ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के संरक्षण की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

दौरे के दौरान मंत्री ने ग्रेट इंडियन बस्टर्ड के लिए बनाए गए सॉफ्ट रिलीज सेंटर का उद्घाटन भी किया और अधिकारियों के साथ संरक्षण कार्यों की प्रगति पर चर्चा की।

अधिकारियों ने उन्हें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड क्षेत्र में जमीनी स्तर पर हुए महत्वपूर्ण कार्यों की जानकारी दी। इनमें आक्रामक पौधे प्रोसोपिस जुलीफ्लोरा से प्रभावित लगभग 11 वर्ग किलोमीटर घास के मैदान का पुनर्स्थापन, 15 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को सुरक्षित करने के लिए 30 किलोमीटर लंबी शिकारी-रोधी बाड़ लगाना और संरक्षण प्रजनन कार्यक्रम के तहत एक विशेष पहल शामिल है। इस पहल के तहत जंगली मादा ग्रेट इंडियन बस्टर्ड द्वारा दिए गए निषेचित न होने वाले अंडों की जगह संरक्षण केंद्र में विकसित स्वस्थ अंडे रखे गए।

मंत्री को बताया गया कि इस प्रयास से जन्मा चूजा जंगल में शुरुआती तीन महीने की महत्वपूर्ण अवधि सफलतापूर्वक पार कर चुका है, जो गुजरात में इस दुर्लभ पक्षी के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। भूपेंद्र यादव ने वन और वन्यजीव संरक्षण गतिविधियों को मजबूत करने के लिए 33 नए गश्ती और बचाव वाहनों को भी रवाना किया।

महिला टीम का पाक अधिकारी से ट्रॉफी न लेना राष्ट्रवादी फैसला, पूरा देश स्वागत करेगाः आरपी सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता आरपी सिंह ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की एशिया कप जीत, ट्रॉफी विवाद, क्रिकेट मैच के दौरान 'वंदे मातरम' गाए जाने, पश्चिम बंगाल में 252 मदरसों को बंद करने के फैसले, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और ब्रिक्स सम्मेलन समेत कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने महिला क्रिकेट टीम के ट्रॉफी से जुड़े फैसले को राष्ट्रवादी कदम बताया, जबकि यूसीसी को महिलाओं के लिए फायदेमंद बताते हुए इसका स्वागत किया।

भारतीय महिला टीम के एशिया कप जीतने और ट्रॉफी से जुड़े विवाद पर आरपी सिंह ने कहा कि ट्रॉफी को लेकर टीम ने जो फैसला लिया, वह उसका अपना निर्णय है। भारतीय टीम पाकिस्तान की ओर से बार-बार होने वाले आतंकी हमलों को लेकर नाराज है और इसी भावना के तहत उसने यह रुख अपनाया। यह भारतीय टीम का राष्ट्रवादी फैसला है और पूरा देश इसका स्वागत करेगा।

भारत और अफगानिस्तान के क्रिकेट मैच के दौरान 'वंदे मातरम' गाए जाने के मुद्दे पर आरपी सिंह ने कहा कि देश में अब 'वंदे मातरम' के सम्मान को लेकर स्पष्टता होनी चाहिए। इसे पूरा गाया जाना चाहिए और इसका सम्मान राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान की तरह किया जाना चाहिए। जो लोग इसका पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और पार्टी की विचारधारा को लेकर तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कांग्रेस के पुराने स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास और वर्तमान राजनीति के बीच अंतर बताते हुए पार्टी पर वैचारिक बदलाव का आरोप लगाया।

पश्चिम बंगाल में 252 मदरसों को बंद किए जाने के फैसले पर आरपी सिंह ने इसे चिंता का विषय बताया।

फेड की ब्याज दर बढ़ाने की आशंका सोने की कीमतों में आई गिरावट

विश्व केसरी

नई दिल्ली। अमेरिका में उम्मीद से अधिक महंगाई के आंकड़े आने के बाद वैश्विक बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव देखने को मिला है। निवेशकों को अब इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना अधिक नजर आ रही है, जिसके चलते सुरक्षित निवेश माने जाने वाले सोने में बिकवाली बढ़ी है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड करीब 4,340 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करता दिखा, जो दिनभर में लगभग 0.2 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। पिछले सप्ताह के दौरान सोने की कीमतों में कुल मिलाकर 1.8 प्रतिशत की कमजोरी दर्ज की गई। वहीं चांदी लगभग 0.8 प्रतिशत गिरकर 64 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर आ गई। प्लैटिनम और पैलेडियम की कीमतों में भी नरमी देखी गई।

घरेलू बाजार में गणेश चतुर्थी के अवसर पर सोमवार को एमसीएक्स के सोना और चांदी वायदा बाजार का सुबह का सत्र बंद रहा। कारोबार केवल शाम के सत्र में शाम 5 बजे से रात 11:30 बजे तक होगा।

एमसीएक्स पर अक्टूबर डिलीवरी वाला सोना वायदा 1,52,655 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास और सितंबर डिलीवरी वाली चांदी 2,34,886 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर रही।

शुक्रवार को जारी अमेरिकी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य और ऊर्जा कीमतों को छोड़कर मापी जाने वाली कोर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई अगस्त में मासिक आधार पर 0.3 प्रतिशत बढ़ी। यह बाजार की अपेक्षाओं से अधिक रही और इससे यह संकेत मिला कि महंगाई पर अभी भी पूरी तरह नियंत्रण नहीं पाया जा सका है।

इसी कारण बाजार में यह धारणा मजबूत हुई है कि फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को और बढ़ा सकता है। कारोबारी अब सितंबर बैठक में करीब 88 प्रतिशत की संभावना देख रहे हैं कि फेड ब्याज दरों में वृद्धि करेगा। ऊंची ब्याज दरें आमतौर पर सोने जैसी बिना ब्याज देने वाली परिसंपत्तियों के लिए नकारात्मक मानी जाती हैं।

इस बीच पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और समुद्री आपूर्ति मार्गों पर जोखिम के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भी तेज उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बना हुआ है, जबकि तेल आपूर्ति से जुड़े जोखिमों ने ऊर्जा महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। हौथी बलों ने यमन में महत्वपूर्ण बंदरगाहों पर कब्जा कर लिया है, जो उस महत्वपूर्ण तटीय रेखा से सटे हुए हैं जो दुनिया के समुद्री तेल व्यापार के एक बड़े हिस्से का आधार है।

बोफा ने भारतीय शेयर बाजार पर जताया भरोसा, दिसंबर 2026 तक निफ्टी के 26,200 तक पहुंचने का अनुमान

विश्व केसरी

मुंबई। बोफा यानी बैंक ऑफ अमेरिका (बीओएफए) सिक्योरिटीज ने लगभग दो वर्षों तक सतर्क रुख अपनाने के बाद भारतीय शेयर बाजारों को लेकर अपना दृष्टिकोण सकारात्मक कर लिया है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि निफ्टी दिसंबर 2026 तक 26,200 के स्तर तक पहुंच सकता है, जो मौजूदा स्तरों से करीब 12 प्रतिशत की संभावित बढ़त को दर्शाता है।

अपनी नवीनतम रणनीति रिपोर्ट में बीओएफए ने कहा कि वह अगस्त 2024 से भारतीय शेयरों को लेकर सतर्क था और उसने आठ प्रमुख जोखिमों की पहचान की थी, जो बाजार में अस्थिरता बनाए रख सकते थे। हालांकि अब इन आठ में से पांच जोखिम या तो सामने आ चुके हैं या फिर बाजार पहले ही उन्हें अपने मूल्यांकन में शामिल कर चुका है। इसी वजह से ब्रोकरेज ने अब भारतीय इक्विटी बाजारों पर अधिक सकारात्मक रुख अपनाया है। बोफा के अनुसार, शेष तीन जोखिमों के कारण उसके नकारात्मक परिदृश्य में निफ्टी 50 में लगभग 7 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। हालांकि उसके आधारभूत अनुमान में निफ्टी दिसंबर 2026 तक 26,200 के स्तर तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बचे हुए जोखिम अक्टूबर 2026 तक अपने चरम पर पहुंच सकते हैं। इसके बाद नवंबर से बाजार में टिकाऊ सुधार की संभावना बन सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने पहले जिन प्रमुख जोखिमों की पहचान की थी, उनमें कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाना भी शामिल था। ब्रोकरेज का चौथी तिमाही 2026 के लिए कच्चे तेल का अनुमान 81 डॉलर प्रति बैरल है। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले सात महीनों में कच्चे तेल की कीमतें सात बार 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से वापस नीचे आई हैं। रुपया भी पहले चिंता का विषय था, हालांकि बीओएफए का कहना है कि हाल में आए लगभग 136 अरब डॉलर के पूंजी प्रवाह से भारतीय मुद्रा को समर्थन मिलना चाहिए और उसने रुपये को लेकर मजबूती का दृष्टिकोण बनाए रखा है।

मोबाइल फोन पर जीएसटी घटाकर 5 % करना चाहिए: उद्योग संगठन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने सोमवार को सरकार से मोबाइल फोन पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को मौजूदा 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने की मांग की। उद्योग संगठन ने कहा कि इस प्रस्ताव को जीएसटी परिषद की अगली बैठक में रखा जाना चाहिए ताकि स्मार्टफोन को अधिक किफायती बनाया जा सके।

उद्योग जगत के संगठन ने एक बयान में कहा कि देश में अभी भी करीब 25 करोड़ लोग फीचर फोन का इस्तेमाल कर रहे हैं। स्मार्टफोन की ऊंची कीमतें कम आय वाले और ग्रामीण परिवारों के लिए बड़ी बाधा बनी हुई हैं। ऐसे में जीएसटी दर कम करने से स्मार्टफोन की पहुंच बढ़ेगी और अधिक लोग डिजिटल सेवाओं से जुड़ सकेंगे। आईसीईए ने कहा कि आज के समय में स्मार्टफोन सिर्फ संचार का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, बैंकिंग और संचार का प्रमुख माध्यम बन चुका है। इसलिए स्मार्टफोन को अधिक सुलभ और किफायती बनाना सीधे तौर पर भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी बढ़ाने से जुड़ा हुआ है।

उद्योग संगठन ने बताया कि भारत में मोबाइल फोन निर्माण वित्त वर्ष 2014-15 के 18,900 करोड़ रुपए से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में 6.27 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसी अवधि में मोबाइल फोन निर्यात 1,566 करोड़ रुपए से बढ़कर 2.60 लाख करोड़ रुपए हो गया है। भारत अब मात्रा के आधार पर दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्माता बन चुका है और वित्त वर्ष 2025-26 में मोबाइल फोन देश का सबसे बड़ा निर्यात उत्पाद रहा। हालांकि, संगठन का कहना है कि विनिर्माण और निर्यात में हुई इस प्रगति के मुकाबले घरेलू मांग उतनी तेजी से नहीं बढ़ी है। हैंडसेट की खपत कमजोर हुई है, मोबाइल बदलने का चक्र लंबा हो गया है और एंट्री-लेवल स्मार्टफोन सेगमेंट दबाव में है। आईसीईए ने कहा कि यदि घरेलू बाजार में मांग नहीं बढ़ी, तो विनिर्माण क्षेत्र के अगले चरण की वृद्धि प्रभावित हो सकती है। इसलिए भारत को अपने घरेलू बाजार में फिर से मांग को गति देने की आवश्यकता है।

उद्योग संगठन का मानना है कि जीएसटी दर कम करने से स्मार्टफोन की शुरुआती कीमत घटेगी, पहली बार स्मार्टफोन खरीदने वाले उपभोक्ताओं को प्रोत्साहन मिलेगा और अधिक लोग औपचारिक डिजिटल अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन सकेंगे।

टाटा बोइंग एयरोस्पेस ने हैदराबाद संयंत्र से 400वां अपाचे हेलीकॉप्टर फ्यूजलेज किया डिलीवर

विश्व केसरी

नई दिल्ली। बोइंग और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) टाटा बोइंग एयरोस्पेस लिमिटेड (टीबीएएल) ने एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर के लिए अपना 400वां फ्यूजलेज तैयार कर उसकी डिलीवरी कर दी है, जो भारत की बढ़ती एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

400वें फ्यूजलेज का निर्माण टीबीएएल की हैदराबाद स्थित निर्माण इकाई में किया गया। 52,000 वर्ग मीटर में फैली यह अत्याधुनिक सुविधा अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए महत्वपूर्ण संरचनात्मक हिस्सों का निर्माण करती है, जिनकी आपूर्ति दुनिया भर के रक्षा ग्राहकों को की जाती है। इस उपलब्धि को भारत स्थित अमेरिकी दूतावास ने भी प्रमुखता से रेखांकित किया। दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि 400 अपाचे फ्यूजलेज का निर्माण बोइंग और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की एक बड़ी उपलब्धि है और यह भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी की निरंतर मजबूती को दर्शाता है।

टीबीएएल की हैदराबाद इकाई एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टर के मुख्य फ्यूजलेज ढांचे का निर्माण करती है। इसके बाद इन संरचनाओं को अंतिम रूप से हेलीकॉप्टर में एकीकृत कर दुनिया भर के ग्राहकों को आपूर्ति की जाती है। अपाचे हेलीकॉप्टर का उपयोग अमेरिकी सेना के अलावा 19 अन्य देशों की सैन्य सेनाएं भी करती हैं।

बोइंग ने कहा कि भारत में निर्मित इन फ्यूजलेज का उपयोग उन हेलीकॉप्टरों में किया जाता है जो दुनिया भर में ग्राहकों को दिए जाते हैं। इनमें अमेरिकी सेना को आपूर्ति किए गए हेलीकॉप्टरों के साथ-साथ वर्ष 2025 में भारतीय सेना को दिए गए छह अपाचे हेलीकॉप्टर भी शामिल हैं। वहीं भारतीय वायुसेना के पास वर्तमान में 22 एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टरों का बेड़ा है।

दुनिया भर में अभी लगभग 1,300 अपाचे हेलीकॉप्टर 19 देशों में सेवा दे रहे हैं। ऐसे में यह उपलब्धि वैश्विक अपाचे आपूर्ति श्रृंखला में भारतीय विनिर्माण की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है।

वर्ष 2016 में स्थापित टीबीएएल ने हैदराबाद स्थित अपनी इकाई को उन्नत एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया है, जहां 750 से अधिक इंजीनियर और तकनीशियन कार्यरत हैं। यह संयंत्र रोबोटिक्स, स्वचालित उपकरणों और उन्नत एयरोस्पेस उत्पादन तकनीकों का उपयोग करके उच्च सटीकता वाले पुर्जों का निर्माण करता है।

असम में वाहन स्क्रैपिंग इकोसिस्टम को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार 'रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज' (आरवीएसएफ) को राज्य के योग्य औद्योगिक ढांचे में शामिल करके अपने वाहन स्क्रैपिंग इकोसिस्टम को मजबूत कर रही है।

सीएम सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस कदम से पुराने वाहनों को हटाने की प्रक्रिया 'अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित' हो जाएगी क्योंकि राज्य अपनी समय-सीमा पूरी कर चुके वाहनों के लिए एक अधिक व्यवस्थित प्रणाली विकसित करने का प्रयास कर रहा है।

उन्होंने कहा, 'असम अपने वाहन स्क्रैपिंग इकोसिस्टम को मजबूत कर रहा है। अब 'रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज' को राज्य के योग्य औद्योगिक ढांचे में शामिल किया जाएगा, जिससे पुराने वाहनों को हटाने की प्रक्रिया अधिक स्वच्छ, सुरक्षित और व्यवस्थित हो जाएगी।'

इस फैसले से पुरानी और बेकार हो चुकी गाड़ियों को अधिकृत तरीके से स्क्रैप करने वाली सुविधाओं के लिए एक साफ इंडस्ट्रियल फ्रेमवर्क मिलने की उम्मीद है। ऐसी सुविधाओं को सही इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम में लाकर राज्य सरकार का मकसद गाड़ियों की रीसाइक्लिंग और निपटान के लिए व्यवस्थित इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को बढ़ावा देना है। यह कदम पुरानी गाड़ियों, उनसे होने वाले प्रदूषण और इस्तेमाल के लायक न रहने वाली गाड़ियों के पर्यावरण के अनुकूल निपटान की बढ़ती चिंताओं को देखते हुए उठाया गया है। एक व्यवस्थित स्क्रैपिंग सिस्टम यह पक्का करने में मदद कर सकता है कि गाड़ियों को तय प्रक्रियाओं के तहत तोड़ा जाए और साथ ही काम आने वाले मटीरियल और पार्ट्स को दोबारा इस्तेमाल और रीसाइकिल किया जा सके।

रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटीज ऐसी अधिकृत जगहें हैं जो तय नियमों के अनुसार अपनी उम्र पूरी कर चुकी गाड़ियों को प्रोसेस करती हैं। राज्य के योग्य औद्योगिक ढांचे में इन्हें शामिल करने से इस सेक्टर में निवेश लाने और खास रीसाइक्लिंग इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने में मदद मिल सकती है। यह पहल साफ-सुथरी मोबिलिटी को बढ़ावा देने और गाड़ियों की रीसाइक्लिंग के लिए एक इकोसिस्टम बनाने के बड़े मकसद के अनुरूप है। एक व्यवस्थित स्क्रैपिंग नेटवर्क सड़कों पर अनफिट गाड़ियों की संख्या कम करने और अपनी उपयोगी उम्र पूरी कर चुकी गाड़ियों का पता लगाने में भी मदद कर सकता है। इसलिए, असम सरकार का यह कदम न सिर्फ गाड़ियों के निपटान के लिए है बल्कि राज्य में गाड़ी स्क्रैपिंग को एक मान्यता प्राप्त औद्योगिक गतिविधि के तौर पर विकसित करने के लिए भी है।

मुख्यमंत्री सरमा की घोषणा से संकेत मिलता है कि राज्य अपनी व्यापक औद्योगिक नीति में वाहन स्क्रैपिंग को शामिल करने की कोशिश कर रहा है। इससे निवेश और रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं और साथ ही पुराने वाहनों के पर्यावरण के अनुकूल प्रबंधन को भी मजबूती मिल सकती है। रजिस्टर्ड वाहन स्क्रैपिंग सुविधाओं के लिए पात्रता शर्तों, प्रोत्साहन और लागू करने के तरीके के बारे में और जानकारी से यह स्पष्ट होने की उम्मीद है कि असम में इस नई व्यवस्था को कैसे लागू किया जाएगा।

दक्षिण एशिया में पहली बार गुजरात में वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम, वैश्विक विशेषज्ञ करेंगे मंथन

विश्व केसरी

गांधीनगर। दक्षिण एशिया में होने वाले पहले 'वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम' (डब्ल्यूसीईएफ) की मेजबानी गुजरात की राजधानी गांधीनगर करेगी।

इस कार्यक्रम में 65 से ज्यादा देशों के 2,000 से अधिक स्टेकहोल्डर्स (हितधारक) शामिल होंगे और रिसोर्स एफिशिएंसी (संसाधन दक्षता), सर्कुलर फाइनेंस, इनोवेशन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। यह फोरम 15 से 16 सितंबर तक महात्मा मंदिर में 'सर्कुलर इकोनॉमी: लोगों और समृद्धि के लिए बदलाव' थीम के तहत आयोजित किया जाएगा।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल मंगलवार को संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन करेंगे।

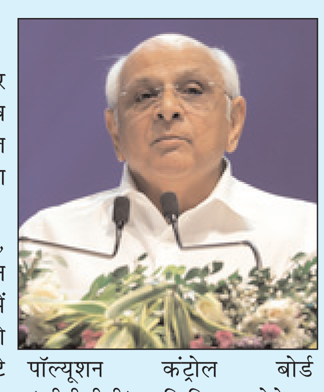

उद्घाटन सत्र में राज्य के वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया, भारत में फिनलैंड के राजदूत मिक्को किविकोस्की, सिट्रा के अध्यक्ष एटे जास्केलाइनेन, नीदरलैंड के आर्थिक मामलों और जलवायु मंत्रालय की मैरीके स्पाइकरबोअर और केंद्र व राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल होंगे। इस फोरम का आयोजन संयुक्त रूप से सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी), फिनिश इनोवेशन फंड सिट्रा, फिनलैंड सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, गुजरात सरकार और गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड द्वारा किया जा रहा है।

सर्कुलर इकोनॉमी के तरीकों में चीजों और उत्पादों को दोबारा इस्तेमाल, मरम्मत और रीसाइक्लिंग के जरिए लंबे समय तक इस्तेमाल में बनाए रखने पर जोर दिया जाता है, ताकि उन्हें मूल्यवान संसाधनों के रूप में अर्थव्यवस्था में वापस लाया जा सके। इस फोरम का मकसद इस क्षेत्र में भारत की पहलों को दिखाना और साथ ही अंतरराष्ट्रीय सहयोग, खासकर 'ग्लोबल साउथ' के देशों के साथ सहयोग को मजबूत करना है। इस फोरम में बिजनेस लीडर्स, उद्यमी, इनोवेटर्स, रिसर्चर, पॉलिसी बनाने वाले, शिक्षाविद और अन्य स्टेकहोल्डर्स एक साथ आएंगे। चर्चा का मुख्य केंद्र सर्कुलर फाइनेंस और प्राइवेट सेक्टर के निवेश को जुटाना, पॉलिसी पर बातचीत और अलग-अलग सेक्टर के बीच पार्टनरशिप, साथ ही सर्कुलरिटी के लिए इनोवेशन, डिजिटलाइजेशन और टेक्नोलॉजी होगा। 15 और 16 सितंबर को होने वाले मुख्य कार्यक्रम में चार प्लेनरी सेशन (पूर्ण सत्र) और 16 विषय-आधारित सत्र शामिल होंगे। इन चर्चाओं में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल, रोजगार की संभावनाओं, ऊर्जा उत्पादन, फाइनेंस, गवर्नेंस, टिकाऊ उत्पादों, औद्योगिक समाधानों, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम और युवाओं के नेतृत्व जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा।

बिल्डिंग प्रोफेशनल्स के लिए एक ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम शुरू करेगी तमिलनाडु सरकार

विश्व केसरी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार पूरे राज्य में बिल्डिंग प्लान तैयार करने और प्लानिंग की मंजूरी के लिए आवेदन जमा करने वाले आर्किटेक्ट, इंजीनियर, टाउन प्लानर और दूसरे प्रोफेशनल्स के लिए एक यूनिफाइड ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम शुरू करेगी। हाउसिंग और अर्बन डेवलपमेंट डिपार्टमेंट ने टाउन एंड कंट्री प्लानिंग डायरेक्टरेट (डीटीसीपी) को निर्देश दिया है कि वे सिंगल विंडो पोर्टल के जरिए नया रजिस्ट्रेशन सिस्टम लागू करें।

यह पहल सरकार की उस योजना का हिस्सा है, जिसके तहत मंजूरी की प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा और छोटी रिहायशी, कमर्शियल और इंडस्ट्रियल इमारतों के लिए थर्ड-पार्टी प्लानिंग परमिशन की व्यवस्था शुरू की जाएगी। एक बार यह सिस्टम लागू हो जाने के बाद, सिर्फ पोर्टल पर रजिस्टर्ड प्रोफेशनल्स को ही बिल्डिंग प्लान तैयार करने और लोकल बॉडीज व प्लानिंग अथॉरिटीज के पास प्लानिंग एप्लीकेशन जमा करने की इजाजत होगी।

अभी आर्किटेक्ट्स, इंजीनियर्स और टाउन प्लानर्स को अपने अधिकार क्षेत्र के आधार पर अलग-अलग अथॉरिटीज से अलग-अलग रजिस्ट्रेशन लेने पड़ते हैं। सरकार का कहना है कि इस व्यवस्था के कारण रिकॉर्ड्स का दोहराव होता है, प्रक्रिया में देरी होती है और एक से अधिक प्लानिंग एरिया में काम करने वाले प्रोफेशनल्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

नई व्यवस्था के तहत, हर योग्य प्रोफेशनल को राज्य-स्तर का एक यूनिक रजिस्ट्रेशन आइडेंटिफिकेशन नंबर दिया जाएगा। तमिलनाडु में सभी लोकल बॉडीज और प्लानिंग अथॉरिटीज इस रजिस्ट्रेशन को मान्यता देंगी, जिससे प्रोफेशनल्स को कई मंजूरी लिए बिना अलग-अलग इलाकों में काम करने की सुविधा मिलेगी। रजिस्ट्रेशन के लिए योग्यता 'तमिलनाडु कंबाइंड डेवलपमेंट एंड बिल्डिंग रूल्स, 2019' के आधार पर तय की जाएगी। प्रोफेशनल्स को 'सिंगल विंडो पोर्टल' के ज़रिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदनों की जांच और मंजूरी संबंधित डीटीसीपी जिला कार्यालयों द्वारा की जाएगी।

दिल्ली से सिर्फ इतने रुपये में घूम आएं पचमढ़ी! 3 दिन की ट्रिप का पूरा खर्च जानकर हो जाएंगे खुश

दिल्ली की गर्मी और भागदौड़ से ब्रेक लेना चाहते हैं तो पचमढ़ी एक खूबसूरत और बजट फ्रेंडली विकल्प हो सकता है. पहाड़, झरने और हरियाली से घिरा यह हिल स्टेशन 3 दिन की छोटी ट्रिप के लिए काफी अच्छा है. जानें दिल्ली से पचमढ़ी जाने, रहने, खाने और घूमने में कितना खर्च आएगा.

अगर आप दिल्ली की गर्मी, ट्रैफिक और रोजमर्रा की भागदौड़ से कुछ दिनों के लिए दूर जाना चाहते हैं, तो मध्य प्रदेश का पचमढ़ी आपके लिए एक शानदार विकल्प हो सकता है. सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच बसा यह खूबसूरत हिल स्टेशन अपनी हरियाली, झरनों, गुफाओं और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है. इसी वजह से पचमढ़ी को 'सतपुड़ा की रानी' भी कहा जाता है. यहां आपको एक ही ट्रिप में पहाड़ों का खूबसूरत नजारा, जंगल, झरने और कई ऐतिहासिक व प्राकृतिक जगहें देखने को मिलती हैं.

दिल्ली से पचमढ़ी जाने के लिए ट्रेन को बजट विकल्प माना जा सकता है. आप पहले पिपरिया पहुंच सकते हैं और वहां से सड़क के रास्ते पचमढ़ी जा सकते हैं. खास बात यह है कि अगर आप पहले से ट्रेन और होटल की बुकिंग कर लें और बजट होटल व स्थानीय परिवहन का इस्तेमाल करें, तो 3 दिन की यह ट्रिप बहुत ज्यादा महंगी नहीं पड़ेगी. आइए जानते हैं कि दिल्ली से पचमढ़ी घूमने में आने-जाने, रहने, खाने और स्थानीय जगहों पर घूमने का लगभग कितना खर्च आ सकता है.

दिल्ली से पचमढ़ी कैसे पहुंचें?

पचमढ़ी जाने के लिए ट्रेन एक किफायती विकल्प है. पचमढ़ी का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है, जो करीब 50 किलोमीटर दूर है. दिल्ली से पिपरिया के लिए ट्रेन से यात्रा की जा सकती है. इसके बाद पिपरिया से बस, टैक्सी या साझा वाहन लेकर पचमढ़ी पहुंच सकते हैं. अगर आप ट्रेन का स्लीपर या सामान्य श्रेणी का टिकट लेते हैं, तो आने-जाने का खर्च लगभग 1,000 से 2,500 रुपये के आसपास हो सकता है. हालांकि किराया ट्रेन और यात्रा की तारीख के हिसाब से बदल सकता है.

पचमढ़ी में बजट से लेकर अच्छे होटल तक कई विकल्प मिल जाते हैं. अगर आप बहुत महंगा होटल लेने के बजाय सामान्य कमरा चुनते हैं, तो करीब 1,000 से 2,000 रुपये में एक रात का कमरा मिल सकता है. दो रातों के लिए लगभग 2,000 से 4,000 रुपये का बजट रख सकते हैं. अगर आप दो लोग हैं और कमरे का खर्च साझा करते हैं, तो प्रति व्यक्ति खर्च और कम हो जाएगा.

खाने-पीने पर कितना खर्च होगा?

पचमढ़ी में स्थानीय भोजन और सामान्य रेस्टोरेंट में खाना खाकर बजट को नियंत्रित किया जा सकता है. नाश्ता, दोपहर और रात के खाने के लिए करीब 400 से 700 रुपये प्रतिदिन का बजट रखा जा सकता है. तीन दिनों के लिए लगभग 1,200 से 2,000 रुपये पर्याप्त हो सकते हैं.

घूमने में कितना खर्च आएगा?

पचमढ़ी में घूमने के लिए धूपगढ़, बी फॉल, जटाशंकर, हैंडी खोह, पांडव गुफाएं और रजत प्रपात जैसी जगहें देखी जा सकती हैं।

बाड़मेर में गणपति बप्पा को लगा 12 स्वादों का भोग, मोदकों की रंगीन थाली बनी आकर्षण

बाड़मेर में गणेश चतुर्थी का उत्साह चरम पर है। इस बार गणपति बप्पा के भोग में 12 अलग-अलग स्वाद और रंगों के मोदक खास आकर्षण बने हुए हैं. केसर, पिस्ता, गुलकंद, चॉकलेट, स्ट्रॉबेरी, ब्लूबेरी और ड्राई फ्रूट से लेकर तिरंगे मोदक तक की खास वैरायटी तैयार की गई है. वहीं 56 भोग की 'बाहुबली थाली' भी श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रही है.

गणेश चतुर्थी के पावन पर्व को लेकर बाड़मेर शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल है. इस बार गणेश भक्तों के लिए एक विशेष आयोजन आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जहां भगवान गणेश को एक-दो नहीं बल्कि 12 अलग-अलग प्रकार के मोदकों का भोग लगाया गया है. जगह-जगह गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की गई है और श्रद्धालु बप्पा के स्वागत को लेकर उत्साहित हैं. गणेश चतुर्थी को लेकर बाड़मेर में इस बार गणपति बप्पा के भोग की खास तैयारी की गई है.

भगवान गणेश के प्रिय मोदक अब सिर्फ एक स्वाद में नहीं बल्कि 12 अलग-अलग स्वाद, रंग और आकर्षक अंदाज में तैयार किए गए है. इतना ही नही इस बार 56 भोग की बाहुबली थाली भी खूब पसंद आ रही है. पारंपरिक मोदक से लेकर पिस्ता, गुलकंद, चॉकलेट और ड्राई फ्रूट जैसे फ्लेवर तक की मिठास से सजी भोग की थाली गणेश चतुर्थी के आयोजन का विशेष आकर्षण बनी हुई है.

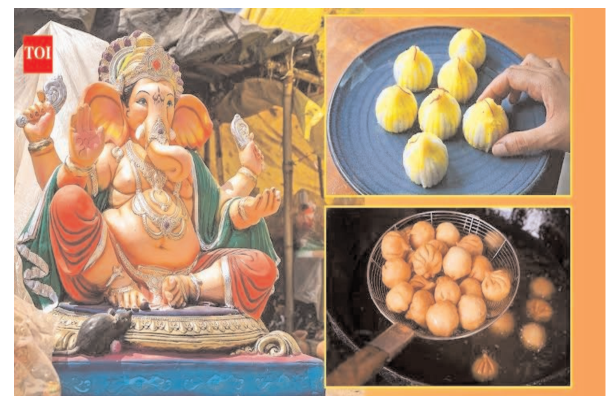

स्वाद और रंग के अनुरूप ले रहे मोदक

मिठाई व्यवसायी कमल सिंघल के मुताबिक इस बार गणेश चतुर्थी को खास बनाने के लिए अलग-अलग स्वाद और रंगों के मोदक तैयार किए गए हैं. पारंपरिक मोदक के साथ केसर, पिस्ता, गुलकंद, चॉकलेट, ड्राई फ्रूट और फलों के फ्लेवर वाले मोदक लोगों को पसंद आ रहे हैं. मोदकों को आकर्षक रंग और डिजाइन देकर तैयार किया गया है ताकि भगवान गणेश को भोग लगाने के साथ-साथ श्रद्धालुओं के लिए भी यह विशेष आकर्षण बना हुआ है. उन्होंने कहा कि गणेश चतुर्थी के दौरान मोदकों की मांग हर साल बढ़ती है और इस बार नए स्वाद वाले मोदकों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है.

पारंपरिक स्वाद के साथ नया अंदाज

गणेश चतुर्थी पर आमतौर पर भगवान गणेश को चावल के आटे, गुड़ और नारियल से बने पारंपरिक मोदक का भोग लगाया जाता है लेकिन बाड़मेर में पारंपरिक मोदक के साथ नए स्वादों को भी शामिल किया गया है. मोदकों को अलग-अलग रंग, आकार और सजावट के साथ तैयार किया गया है. भोग के समय इन्हें विशेष रूप से सजाई गई थाली में रखकर गणपति बप्पा को अर्पित किया गया है.

भगवान श्रीगणेश के लिए ऐसे तैयार किए गए है मोदक

भोग के लिए तैयार किए जाने मोदकों में पारंपरिक सफेद मोदक के साथ अलग-अलग स्वाद और रंगों के मोदक शामिल किए गए है. इनमें केसरिया मोदक, गुलाबी गुलकंद मोदक, हरे पिस्ता मोदक, पीले आम मोदक, भूरे चॉकलेट मोदक, नारियल वाले सफेद मोदक, हरे मावा-पिस्ता मोदक, लाल स्ट्रॉबेरी मोदक, बैंगनी ब्लूबेरी मोदक, काजू मोदक, ड्राई फ्रूट मोदक और तिरंगे रंग का विशेष मोदक आकर्षण का केंद्र बने हुए है।

सिड्डू, धुस्का, चिलड़ा... भारत के वो पारंपरिक नाश्ते जिनका नाम शायद ही आप जानते हों, जानें रेसिपी

भारत के हर राज्य का अपना खास स्वाद और पारंपरिक खान-पान है. पोहा, पराठे और इडली के अलावा देश के अलग-अलग हिस्सों में कई ऐसे नाश्ते भी बनाए जाते हैं, जिनके बारे में शायद ही आपने सुना हो. सिड्डू, धुस्का और चिलड़ा ऐसे ही पारंपरिक नाश्ते हैं, जिन्हें घर पर भी आसानी से बनाया जा सकता है.

भारत में नाश्ता सिर्फ पेट भरने का जरिया नहीं है, बल्कि यह अलग-अलग राज्यों की संस्कृति और खान-पान की पहचान भी है. किसी जगह सुबह पोहा खाया जाता है तो कहीं पराठा, इडली या ढोकला पसंद किया जाता है. लेकिन देश के कई हिस्सों में ऐसे पारंपरिक नाश्ते भी बनाए जाते हैं, जो अपने स्वाद और बनाने के तरीके की वजह से खास हैं, लेकिन उनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं. सिड्डू, धुस्का और चिलड़ा भी ऐसे ही देसी नाश्ते हैं.

हिमाचल का सिड्डू

सिड्डू हिमाचल प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों में शामिल है. इसे खासतौर पर ठंड के मौसम में पसंद किया जाता है. यह देखने में गोल और रोटी जैसा लगता है, लेकिन इसके अंदर स्वादिष्ट भरावन होती है और इसे तेल में तलने के बजाय भाप में पकाया जाता है. सिड्डू बनाने के लिए गेहूं के आटे में यीस्ट, नमक और गुनगुना पानी डालकर नरम आटा गूंथा जाता है. आटे को कुछ समय ढककर रखा जाता है ताकि वह अच्छी तरह फूल जाए. इसकी भरावन के लिए अखरोट, मूंगफली या दाल का इस्तेमाल किया जा सकता है. इसमें हरी मिर्च, धनिया और दूसरे मसाले मिलाकर मिश्रण तैयार किया जाता है।

घर में बेटी है तो पैरेंट्स को नहीं बोलनी चाहिए ये 5 बातें, दिमागी विकास पर पड़ता है बुरा असर

बच्चों की परवरिश में माता-पिता की कही हर बात मायने रखती है. खासकर बेटियां छोटी उम्र में घर के माहौल और बड़ों के व्यवहार से बहुत कुछ सीखती हैं. कई बार गुस्से या चिंता में कही गई कुछ बातें उनके आत्मविश्वास और खुद को देखने के नजरिए पर असर डाल सकती हैं. इसलिए बेटी से बात करते समय इन बातों से बचना बेहतर है.

बच्चों के विकास में घर का माहौल और माता-पिता का व्यवहार अहम भूमिका निभाता है. छोटी उम्र में बच्चे अपने माता-पिता की बातों को बहुत गंभीरता से लेते हैं. इसलिए डांटने या समझाने के दौरान इस्तेमाल किए गए शब्दों पर ध्यान देना जरूरी है. खासकर बेटियों से बार-बार कही गई कुछ बातें उनके आत्मविश्वास और खुद को देखने के नजरिए को प्रभावित कर सकती हैं.

'तुम लड़की हो, तुम्हें ये सब नहीं करना चाहिए'

बेटी को सिर्फ लड़की होने की वजह से किसी काम, खेल या करियर से रोकना उसकी सोच को सीमित कर सकता है. अगर बच्ची को बार-बार बताया जाए कि कुछ काम लड़कियों के लिए नहीं हैं, तो वह आगे चलकर अपनी पसंद और क्षमता पर भी सवाल उठा सकती है. बच्चों को काम को जेंडर से जोड़ने के बजाय उनकी रुचि और क्षमता के आधार पर प्रोत्साहित करना बेहतर है.

'लड़कियों को इतना गुस्सा नहीं करना चाहिए'

हर बच्चे की तरह बेटियों को भी गुस्सा, दुख, डर और निराशा जैसी भावनाएं होती हैं. उन्हें हमेशा शांत रहने के लिए कहना उनकी भावनाओं को दबाने की आदत डाल सकता है. इसके बजाय उन्हें यह समझाना चाहिए कि गुस्सा आना गलत नहीं है, लेकिन उसे सही तरीके से व्यक्त करना जरूरी है.

बच्चों की तुलना अक्सर उनके आत्मविश्वास को चोट पहुंचा सकती है. पढ़ाई, दिखने, कपड़ों या व्यवहार को लेकर बेटी की तुलना किसी दूसरे बच्चे से करने के बजाय उसकी अपनी मेहनत और सुधार पर ध्यान देना बेहतर है. इससे बच्ची को यह महसूस होता है कि उसे किसी और जैसा बनने की जरूरत नहीं है.

समाज की चिंता बच्चों को समझाना जरूरी हो सकता है, लेकिन हर फैसले में 'लोग क्या कहेंगे' का डर पैदा करना सही नहीं है. अगर बेटी लगातार दूसरों की राय को अपने फैसलों से ऊपर रखने लगे, तो उसके लिए अपनी पसंद और जरूरतों को समझना मुश्किल हो सकता है. उसे सही-गलत समझने और सोच-समझकर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने दें.

'तुमसे तो कुछ नहीं हो पाएगा'

गुस्से में कही गई यह बात भी बच्चे के मन पर गहरा असर डाल सकती है. गलती होने पर बच्चे के व्यक्तित्व को निशाना बनाने के बजाय उसके व्यवहार या उस खास गलती पर बात करनी चाहिए. 'तुमने यह काम गलत किया' कहना और 'तुम कुछ नहीं कर सकती' कहना दोनों का असर बिल्कुल अलग होता है.

बेटी की परवरिश का मतलब उसे हर मुश्किल से बचाना नहीं, बल्कि उसे मुश्किल परिस्थितियों को समझने और उनका सामना करने के लिए तैयार करना है. उसकी बात सुनना, सवाल पूछने की आजादी देना, गलतियों से सीखने का मौका देना और उसकी कोशिशों की सराहना करना उसके आत्मविश्वास को मजबूत कर सकता है।

हर रात सोते समय लार टपकती है? खर्राटों से लेकर स्लीप एपनिया तक ये 5 संकेत दिखें तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं

सोते समय कभी-कभार लार निकलना सामान्य हो सकता है. मुंह खुला रखकर सोना, नाक बंद होना और करवट लेकर सोना इसकी आम वजहों में शामिल हैं, लेकिन समस्या लगातार हो या खर्राटे, सांस रुकना, निगलने में परेशानी और कमजोरी जैसे लक्षण हों, तो डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए.

सुबह उठते ही तकिए पर लार के निशान देखकर कई लोगों के मन में सवाल आता है कि आखिर सोते समय मुंह से लार क्यों निकलती है. कभी-कभार ऐसा होना आम बात हो सकती है, खासकर जब नींद में मुंह खुला रह जाए या आप करवट लेकर सो रहे हों, लेकिन अगर यह समस्या लगभग हर रात हो रही है और लार काफी मात्रा में निकलती है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए.

इसकी वजह सिर्फ सोने का तरीका नहीं, बल्कि नाक बंद रहना, मुंह से सांस लेना या कुछ दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं. ऐसे में घबराने के बजाय कारण समझना और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लेना ज्यादा सही तरीका है.

सोते समय मुंह से लार क्यों निकलती है?

नींद के दौरान हमारी निगलने की प्रक्रिया जागते समय की तुलना में धीमी हो जाती है. ऐसे में मुंह में बनने वाली लार हमेशा तुरंत निगली नहीं जाती, अगर इस दौरान मुंह खुला हुआ है, तो लार बाहर भी आ सकती है. सोने की पोजीशन भी इसमें भूमिका निभा सकती है. करवट लेकर सोने पर मुंह के किनारे से लार तकिए पर गिर सकती है. कुछ लोगों में मुंह में लार ज्यादा बनने या चेहरे की मांसपेशियों पर नियंत्रण कम होने की वजह से भी यह समस्या दिखाई दे सकती है।

ऑफिस जाते वक्त अचानक बारिश ने घेरा तो नहीं होगी परेशानी, बैग में हमेशा रखें ये 10 चीजें

बारिश के दिनों में ऑफिस जाना अपने आप में किसी छोटे मिशन से कम नहीं लगता. घर से निकलते समय मौसम साफ होता है और रास्ते में अचानक तेज बारिश शुरू हो जाती है. कभी कपड़े भीग जाते हैं तो कभी मोबाइल और जरूरी कागजों की चिंता सताने लगती है. ऐसे में ऑफिस बैग में कुछ चीज़ें पहले से रखी हों तो परेशानी काफी कम हो सकती है. खासकर रोज बस, ऑटो, बाइक या पैदल ऑफिस जाने वालों के लिए बारिश में थोड़ी तैयारी बहुत काम आती है.

बैग में जरूर रखें ये चीज़ें 1. छोटा फोल्डिंग छाता बारिश में सबसे काम की चीज़ छाता है. बड़ा छाता बैग में रखना मुश्किल हो सकता है. इसलिए छोटा फोल्डिंग छाता बेहतर विकल्प रहता है. इसे बैग के ऐसे हिस्से में रखें जहां जरूरत पड़ने पर आसानी से निकाला जा सके

वाटरप्रूफ पाउच मोबाइल, ईयरफोन, चार्जर या दूसरी छोटी इलेक्ट्रॉनिक चीज़ों को सुरक्षित रखने के लिए वाटरप्रूफ पाउच उपयोगी है, अगर आपके पास ऐसा पाउच नहीं है तो अच्छी तरह बंद होने वाला जिप लॉक बैग भी काम आ सकता है.

जरूरी कागजों के लिए फोल्डर बारिश में ऑफिस की फाइल, डॉक्यूमेंट या नोटबुक भीगना परेशानी बढ़ा सकता है. इसलिए जरूरी कागजों को वाटरप्रूफ फोल्डर या प्लास्टिक कवर में रखना बेहतर है. खासकर अगर किसी मीटिंग में जरूरी दस्तावेज लेकर जाना हो तो इसे नजरअंदाज न करें.

छोटा तौलिया या रुमाल बारिश में बाल, चेहरा या हाथ गीले हो जाएं तो छोटा तौलिया काफी काम आता है. इसे बैग में रखने के लिए ज्यादा जगह भी नहीं चाहिए. कपड़े से ज्यादा पानी सोखने वाला छोटा माइक्रोफाइबर टॉवल भी रखा जा सकता है

. एक्स्ट्रा कपड़े अगर आपका सफर लंबा है या आपको बाइक से ऑफिस जाना पड़ता है तो बैग में हल्का अतिरिक्त कपड़ा रखना उपयोगी हो सकता है. पूरी ड्रेस रखना संभव न हो तो कम से कम एक अतिरिक्त टॉप, शर्ट या दुपट्टा रखा जा सकता है. भीगने की स्थिति में यह पूरे दिन को आरामदायक बना सकता है.

प्लास्टिक या री-यूजेबल बैग गीली चीज़ों को सूखे सामान से अलग रखने के लिए एक अतिरिक्त बैग जरूर रखें. भीगा रेनकोट, छाता या कपड़ा सीधे ऑफिस की फाइलों और इलेक्ट्रॉनिक सामान के साथ रखने से बचें.

मोबाइल और गैजेट्स की सुरक्षा मोबाइल बारिश में सबसे ज्यादा चिंता वाली चीज़ों में से एक है. फोन के लिए वाटरप्रूफ कवर रखना अच्छा विकल्प है. चार्जर, पावर बैंक और ईयरफोन को भी अलग पाउच में रखें. इससे बैग के अंदर सामान व्यवस्थित रहेगा और नमी से बचाने में मदद मिलेगी.

सैनिटाइजर और टिश्यू बारिश के दौरान सड़क, वाहन और सार्वजनिक जगहों पर सामान संभालते हुए हाथ गंदे हो सकते हैं. ऐसे में सैनिटाइजर और टिश्यू बैग में रखना सुविधाजनक रहता है. ऑफिस पहुंचने के बाद हाथ साफ करने या छोटे-मोटे सफाई के काम में इनकी जरूरत पड़ सकती है।

विश्व केसरी

फुटबॉल क्रेज पर प्रियंका चोपड़ा का मजेदार पोस्ट

'4 महीने तक घर में ऐसा ही माहौल रहेगा...' प्रियंका का मजेदार पोस्ट

फुटबॉल सीजन की वापसी से घर में हर रविवार का माहौल होगा अलग

मुंबई। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपने पति निक जोनस के साथ घर पर बिताए पलों की एक मजेदार झलक फैंस के साथ शेयर की। उन्होंने बताया कि फुटबॉल की वापसी का मतलब है कि अगले चार महीनों तक उनके घर में रविवार का माहौल बिल्कुल अलग होगा।

अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक मजेदार पोस्ट शेयर करते हुए, प्रियंका ने फुटबॉल सीजन और उसके उनके घर पर छा जाने के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, "अगले 4 महीनों तक मेरे घर में हर रविवार का माहौल ऐसा ही होगा। फुटबॉल की वापसी से बहुत खुश हूं।"

वहीं, निक जोनस ने इस पोस्ट पर हंसने वाला इमोजी बनाकर प्रतिक्रिया दी।

> "अगले 4 महीनों तक मेरे घर में हर रविवार का माहौल ऐसा ही होगा। फुटबॉल की वापसी से बहुत खुश हूं।
> — प्रियंका चोपड़ा

निक का भी मजेदार रिएक्शन

रविवार और चार महीने की अवधि का जिक्र करने से ऐसा लगता है कि प्रियंका अमेरिकन फुटबॉल और एनएफएल (नेशनल फुटबॉल लीग) की बात कर रही हैं। जानकारी के लिए बता दें कि 2026 एनएफएल रेगुलर सीजन सितंबर में शुरू हुआ और 10 जनवरी, 2027 तक चलेगा, जो 18 हफ्तों तक चलेगा।

प्रियंका अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी मजेदार पोस्ट के जरिए अपनी पारिवारिक जिंदगी की झलक दिखाती रहती हैं।

काम की बात

एक्ट्रेस अपने इंटरनेशनल कमिटमेंट्स और भारत में अपने काम के बीच तालमेल बिठा रही हैं।

वह प्रोफेशनल कमिटमेंट्स के लिए अमेरिका और भारत के बीच यात्रा करती रही हैं।

फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका फिलहाल फिल्ममेकर एस. एस. राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से जुड़ी हुई हैं, जिसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं। वह हैदराबाद में इस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं।

'वाराणसी' के साथ प्रियंका 2019 में आई अपनी आखिरी हिंदी फिल्म 'द स्काई इज पिंक' के बाद भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। यह फिल्म 7 अप्रैल, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्टंट कोरियोग्राफर राम लक्ष्मण बोले- 'द पैराडाइज' में 'दसरा' से तीन गुना ज्यादा एक्शन

विश्व केसरी

मुंबई। तेलुगु स्टार नानी ने अब तक कई अलग-अलग तरह के किरदार पर्दे पर निभाए हैं लेकिन उनकी अगली फिल्म 'द पैराडाइज' में उनका अंदाज कुछ हटकर होने वाला है। श्रीकांत ओडेला के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक्शन पर काम करने वाले मशहूर स्टंट कोरियोग्राफर्स राम लक्ष्मण ने बताया कि 'द पैराडाइज' में नानी की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'दसरा' के मुकाबले करीब तीन गुना ज्यादा एक्शन देखने को मिलेगा।

फिल्म के मेकर्स की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राम लक्ष्मण ने 'द पैराडाइज' के एक्शन सीक्वेंस से जुड़ी कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि फिल्म के एक्शन पर उन्होंने स्टंट मास्टर्स नबाकांत और रियल सतीश के साथ मिलकर काम किया है। टीम ने फिल्म के लिए दो बड़े एक्शन ब्लॉक तैयार किए हैं, जिन पर काफी समय लगाया गया है।

स्टंट कोरियोग्राफर राम लक्ष्मण ने कहा, 'द पैराडाइज' में नानी जिस तरह का एक्शन करते नजर आएंगे, वह उनके पिछले काम से काफी अलग है। फिल्म के एक्शन सीन काफी हैवी हैं और इनमें 'दसरा' की तुलना में तीन गुना ज्यादा एक्शन रखा गया है। नानी ने इससे पहले इस स्तर पर एक्शन नहीं किया है। ऐसे में फिल्म में उनका एक नया अवतार देखने को मिलेगा।''

नानी की तारीफ करते हुए स्टंट कोरियोग्राफर ने कहा, ''एक्टर ने फिल्म के लिए अपना 100 प्रतिशत दिया। नानी हर सीन को बेहतर तरीके से करने के लिए ज्यादा से ज्यादा टेक देने के लिए तैयार रहते थे। हमें खुद उम्मीद नहीं थी कि नानी फिल्म के लिए इतनी मेहनत करेंगे। फिल्म के कुछ एक्शन सीक्वेंस ऐसे थे, जिनके लिए नानी को एक्टिंग के साथ-साथ अपनी बॉडी पर भी काम करना पड़ा। उन्हें अपनी डाइट में बदलाव कर किरदार के हिसाब से बॉडी तैयार करनी पड़ी।''

स्टंट मास्टर ने कहा, ''नानी ने निर्देशक श्रीकांत ओडेला के विजन के साथ पूरा न्याय किया है और मुझे खुशी है कि वे इस फिल्म का हिस्सा बने हैं। एक्शन ब्लॉक को पूरा करने में करीब 10 दिन का समय लगा। 'द पैराडाइज' की पूरी दुनिया में दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा।

गणेश चतुर्थी पर मुंबई के पंडालों को मिस कर रहीं उर्मिला मातोंडकर, बोलीं-'इस बार बस लोगों की सलामती की प्रार्थना'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के लिए गणेश चतुर्थी का त्योहार हमेशा से बेहद खास रहा है। मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान पंडालों में जाना, बप्पा के दर्शन करना और त्योहार के उस खास माहौल को करीब से महसूस करना उनकी यादों का हिस्सा रहा है। हालांकि इस बार उर्मिला मुंबई में रहते हुए इस उत्सव का हिस्सा नहीं बन पा रही हैं।

अपने कमिटमेंट्स की वजह से वह इस साल मुंबई के अलग-अलग गणेश पंडालों में जाकर बप्पा के दर्शन नहीं कर पाएंगी। ऐसे में उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए बप्पा को याद किया और बताया कि इस बार उनकी कोई बड़ी इच्छा नहीं है, बस वह लोगों की सलामती और खुशियां चाहती हैं।

उर्मिला ने अपने इंस्टाग्राम पर गणेश चतुर्थी के मौके की एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की। इस तस्वीर में वह गणेश उत्सव में शामिल नजर आ रही है। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''गणपति बप्पा मोरिया। इस साल मेरे पास मांगने के लिए कोई लंबी लिस्ट नहीं है। ५

'लोग चर्चा में रहने के लिए करते हैं ऐसे स्टंट', रोहित रॉय के बयान पर भड़कीं इंदिरा कृष्णा

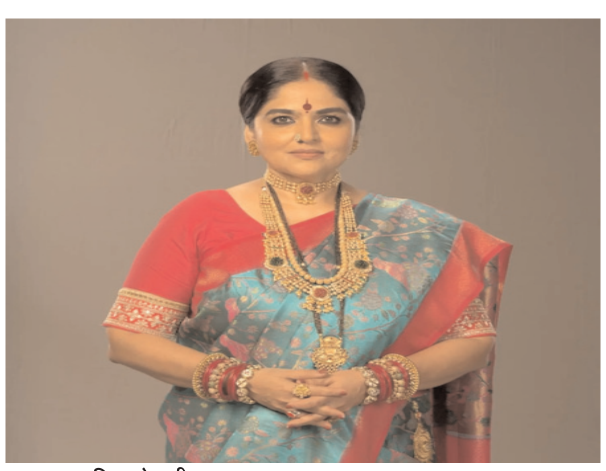

विश्व केसरी

मुंबई। एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णा ने टीवी को लेकर रोहित रॉय के हालिया बयान पर जमकर नाराजगी जाहिर की है। रोहित ने छोटे पर्दे को 'डस्टबिन मीडियम' बताया था और टीवी एक्टर्स को लेकर भी अपनी राय रखी थी। अब इंदिरा कृष्णा ने उनके इस बयान पर खुलकर पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि जिस मीडियम ने इतने सालों तक एक्टर्स को काम, पहचान और दर्शकों का प्यार दिया, उसे इस तरह कमतर बताना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार लोग चर्चा में बने रहने के लिए ऐसे स्टंट करते हैं, खासकर तब जब लोग उन्हें भूलने लगते हैं।

इंदिरा ने आईएएनएस से बातचीत में रोहित रॉय के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ''टीवी जैसे मीडियम के लिए 'डस्टबिन' शब्द का इस्तेमाल करना बेहद खराब है। खासकर ऐसे दिग्गज एक्टर की तरफ से, जो खुद इसी मीडियम से आया है। टीवी ने कई स्किल्ड एक्टर्स को काम करने और अपनी कला दिखाने का मंच दिया है। टीवी को कमतर समझना ठीक नहीं है, क्योंकि इसी मीडियम से निकलकर कई बड़े डायरेक्टर फिल्मों तक पहुंचे हैं।''

उन्होंने आगे कहा, ''ऐसे बहुत से पॉपुलर डायरेक्टर हैं, जिन्होंने टीवी पर शानदार शोज बनाने के बाद फिल्मों का रुख किया। हर किसी की अपनी राय होती है। मेरे लिए टेलीविजन सिर्फ काम करने की जगह नहीं, बल्कि सम्मान और रोजी-रोटी का जरिया भी है। यह मेरे लिए मेरी इज्जत है। रोहित रॉय के बयान पर बस इतना कहना चाहूंगी कि यह उनका नजरिया है और वह उस पर कायम रह सकते हैं।''

इंदिरा ने कहा, ''कई बार जिन लोगों को लोग भूलने लगते हैं, वे चर्चा में बने रहने के लिए ऐसे स्टंट करते हैं। शायद रोहित रॉय भी उन्हीं में से एक है। मेरे लिए तो टीवी की सबसे बड़ी ताकत उसकी पहुंच है। टीवी हर घर तक पहुंचता है और एक्टर्स को दर्शकों से रोज जुड़ने का मौका देता है। कोई दूसरा मीडियम इस तरह की रोज की कनेक्शन वाली जगह आसानी से नहीं बना पाता।''

उन्होंने कहा, ''इतने सालों तक टीवी का हिस्सा रहने के बाद उसी मीडियम को नीचा दिखाना निराशाजनक है।

बीना भाभी पर टाइपकास्ट के सवाल पर रसिका दुग्गल ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- मंटो और दिल्ली क्राइम ने बचाया

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने मिर्जापुर: द मूवी में बीना त्रिपाठी (बीना भाभी) के किरदार से वापसी की है। अभिनेत्री का कहना है कि बिना एक सर्वाइवर है, उसे पता है कि उसकी कमजोरियां क्या हैं और उन्हें अपने फायदे के लिए कैसे इस्तेमाल करना है।

अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म देखने के बाद लोगों को पता चलेगा कि बीना भाभी बीना कैसे बनी। मूवी के दौरान जिंदगी और उसके एटीट्यूड को एक कॉन्टेक्स्ट मिलता है। मीडिया ने अभिनेत्री से सवाल किया, 'मिर्जापुर के बाद, आपकी पहचान बीना से मजबूती से हो गई है, लेकिन आपने मंटो, दिल्ली क्राइम और शेखर होम जैसे प्रोजेक्ट्स के जरिए अपनी रेंज भी बनाई है। क्या बीना के बाद कभी टाइपकास्ट होने का प्रेशर था और क्या आप जान-बूझकर इससे अलग होना चाहती थी।

अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'मंटो, मिर्जापुर से ठीक पहले रिलीज हुई थी और दिल्ली क्राइम मिर्जापुर के ठीक बाद रिलीज हुई थी। दोनों में, फिजिकली, लुक और कैरेक्टर के मामले में, मेरा रोल बीना से बहुत अलग हैं। इसीलिए मैं टाइपकास्ट होने से बची। इन सभी कैरेक्टर में एक वर्सेटिलिटी थी जिसे मुझे एक्सप्लोर करने और दूसरों के सामने दिखाने का मौका मिला। उन्होंने कहा, 'बीना ने मुझे फेम, बहुत ज्यादा ऑडियंस और एक बॉक्स-ऑफिस हिट भी दी है। मंटों में सफिया का किरदार बहुक इंपॉर्टेंट रहेगा क्योंकि मुझे लगता है कि यह एक मशहूर राइटर की कहानी है।

ओटीटी पर काम करना चाहते हैं अरहान खान, बोले-खुद को दिखाने का शानदार प्लेटफॉर्म है

विश्व केसरी

मुंबई। डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मनोरंजन का एक नया विकल्प बनकर उभरे हैं, जिसकी वजह से लोगों के कई तरह के मौके भी उभरकर सामने आए हैं और कलाकारों की जिंदगी को बदल दिया। 'बिग बॉस -13' फेम अभिनेता अरहान खान का मानना है कि सोशल मीडिया जहां एक तरफ मौके बढ़ाए हैं, तो दूसरा लोगों को परेशान भी किया है।

उन्होंने कहा, 'जब सक्सेस मिलती है, तो वह ऐसे ही नहीं आती। वह अपने साथ बहुत सारा बैगेज लाती है। आप किस इंडस्ट्री या शोबिज में हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, ये चीजें सक्सेस के साथ आती हैं।'

अभिनेता ने आगे ओटीटी में काम करने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने कहा, 'सभी अच्छे एक्टर ओटीटी कर रहे हैं। यह खुद को दिखाने और कुछ अलग करने का एक शानदार प्लेटफॉर्म है। तो, जाहिर है, मैं ओटीटी करना पसंद करूंगा।'

आईएएनएस ने अभिनेता अरहान खान से सवाल किया, 'टेलीविजन इंडस्ट्री में एक्टर्स को अक्सर कुछ खास तरह के रोल में बांध दिया जाता है और उन्हें वैसे ही कैरेक्टर ऑफर किए जाते हैं। क्या आपको लगता है कि अब भी ऐसा होता है?'

अभिनेता ने बताया, 'टेलीविजन इंडस्ट्री में पहले एक्टर्स को किसी रोल के लिए बांध दिया जाता है, लेकिन अब ऐसा नही है। हर शो के लिए अलग कैरेक्टर होता है, जिसे लोग कर रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'पहले टेलीविजन शो बहुत अच्छे हुआ करते थे। 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' जैसे शो थे। अब, यह पूरी तरह से अलग है। आज, जेठालाल शो जैसा शो पूरी तरह से अलग है। 'सहर' नाम का एक शो भी है, जो मेरे दोस्त कर रहे हैं। यह पूरी तरह से अलग है। तो, इंडियन टेलीविजन पर कहानियां हमेशा अलग रही हैं। उनके पास हमेशा अच्छी कहानियां रही हैं और लोगों ने बहुत अच्छा काम किया है।

अभिनेता ने आगे अपने फ्यूचर प्लान पर बात करते हुए कहा, 'मैं जो भी काम करूं या मेरे फैंस जो भी काम करना चाहें, आप जो भी करें, उसके काबिल बनें। अपनी तरफ से सौ

रोहित रॉय के 'डस्टबिन मीडियम' बयान पर बोले चेतन हंसराज

'टीवी एक्टर्स को कमतर समझना सही नहीं'

चेतन हंसराज ने रोहित रॉय की टिप्पणी पर जताई असहमति, कहा- टीवी की भी है अपनी अहमियत

मुंबई।। चेतन हंसराज ने टीवी की दुनिया में अपने करियर की शुरूआत बी.आर. चोपड़ा की आइकॉनिक 'महाभारत' में युवा बलराम का किरदार निभाकर की। उन्होंने छोटे पर्दे से लेकर फिल्मों तक का लंबा सफर तय किया है। ऐसे में जब उनके दोस्त और एक्टर रोहित रॉय ने हाल ही में टीवी को 'डस्टबिन मीडियम' कहा और छोटे पर्दे के एक्टर्स को फिल्म स्टार्स के मुकाबले कमतर बताया, तो चेतन इस बात से बिल्कुल सहमत नजर नहीं आए। उन्होंने रोहित की बात पर खुलकर अपनी राय रखी और कहा कि टीवी को इस तरह देखना सही नहीं है।

> "टीवी कोई डस्टबिन मीडियम नहीं है, लेकिन इसमें क्रिएटिविटी और आगे बढ़ने के मामले में कुछ ठहराव जरूर आया है।
> — चेतन हंसराज

रोहित की बात पर क्या बोले चेतन?

आईएएनएस से बातचरित में चेतन हंसराज ने कहा, "रोहित मेरे अच्छे दोस्त हैं, लेकिन सच कहूं तो मुझे नहीं पता कि यह बात कहां से आ रही है। टीवी कोई डस्टबिन मीडियम नहीं है, लेकिन हां, इसमें क्रिएटिविटी और आगे बढ़ने के मामले में कुछ ठहराव जरूर आया है। आज भी कई शोज में एक जैसी कहानियां दिखाई जा रही हैं और कटेंट में ज्यादा बदलाव नहीं हो रहा है।"

टीवी एक्टर्स को कमतर समझना गलत

चेतन ने कहा, "टीवी एक्टर्स के बारे में भी मुझे नहीं पता कि यह बात कहां से आई। हर प्रोफेशन में कुछ अलग तरह के लोग होते हैं। कुछ लोग पॉपुलर होने के लिए कुछ भी करने की कोशिश करेंगे, लेकिन मैंने ऐसा कुछ लगातार अनुभव नहीं किया है। बहुत सारे टीवी एक्टर्स हैं जो खुद को पूरी गरिमा के साथ पेश करते हैं।"

टीवी और फिल्मों की एक्टिंग में कोई फर्क नहीं

चेतन ने टीवी एक्टर्स की परफॉर्मस को फिल्मों के एक्टर्स से बेहतर तक बताया। उन्होंने कहा, "अगर किसी टीवी एक्टर और फिल्म एक्टर को एक जैसी लाईनें दी जाएं, तो टीवी एक्टर उन्हें ज्यादा बेहतर तरीके से निभा सकता है। वह बेहतर परफॉर्मर होंगे। टीवी एक्टर्स को कम समय में अपने किरदार को दर्शकों तक पहुंचाना पड़ता है, इसलिए उनकी क्षमता को कम आंकना ठीक नहीं होगा।"

महाभारत में युवा बलराम के रूप में चेतन हंसराज

वर्क फ्रंट

जल्द नजर आएंगे 'रामायण' में

चेतन हंसराज जल्द ही नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' में नजर आएंगे। फिल्म में रणबीर कपूर, साई पल्लवी और यश जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ऑकलैंड में न्यूजीलैंड नेवल बेस पर इंडियन नेवी चीफ का भव्य स्वागत

विश्व केसरी

ऑकलैंड। भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का सोमवार को न्यूजीलैंड के ऑकलैंड स्थित एचएमएनजेडएस फिलोमेल नौसैनिक अड्डे पर पारंपरिक माओरी पोहिरी समारोह के साथ स्वागत किया गया। यह स्थान रॉयल न्यूजीलैंड नेवी के कर्मियों का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र माना जाता है।

यह गर्मजोशी भरा स्वागत भारत और न्यूजीलैंड के बीच आपसी सम्मान, दोस्ती और मजबूत समुद्री संबंधों को दर्शाता है।

भारतीय नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'परंपरा ने शब्दों से पहले अपनी बात कही। नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का ऑकलैंड के डेवनपोर्ट नौसैनिक अड्डे पर पारंपरिक माओरी पोहिरी के साथ स्वागत किया गया। यह न्यूजीलैंड नौसेना की पहचान में गहराई से जुड़े सम्मान, आतिथ्य और स्वागत की भावना का एक शक्तिशाली प्रतीक है। यह न्यूजीलैंड की विशिष्ट परंपराओं के साथ शुरू हुई ऐसी यात्रा है, जो लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों, आपसी सम्मान और साझा समुद्री परंपराओं पर आधारित है।' अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारतीय नौसेना प्रमुख ने न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी और कॉन्सुल जनरल मदन मोहन सेठी से भी मुलाकात की।

न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग ने 'एक्स' पर कहा, 'नौसेना प्रमुख की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और न्यूजीलैंड के द्विपक्षीय संबंध और समुद्री सहयोग लगातार मजबूत हो रहे हैं।'

एडमिरल स्वामीनाथन ऑस्ट्रेलिया में सफल बैठकों और कार्यक्रमों के बाद ऑकलैंड पहुंचे। उनकी इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच नौसैनिक संबंधों को और मजबूत बनाना है।

यह यात्रा जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड यात्रा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में आए नए उत्साह को आगे बढ़ाने वाली मानी जा रही है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के दौरान भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप का दर्जा दिया था। साथ ही रक्षा, समुद्री सुरक्षा और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी थी। इस दौरे के दौरान एडमिरल स्वामीनाथन रॉयल न्यूजीलैंड नेवी और न्यूजीलैंड रक्षा नेतृत्व के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत करेंगे।

ट्रंप के बयान पर ब्रिटेन में विरोध

विश्व केसरी

लंदन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आयरलैंड और ब्रिटेन के नॉर्दर्न आयरलैंड के एक हो जाने संबंधी बयान पर ब्रिटेन में काफी विरोध देखने को मिला है।

आयरलैंड की दो दिवसीय यात्रा के दौरान ट्रंप ने शनिवार को कहा कि वह आयरलैंड और नॉर्दर्न आयरलैंड को एक होते देखना पसंद करेंगे। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी की नेता केमी बैडेनोच ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप हमेशा की तरह बिना ज्यादा सोचे-समझे बयान दे रहे हैं, जैसा उन्होंने पहले ग्रीनलैंड और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की बात कहकर किया था।' उन्होंने कहा, 'नॉर्दर्न आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) का हिस्सा है।'

उसी दिन रिफॉर्म यूके पार्टी के नेता निगेल फराज ने भी 'एक्स' पर लिखा, 'मैं राष्ट्रपति ट्रंप की बात से सहमत नहीं हूं। उत्तरी आयरलैंड यूनाइटेड किंगडम का एक गर्वित और अभिन्न हिस्सा है।' अमेरिकी रिपब्लिकन पार्टी के पूर्व सांसद मिक मुलवेनी, जो ट्रंप के पहले कार्यकाल में नॉर्दर्न आयरलैंड के लिए उनके विशेष दूत रह चुके थे, उन्होंने लोगों को ट्रंप की टिप्पणी का ज्यादा अर्थ निकालने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा, 'यह अमेरिकी विदेश नीति में किसी बदलाव का संकेत नहीं है।'

ब्रिटेन की कम्युनिटीज सेक्रेटरी एंजेला रेनर ने भी ट्रंप की टिप्पणी को ज्यादा महत्व नहीं दिया। उन्होंने स्काई न्यूज से कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप, डोनाल्ड ट्रंप हैं। वह वही कहते हैं जो उन्हें सही लगता है।' उन्होंने कहा कि ब्रिटिश सरकार गुड फ्राइडे समझौते को लेकर गंभीर है और आगे भी उसी रास्ते पर काम करती रहेगी। ट्रंप ने रविवार को अपनी आयरलैंड यात्रा का समापन काउंटी क्लेयर स्थित अपने 'डूनबेग गोल्फ रिजॉर्ट' में किया। वहां उन्होंने गोल्फ खिलाड़ी शेन लोरी को आयरिश ओपन ट्रॉफी सौंपी और साथ ही यह भी घोषणा की कि वह आयरिश व्हिस्की पर लगाए गए शुल्क हटा देंगे।

संक्षिप्त खबर

पाकिस्तान में कोयला खदान में गैस विस्फोट में चार की मौत, पांच घायल

विश्व केसरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी प्रांत बलूचिस्तान में एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से चार श्रमिकों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य घायल हो गए सूत्रों के अनुसार, यह हादसा रविवार को हरनाई जिले की एक कोयला खदान के अंदर गैस जमा होने के कारण हुआ। विस्फोट की सूचना मिलते ही पाकिस्तान सेना की बचाव टीम मौके पर पहुंची। टीम ने चार श्रमिकों के शव बाहर निकाले और पांच घायल खनिकों को सुरक्षित बचाया। घायल श्रमिकों को इलाज के लिए प्रांतीय राजधानी क्वेटा भेजा गया। इससे पहले अगस्त में भी बलूचिस्तान के डुकी जिले की एक कोयला खदान में जहरीली मीथेन गैस सांस के जरिए शरीर में जाने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई थी। इनमें दो अफगान नागरिक और एक पाकिस्तानी नागरिक शामिल थे। अधिकारियों और स्थानीय मीडिया के मुताबिक, यह हादसा तब हुआ जब खदान के अंदर काम के दौरान मीथेन गैस इकट्ठा हो गई। जहरीली गैस सांस में जाने के बाद खनिक बेहोश हो गए। वहां मौजूद अन्य मजदूरों ने तुरंत अधिकारियों और स्थानीय श्रमिकों को सूचना दी, जिसके बाद माइंस एंड मिनरल्स विभाग ने बचाव अभियान शुरू किया।

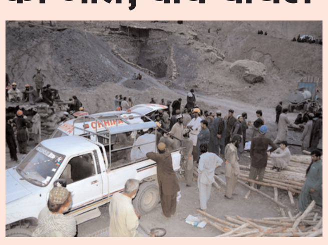

फिलीपींस में संसदीय चुनाव से पहले गोलीबारी; तीन की मौत, 15 घायल

विश्व केसरी

मनीला। दक्षिणी फिलीपींस के कोटाबाटो सिटी में रविवार रात करीब आधी रात से पहले एक मतदान केंद्र के बाहर हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और 15 अन्य घायल हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, यह घटना बांगसमोरो ऑटोनॉमस रीजन इन मुस्लिम मिंडानाओ (बीएआरएमएम) में होने वाले संसदीय चुनाव से ठीक पहले हुई। सोमवार को इस क्षेत्र में पहली बार चुनी हुई संसद के लिए मतदान शुरू हुआ। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, मतदान के लिए लगी कतार में अपनी जगह को लेकर प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक गुटों के बीच विवाद हो गया। पहले धक्का-मुक्की हुई, फिर मारपीट शुरू हो गई और आखिरकार भीड़भाड़ वाले इलाके में गोलियां चलने लगीं। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 13 राजनीतिक दलों के उम्मीदवार 80 संसदीय सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इन चुनावों में 20 लाख से अधिक मतदाता वोट देने के पात्र हैं। किसी भी संभावित हिंसा से निपटने के लिए पिछले कुछ दिनों में पूरे बीएआरएमएम क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। मतदान केंद्रों पर 20,000 से ज्यादा सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया है और त्वरित प्रतिक्रिया दल भी तैयार रखे गए हैं। सोमवार को होने वाला यह ऐतिहासिक मतदान मुस्लिम बहुल इस क्षेत्र में दशकों से चले आ रहे विद्रोह और हिंसा के बाद स्वशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस चुनाव में लगभग 24 लाख पंजीकृत मतदाता मतदान करने वाले हैं।

केरल में मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम का सम्मान

विश्व केसरी

नई दिल्ली। 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान भारत पहुंचे मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शिखर सम्मेलन से इतर केरल का दौरा किया। यहां उन्होंने सुन्नी कल्चरल सेंटर में आयोजित स्मरण और प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। इस दौरान भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र अहमद की मौजूदगी में उन्हें शेख अबूबक्र फाउंडेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया।

मलेशियाई के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'सुन्नी कल्चरल सेंटर में मुझे मलेशियाई प्रतिनिधिमंडल के साथ स्मरण और प्रार्थना सभा में शामिल होने का सम्मान मिला। इस कार्यक्रम में केरल के सम्मानित विद्वान और लगभग दो हजार छात्र शामिल हुए। इस सभा का नेतृत्व भारत के ग्रैंड मुफ्ती शेख अबूबक्र अहमद ने किया।''

पीएम इब्राहिम ने कहा, मुझे शेख अबूबक्र फाउंडेशन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। मैं इस सम्मान को बहुत विनम्रता के साथ स्वीकार करता हूं और इसे उन सभी विद्वानों, धर्म प्रचारकों, वैज्ञानिकों और ज्ञान प्रेमियों को समर्पित करता हूं, जिन्होंने लोगों तक ईमान और आस्था का संदेश पहुंचाने तथा उम्मत की गरिमा बढ़ाने के लिए, अपना समय, मन और जीवन समर्पित किया है।

उन्होंने कहा, मलेशिया आगे भी उलेमा (धार्मिक विद्वानों) के साथ मिलकर शैक्षिक और धार्मिक प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। इसमें हदीस की पुस्तकों के अध्ययन और उनके समापन समारोह जैसे कार्यक्रम भी शामिल हैं। हम दुआ करते हैं कि ये प्रयास मलेशिया और केरल के बीच संबंधों को और मजबूत करें, ज्ञान की परंपरा को समृद्ध बनाएं और ऐसी पीढ़ी तैयार करें जो अपने ईमान में मजबूत, ज्ञान में समृद्ध और चरित्र में उत्कृष्ट हो।

अनवर इब्राहिम ने बताया कि कारंथूर स्थित मरकजु सकाफती सुन्निया में आयोजित जियाराह महब्बाह कार्यक्रम ग्रैंड मुफ्ती शेख अबू बक्र अहमद से मुलाकात का अवसर मिला। इस दौरान हमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़ी चुनौतियों और अवसरों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिला। एआई ज्ञान, शोध और प्रगति के नए रास्ते खोल रहा है, लेकिन इसके साथ-साथ यह आस्था, विश्वास, नैतिक मूल्यों और इंसान की बौद्धिक स्वतंत्रता के लिए कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियां भी लेकर आ रहा है।

कतर के प्रधानमंत्री ने कुवैत और ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्रियों से की बात

विश्व केसरी

दोहा। कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी ने कुवैत के विदेश मंत्री शेख जर्राह जाबेर अल-अहमद अल-सबाह और ऑस्ट्रिया गणराज्य की यूरोपीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों की संघीय मंत्री बीट मेनिल-रीसिंगर से फोन पर वार्ता की। दोनों ही देशों के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने आपसी सहयोग के संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों की समीक्षा की।

कतर के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर इस बातचीत की जानकारी साझा की।

कतर विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने कतर और कुवैत के बीच सहयोग संबंधों की समीक्षा की और उन्हें और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने क्षेत्र में हो रहे ताजा घटनाक्रमों पर भी विचार-विमर्श किया। खास तौर पर, दोनों पक्षों ने क्षेत्र में तनाव कम करने, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे राजनयिक प्रयासों और आपसी समन्वय पर बात की।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, फोन वार्ता के दौरान कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री ने कहा कि कतर उन सभी कूटनीतिक प्रयासों और पहलों का समर्थन करता है, जिनका उद्देश्य समुद्री मार्गों पर सुरक्षित और स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कतर ऐसे व्यापक समझौते तक पहुंचने की कोशिशों का समर्थन करता है, जो क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता साफ करे। ऑस्ट्रिया की यूरोपीय एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों की संघीय मंत्री बीट मेनिल-रीसिंगर से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री जसीम अल थानी ने कतर और ऑस्ट्रिया के बीच सहयोग संबंधों की समीक्षा की और उन्हें और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की।

ओमान में ईरान और खाड़ी देशों के बीच होने वाली बैठक टली

विश्व केसरी

मस्कट/तेहरान। ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बद्र बिन हमद अल बुसैदी ने रविवार को बताया कि ओमान के शहर सलालाह में सोमवार को होने वाली ईरान और खाड़ी देशों की बैठक को फिलहाल टाल दिया गया है।

अल बुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'सभी पक्षों के बीच सहमति बनाए रखने के हित में कल सलालाह में होने वाली क्षेत्रीय बैठक को स्थगित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हम अपने क्षेत्र में स्थिरता और लंबे समय तक सहयोग को बढ़ावा देने वाले संवाद के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए को दिए एक इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्रालय में फारस की खाड़ी मामलों के महानिदेशक मोहम्मद अली बाक ने भी बैठक टलने की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि कुछ क्षेत्रीय देशों के अनुरोध पर और ईरान तथा ओमान के संयुक्त फैसले के आधार पर इस बैठक को किसी दूसरी तारीख के लिए स्थगित किया गया है। अधिकारी ने कहा कि बैठक के लिए सही समय तय करने और जरूरी तैयारियों तथा समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए ईरान लगातार ओमान के साथ बातचीत कर रहा है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने शुक्रवार को बताया था कि खाड़ी तटवर्ती देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक सोमवार को ओमान में होने वाली थी। इस बैठक में क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की जानी थी, जिनमें होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित समुद्री मार्ग तय करने को लेकर ईरान और ओमान के बीच चल रही बातचीत भी शामिल थी।

शनिवार को मीडिया से बात करते हुए बाघेई ने कहा था कि उम्मीद है इस बैठक में खाड़ी देशों के विदेश मंत्रियों के अलावा ईरान और इराक के विदेश मंत्री भी शामिल होंगे।

ब्रिटिश राजनयिक एंड्रयू फ्लेमिंग ने की गुवाहाटी एयरपोर्ट की तारीफ, बोले-सिंगापुर जैसा हो रहा एहसास

विश्व केसरी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोमवार को ब्रिटिश राजनयिक डॉ. एंड्रयू फ्लेमिंग का राज्य में स्वागत किया और कहा कि उनकी यह यात्रा असम और ब्रिटेन के रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू कर सकती है।

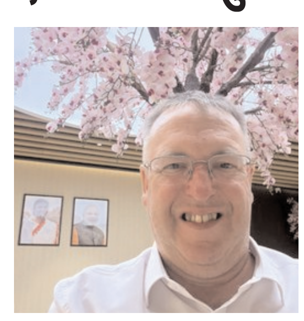

पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में ब्रिटेन के उप उच्चायुक्त के रूप में कार्यरत फ्लेमिंग ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि असम की उनकी यह 10वीं यात्रा थी और यह राज्य के साथ उनके जुड़ाव की वर्षगांठ का भी प्रतीक है।

उन्होंने हाल ही में उद्घाटन किए गए गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल की भी सराहना की और कहा कि दौरे पर आई ब्रिटिश इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियां इस सुविधा से प्रभावित होंगी। मेरी तरह वे भी निश्चित रूप से गुवाहाटी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की सराहना करेंगी। वाह, इसमें असमिया पहचान के साथ सिंगापुर जैसी झलक दिखाई देती है।'

राजनयिक की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका स्वागत किया और विश्वास जताया कि यह यात्रा असम और यूनाइटेड किंगडम के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, 'असम में आपका स्वागत है, महामहिम फ्लेमिंग। मुझे विश्वास है कि यह वर्षगांठ यात्रा भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत हो रही साझेदारी के आधार पर असम और ब्रिटेन के संबंधों के एक नए अध्याय की शुरुआत करेगी।'

मुख्यमंत्री ने हवाई अड्डे के टर्मिनल को लेकर फ्लेमिंग की टिप्पणी पर हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब देते हुए कहा, 'एयरपोर्ट पर लगे ये सभी पौधे प्राकृतिक हैं, जो टर्मिनल के डिजाइन में इस्तेमाल किए गए बांस के साथ खूबसूरती से मेल खाते हैं।'

यह संवाद ऐसे समय में हुआ है जब असम अंतरराष्ट्रीय निवेशकों और इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है, खासकर पूर्वोत्तर क्षेत्र की बढ़ती कनेक्टिविटी और आर्थिक संभावनाओं से जुड़े क्षेत्रों में फ्लेमिंग की यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

'ब्रिक्स साझा मुद्रा' बनी तो चीन का होगा दबदबा : केपी फैबियन

विश्व केसरी

नई दिल्ली। पूर्व राजनयिक और रणनीतिक मामलों के विशेषज्ञ केपी फैबियन ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हुई चर्चाओं को लेकर अपनी राय रखते हुए कहा कि ब्रिक्स देशों के बीच 'साझा मुद्रा' पर विचार सही नहीं है और भारत को इसका समर्थन नहीं करना चाहिए।

मीडिया से बात करते हुए केपी फैबियन ने कहा कि भारत और रूस के बीच 95 प्रतिशत व्यापार पहले से ही राष्ट्रीय मुद्राओं में हो रहा है। ऐसे में 'साझा मुद्रा' की जरूरत नहीं है। फैबियन के मुताबिक 'साझा मुद्रा' बनने से देशों की वित्तीय संप्रभुता खत्म होगी और उस पर चीन का दबदबा तय है। फैबियन ने कहा कि भारतीय मीडिया में अक्सर 'डी-डॉलराइजेशन' यानी अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की बात होती है। उनके अनुसार, इस विषय को इस तरह पेश करना जरूरी नहीं है और यह कूटनीतिक रूप से भी समझदारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि डी-डॉलराइजेशन की बजाय 'राष्ट्रीय मुद्राओं' के अधिक उपयोग की बात करना ज्यादा समझदारी होगी। उन्होंने कहा कि कुछ मीडिया संस्थान अभी भी 'लोकल करेंसी' जैसी भाषा इस्तेमाल करते हैं जबकि सही शब्द 'राष्ट्रीय मुद्रा' होना चाहिए।

फैबियन के अनुसार, चीन और रूस पहले से ही अपने व्यापार का निपटारा अपनी-अपनी मुद्राओं में कर रहे हैं। वहीं भारत और रूस के बीच भी लगभग 95 प्रतिशत व्यापार राष्ट्रीय मुद्राओं में निपटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को एक 'साझा मुद्रा' बनाने की दिशा में नहीं बढ़ना चाहिए। उनके अनुसार, चीन को छोड़कर शायद ही कोई देश ऐसी व्यवस्था चाहता हो।

उन्होंने समझाया कि अगर एक 'साझा मुद्रा' बनती है, तो देशों की अपनी आर्थिक और वित्तीय नीतियों पर नियंत्रण कम हो जाएगा।

ईरान की चेतावनी के बाद भी होर्मुज में तैनाती पर विचार कर रहा दक्षिण कोरिया

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरिया और अमेरिका इस सप्ताह अपने वरिष्ठ अधिकारियों के बीच नियमित रक्षा वार्ता करने जा रहे हैं। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है जब सोल, होर्मुज स्ट्रेट में सैन्य तैनाती के विकल्प पर विचार कर रहा है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कोरिया-अमेरिका इंटीग्रेटेड डिफेंस डायलॉग (केआईडीडी) की द्विवार्षिक बैठक बुधवार से शुक्रवार तक दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर बुसान में आयोजित की जाएगी। इन वार्ताओं का नेतृत्व दक्षिण कोरिया के उप रक्षा मंत्री (नीति) किम होंग-चोल और अमेरिका के पूर्वी एशिया मामलों के उप सहायक रक्षा सचिव जॉर्ज लेमूर करेंगे। इनके साथ रक्षा और विदेश मामलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में शामिल होंगे। मंत्रालय ने कहा कि बैठक में कई महत्वपूर्ण सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

इनमें युद्धकालीन सैन्य संचालन का नियंत्रण (ओपीकॉन) वापस हासिल करना, दोनों देशों की संयुक्त रक्षा व्यवस्था और जहाज निर्माण क्षेत्र में सहयोग जैसे विषय शामिल हैं।

हालांकि दोनों देशों ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की है, लेकिन माना जा रहा है कि बैठक में होर्मुज स्ट्रेट में दक्षिण कोरियाई सेना की संभावित तैनाती पर भी चर्चा हो सकती है। अमेरिका काफी समय से दक्षिण कोरिया पर इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग की सुरक्षा के प्रयासों में शामिल होने का दबाव बना रहा है। पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया ने होर्मुज स्ट्रेट के आसपास की सुरक्षा स्थिति का आकलन करने के लिए एक टीम संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भेजी थी।

इस कदम के बाद अटकलें लगने लगीं कि दक्षिण कोरिया वास्तव में वहां सैन्य बल भेजने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। हालांकि सरकार ने साफ किया है कि इस मामले में अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। दूसरी ओर, ईरान पहले ही सार्वजनिक रूप से चेतावनी दे चुका है।

बस्तर में शराब की कीमत से 20 प्रतिशत अधिक दर बिक्री

सरकार को बदनामकर रहा है आबकारी विभाग, बस्तर में चल रहा है आबकारी घोटाला

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। कांग्रेस सरकार के दौरान आबकारी घोटाले की गूंज अभी थमी भी नहीं है कि मौजूदा भाजपा सरकार के दौरान भी बस्तर में नया आबकारी घोटाला सामने आ गया है। खास बात यह कि कांग्रेस सरकार के आबकारी घोटाले के तार इसी बस्तर से जुड़े थे। अब यहां आबकारी विभाग सी सी करगुजारियां कर रहा है कि साय सरकार के सुशासन और साख को जमकर बट्टा लग रहा है। यहां की शराब दुकानों में प्रीमियम शराब 20 प्रतिशत ज्यादा कीमत पर बेची जा रही है। शॉर्टेज का हवाला देकर ग्राहकों को लूटा जा रहा है। आरोप है कि ग्राहकों से वसूली जा रही 20 प्रतिशत अधिक कीमत की राशि विभाग के अधिकारियों की जेबों में जा रही है।

उल्लेखनीय है कि भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में हुए कथित शराब घोटाले ने पूरे छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की जड़ें हिला डाली। बस्तर संभाग के सुकमा जिले की कोंटा सीट से विधायक चुनकर भूपेश सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा smet कई अधिकारी और नेता इस मामले में आरोपी नामजद है। हालांकि इसकी सच्चाई कोर्ट के फैसले के बाद ही सामने आएगी, मगर बस्तर में पदस्थ आबकारी विभाग के अधिकारी इस बड़ी कार्रवाई के बाद भी घोटाला करने से बाज नहीं आ रहे है। वे अपने निजी स्वार्थ और धन लिप्सा में इस कदर अंधे हो चले हैं कि साय के सुशासन को दागदार बनाने से भी नहीं चूक रहे हैं। पूर्व की सरकार में मंत्री का नाम लेकर ज्यादा राशि ली जाती है थी और उसे मंत्री के नाम का टैक्स कहा जाता था। अब हर ब्रांड की प्रीमियम शराब की कीमत 20 प्रतिशत ज्यादा ली जा रही है। यदि किसी शराब की बोतल की कीमत 1200 रुपए है, तो 20 प्रतिशत अतिरिक्त राशि जोड़कर कुल 1440 रुपए वसूले जाते हैं। इस तरह यहां ग्राहकों से खुलेआम लूट की जा रही है। यहां आबकारी अधिकारियों ने सरकार पर इतना तो रहम किया है कि इस बेजा उगाही को किसी मंत्री के नाम वाला टैक्स करार नहीं दिया है।

शहर के मदिरा प्रेमियों को अवैध कमाई, शॉर्टेज का बहाना – अब अपने मनपसंद ब्रांड की शराब लेने के लिए मूल्य से ज्यादा रुपए देने होंगे, ऐसा खुलकर कहते हैं जगदलपुर शहर में अंग्रेजी शराब दुकानों के सेल्समैन का। पिछले कुछ दिनों से उम्दा ब्रांड की शराब की ज्यादा कीमत वसूलने का दौर यहां चल रहा है।. ग्राहक जब शराब दुकानों में किसी भी अच्छी ब्रांड की शराब मांगते हैं, तब पहले तो शराब दुकान के सेल्समैन साफ कह देते हैं कि इस श्रेणी की कोई भी शराब दुकान में उपलब्ध नहीं है। ग्राहक जब मिन्नतें करने लगता है तब सेल्समैन 20 से 25 प्रतिशत तक ज्यादा कीमत मांग कर अपने गुप्त ठिकाने से लाकर मनचाहे ब्रांड की शराब की बोतल ग्राहक के हाथों में थमा देता है।

हर श्रेणी की शराब हो कैशलेस

साय सरकार ने शराब दुकानों में चल रहे भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के लिए हाल ही में दुकानों में कैशलेस सिस्टम लागू की घोषणा की है। यह सिस्टम सिर्फ प्रीमियम शराब दुकानों में लागू होगा। इससे मनमानी पर अंकुश तो लगेगा, मगर पूरी तरह नहीं। मनमानी, भ्रष्टाचार और बेजा कीमत वसूली पर पूरी तरह से रोक लगाने के लिए सरकार को ?सी व्यवस्था हर श्रेणी की शराब दुकानों में लागू करनी होगी। देशी शराब दुकानों में भी यह व्यवस्था कारगर साबित होगी, क्योंकि आज हर हाथ में मोबाईल फोन है और अधिकांश लोग डिजीटल पेमेंट और लेनदेन करने लगे हैं।

बस्तर की कला-संस्कृति को नई पहचान देगा निर्माणाधीन बस्तर कला केंद्र : महापौर संजय पांडेय

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। शहर के धरमपुरा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य को गति देने के साथ-साथ बस्तर की कला-संस्कृति को नया मंच देने की तैयारियों ने भी जोर पकड़ लिया है। महापौर संजय पांडे ने धरमपुरा पहुंचकर सड़क निर्माण एवं चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर निर्माण की प्रगति, सड़क की स्थिति और कार्य से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी अधिकारियों से ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

महापौर संजय पांडे ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं होना चाहिए। निर्माण के दौरान आम नागरिकों की आवाजाही प्रभावित न हो, इसके लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने और निर्माण के बाद लंबे समय तक सड़क की उपयोगिता बनी रहे, इसके लिए तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन करने पर जोर दिया।

आवागमन होगा आसान

धरमपुरा शहर के महत्वपूर्ण शैक्षणिक और संस्थागत क्षेत्र के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है। यहां काकतीय पीजी कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज सहित कई प्रमुख संस्थान स्थित हैं। ऐसे में क्षेत्र की सड़कों पर यातायात का दबाव भी लगातार बढ़ रहा है। दलपत सागर से अनुपमा चौक और दलपत सागर से दामोदर पेट्रोल पंप तक भी हो रहे चौड़ीकरण और नालियों के संबंध में भी जानकारी ली गई। नाली के ऊपर एक पुराने आवास को भी व्यवस्थापन के तहत आवास देने हेतु नगर निगम आयुक्त से कहा गया है। महापौर संजय पांडे ने कहा कि शहर के विकास का अर्थ केवल नई इमारतें खड़ी करना नहीं, बल्कि बेहतर सड़क, सुगम यातायात, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं का मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। धरमपुरा क्षेत्र में सड़क चौड़ीकरण इसी व्यापक विकास दृष्टिकोण का हिस्सा है।

देखा बस्तर कला केंद्र का काम

महापौर संजय पांडे ने निर्माणाधीन बस्तर कला केंद्र भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों से परियोजना के स्वरूप और आगामी कार्यों के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि बस्तर केवल प्राकृतिक संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जनजातीय कला, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, संगीत और सांस्कृतिक विरासत के लिए देश-दुनिया में अलग पहचान रखता है। ऐसे में शहर में ऐसा मंच विकसित होना जरूरी है, जहां स्थानीय कलाकारों और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने के अवसर मिल सकें।

कोरर में सूखा नशा के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिला उत्तर बस्तर कांकेर के पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में नशे के विरुद्ध संचालित उजियारा अभियान के अंतर्गत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार साहू एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस हरीश पाटिल के मार्गदर्शन में कोरर पुलिस द्वारा दिनांक 13 सितंबर को किशनपुरी स्कूल के पास अवैध नशीली टैबलेट तस्करी एवं खरीदी बिक्री की सूचना मिलने पर कोरर पुलिस द्वारा खरीददार आरोपी शेख शादाब खान, हिमांशु साहू, वसीम खान एवं विक्रेता शेख शादिक अनश के कब्जे से ALPRAZOLAM टैबलेट ALZOMAC 0.5 कुल 1410 नग वजनी 183 ग्राम लगभग कीमती करीबन 25500 रुपए एवं 02 नग मोबाइल कीमती

45,000 रु एवं बिक्री रकम नगदी 6,000 रु विधिवत जब्त कर आरोपी गणों के विरुद्ध नारकोटिक्स अधिनियम की धारा 22(ग)एवं 111भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया एवं माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमांड प्राप्त किया गया।

बीरगांव में 17 सितंबर को होगा विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे मुख्य अतिथि

विश्व केसरी■

रायपुर/बीरगांव (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा मां बंजारी मंडल बीरगांव के तत्वावधान में आगामी 17 सितंबर को बुधवारी बाजार, बीरगांव के प्रांगण में भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं विशाल किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन तथा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। औद्योगिक बाहुल्य क्षेत्र बीरगांव में होने वाले इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में हजारों की संख्या में किसानों, मजदूरों और भाजपा कार्यकर्ताओं के जुटने की उम्मीद है। आयोजन के संदर्भ में विस्तृत जानकारी देते हुए भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश महामंत्री डॉ. ओमप्रकाश देवांगन एवं मंडल अध्यक्ष वेदराम साहू ने संयुक्त रूप से बताया कि इस विशाल सम्मेलन में प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के

केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित रहेंगे। इस गौरवमयी मंच को छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग मंत्री लखन देवांगन, कैबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब, रायपुर के लोकप्रिय सांसद बृजमोहन अग्रवाल तथा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आलोक ठाकुर , क्षेत्रीय विधायक मोतीलाल साहू, धरसीवा के विधायक अनुज शर्मा सहित प्रदेश के कई सम्मानीय मंत्रीगण एवं विधायकगण सुशोभित करेंगे। सुबह 11 बजे से आरू साहू, कविता वासनिक, चम्पा निषाद, डा लीलाधर साहू, हिमानी वासनिक, सुनील सिहोरे जैसे सुपर स्टार कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का कार्यक्रम शुरू होगा, डॉ. ओमप्रकाश देवांगन ने बताया कि भगवान विश्वकर्मा पूजा एवं किसान-मजदूर कार्यकर्ता सम्मेलन 17 सितंबर को सुबह 10:00 बजे से प्रारंभ होगा। मुख्य अतिथियों के आगमन से पूर्व छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू बिखेरते हुए शानदार भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन रखा गया है, जो दर्शकों और कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेंगे। इस आयोजन की सबसे प्रमुख कड़ी क्षेत्र के मेहनतकशों , अन्नदाताओं और श्रमिकों का सम्मान होगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय स्वयं अपने कर-कमलों से क्षेत्र के प्रगतिशील किसान भाइयों का जो आज भी बीरगांव उद्योग क्षेत्र में अपने कृषि कार्य को संजोए रखे हैं और जैविक खेती कर रहे हैं और दिन-रात कारखानों व निर्माण कार्यों में पसीना बहाने वाले मजदूर भाई-बहनों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए मंच पर सम्मानित करेंगे।

'दाई ' जो प्रसव (जचकी) के बाद जच्चा और नवजात बच्चे की सेवा-देखभाल करती है , क्षेत्र के प्रसिद्ध मुर्तिकार, मंड़ाई मेला के आयोजकगण, कुम्हार जो आज भी नंदिया, बैला, जाता, पोरा, दिया , मटका बनाकर छत्तीसगढ़ के कल्चर को जिवित रखे है , क्रिकेट और कबड्डी जैसे खेल के माध्यम से जो युवाओं के प्रतिभा को अवसर प्रदान करने वाले आयोजनकर्ताओं का भी सम्मान मुख्यमंत्री करेंगे, साथ ही श्रीगणेश एवम् मां दूर्गा स्थापना समिती को भी सम्मानित किया जाएगा जिनके स्थल सजावट या झांकी छत्तीसगढ के संस्कृति का मान बढाता हो, बीरगांव निगम क्षेत्र के डाक्टर, नर्स , शिक्षक एवं शिक्षिकायें भी सम्मानित होंगे, गौ - सेवक, गाय चरवाहा, नाई जो सुख-दूख के संस्कार कार्य संपन्न कराते है, सफाई कर्मचारी , छेरछेरा, मंडई समिती, खो खो, फूगडी, सुआ नाच टीम के बच्चों को उत्साहवर्धन करने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने हाथों 'सम्मान पत्र' सौंपकर सम्मानित करेंगे।

भारत के विकास व जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। माटवाड़ा लाल पटेलपारा प्राथमिक/माध्यमिक शाला माटवाड़ा लाल पटेलपारा में 'सेवा संकल्प जागरूकता रैली' का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। रैली के माध्यम से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, बालिका शिक्षा एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक किया गया।

विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने हाथों में जागरूकता संदेश लिए पूरे उत्साह के साथ रैली में सहभागिता की। रैली के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि देश का विकास केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के कर्तव्य और

सहभागिता से ही संभव है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भारत के विकास, स्वच्छ एवं जागरूक समाज के निर्माण तथा अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी से करने का संकल्प लिया। साथ ही अपने आसपास सकारात्मक बदलाव लाने और समाज को जागरूक करने का प्रण लिया गया।

जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की रही सहभागिता

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच भावेश कुमार गोटा, उपसरपंच रोशन साहू, पंचगण, समस्त शिक्षकगण एवं विद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता से कार्यक्रम को नई ऊर्जा मिली। विद्यालय परिवार ने कहा कि सेवा का भाव ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है। जब प्रत्येक व्यक्ति अपने कर्तव्यों को ईमानदारी और निष्ठा से निभाएगा, तभी एक विकसित, स्वच्छ, शिक्षित और सशक्त भारत का निर्माण होगा।

'कांग्रेस शासित राज्यों में भ्रष्टाचार का पैसा विदेशों में खपाया जा रहा'

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता गौरीशंकर श्रीवास ने कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया है कि एक तरफ राहुल गांधी देशभर में घूम-घूमकर 'मोहब्बत की दुकान', संविधान की दुहाई और छात्र हित की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी ही पार्टी के नेता और मंत्री भर्ती माफिया बनकर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।

श्रीवास ने उत्तराखंड में वर्ष 2016 के दौरान कांग्रेस शासनकाल में हुए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) के ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भर्ती घोटाले का जिक्र करते हुए कहा कि सुरक्षित

ओएमआर शीट को निजी एजेंसी को सौंपकर और खाली सीटों को भरकर लाखों युवाओं के सपनों पर पानी फेरा गया। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीवास ने ईडी की कार्रवाई और बरामदगी की चर्चा करते हुए बताया कि 10 सितंबर को प्रवर्तन निदेशालय ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के तत्कालीन ओएसडी चंदन सिंह जीना के ठिकानों पर दबिश देकर उन्हें गिरफ्तार किया। छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में नकदी, सोना और रोलेक्स, राडो, मोवाडो तथा टिसॉट जैसी बेहद महंगी घड़ियों का संग्रह बरामद हुआ है।

यह अकूत संपत्ति युवाओं के हक को मारकर और भर्ती परीक्षा में बड़े पैमाने पर कमीशनखोरी कर जुटाई गई है। गिरफ्तारी और बरामदगी के बाद अब यह दलील दी जा रही है कि जब्त रकम पार्टी का चंदा है।

श्रीवास ने जाँच एजेंसियों से मांग की कि जिस-जिस मद से यह कथित चंदा आया है, उन आधिकारिक बैंक खातों की गहन जाँच की जाए और दानदाताओं के नाम सार्वजनिक किए जाएँ। श्रीवास ने तंज कसते हुए पूछा कि क्या यह कांग्रेस का कोई खास 'चंदा मॉडल' है, जिससे गांधी परिवार के ऐशो-आराम की व्यवस्था की जा रही है? भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि अपने तीन साल के कार्यकाल में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के संरक्षण के बिना उनका ओएसडी इतने बड़े घपले को अंजाम नहीं दे सकता था।

अंबेडकर की मूर्ति की चमक धुंधली पड़ी, उठे सवाल

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। नगर के दाऊ तालाब के समीप विगत वर्ष स्थापित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की विशाल प्रतिमा और उसके पीछे बनाई गई संसद भवन की आकर्षक आकृति इन दिनों नगर पंचायत की उपेक्षा का शिकार हो रही है। दिन के समय यह स्थल अपनी भव्यता और आकर्षक स्वरूप से लोगों का ध्यान खींचता है, लेकिन रात होते ही पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के अभाव में पूरी प्रतिमा और संसद भवन की आकृति अंधेरे में गुम हो जाती है।

शासन और समाज के सहयोग व प्रयास से तैयार किए गए इस स्थल को नगर की सुंदरता और पहचान से जोड़कर देखा जा रहा था। नगर के मुख्य मार्ग पर स्थित होने के कारण यहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन होता है। बावजूद इसके, नगर पंचायत द्वारा प्रतिमा और परिसर को रोशन करने के लिए अब तक समुचित व्यवस्था नहीं की गई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि यहां आकर्षक प्रकाश व्यवस्था की जाए तो रात के समय भी यह स्थल नगर का प्रमुख आकर्षण

बन सकता है। वर्तमान में अंधेरे के कारण प्रतिमा और संसद भवन की सुंदर आकृति लोगों की नजरों से ओझल हो जाती है।

समाज ने कई बार कराया अवगत

अंबेडकर समाज और स्थानीय नागरिकों द्वारा प्रतिमा स्थल पर प्रकाश व्यवस्था की मांग कई बार नगर पंचायत और स्थानीय प्रशासन के समक्ष रखी जा चुकी है। लोगों का कहना है कि बार-बार अवगत कराने के बावजूद इस दिशा में अपेक्षित पहल नहीं की जा रही है, जिससे समाज में नाराजगी है।

लोगों का कहना है कि डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि समाज के लिए सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक है। ऐसे महत्वपूर्ण स्थल की देखरेख और उचित प्रकाश व्यवस्था प्रशासन की जिम्मेदारी है।

अतिक्रमण से भी प्रभावित हो रहा परिसर

दाऊ तालाब के समीप बने कॉम्प्लेक्स में अतिक्रमण की समस्या भी धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। आरोप है कि कुछ दुकानदार दुकानों के सामने शेड लगाकर अपने व्यवसायिक क्षेत्र को आगे की ओर बढ़ा रहे हैं। इससे प्रतिमा और संसद भवन की आकृति का दृश्य प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते अतिक्रमण पर रोक नहीं लगाई गई तो इस आकर्षक स्थल की सुंदरता और अधिक प्रभावित हो सकती है। जिस उद्देश्य से परिसर को आकर्षक स्वरूप दिया गया था, वह धीरे-धीरे समाप्त होता नजर आ रहा है।

मुख्य मार्ग पर होने के बाद भी नहीं पड़ रही नजर

यह स्थल नगर के प्रमुख मार्ग पर स्थित है। इसी मार्ग से क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और अन्य जिम्मेदार लोगों का भी आवागमन होता है। इसके बावजूद प्रतिमा की बदहाल व्यवस्था, प्रकाश की कमी और परिसर में हो रहे अतिक्रमण की ओर किसी का अपेक्षित ध्यान नहीं जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों और नगर प्रशासन को नगर के ऐसे महत्वपूर्ण स्थलों के संरक्षण और सौंदर्यीकरण के लिए गंभीरता दिखानी चाहिए।

कई चौक-चौराहों की भी सुध लेने की जरूरत

नगर में केवल अंबेडकर प्रतिमा स्थल ही नहीं, बल्कि कई अन्य चौक-चौराहे भी उपेक्षा और रखरखाव की कमी से बदहाल होते जा रहे हैं। कहीं पर्याप्त रोशनी नहीं है तो कहीं साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण की कमी नजर आती है।

मेरी सुरक्षा, मेरा अधिकार' को लेकर छात्राओं को किया जागरूक

विश्व केसरी■

अंतागढ़ (डम्पी खान)। 'मेरी सुरक्षा मेरा अधिकार' जागरूकता अभियान के तहत शहीद राजेश पवार शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंतागढ़ में जूनियर रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा छात्राओं के लिए एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को गुड टच-बैड टच, बालिकाओं से जुड़ी समस्याओं, आसपास के वातावरण में सुरक्षा, साइबर अपराध तथा ऑनलाइन जालसाजी से बचाव के प्रति जागरूक करना था। प्राचार्य चंदन सिंह ठाकुर के आदेश तथा जूनियर रेडक्रॉस प्रभारी रुद्रप्रताप सोनी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के व्याख्याता राजरत्ना मौर्य, हरदीप कौर, शिक्षिका गोदावरी गौर, करिश्मा ठाकुर, प्रियंका सहारे, झरना साहू, गीतिका नाग, सुप्रिया उइके एवं सुनीता पवार ने छात्राओं को आवश्यक

जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने शरीर पर अधिकार है और उसकी अनुमति के बिना कोई भी ऐसा स्पर्श नहीं कर सकता, जिससे उसे डर, असहजता या बुरा महसूस हो। छात्राओं को गुड टच और बैड टच के बीच अंतर समझाते हुए बताया गया कि असहज या गलत स्पर्श की स्थिति में चुप रहने के बजाय तत्काल आवाज उठानी चाहिए।

छात्राओं को ऐसी स्थिति में 'नहीं' कहने, वहां से दूर जाने और किसी भरोसेमंद बड़े व्यक्ति को इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से बचाव के लिए सतर्क रहने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी परिजनों या संबंधित जिम्मेदार व्यक्ति को देने की समझाइश दी गई। महिला पुलिस हेल्पलाइन नंबर की जानकारी भी छात्राओं को दी गई ।कार्यक्रम के अंत में छात्राओं एवं शिक्षिकाओं ने गलत स्पर्श के खिलाफ आवाज उठाने, स्वयं जागरूक रहने तथा परिवार, आसपास के लोगों और समाज के अन्य महिलाओं एवं बच्चों को भी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का संकल्प लिया।

बांध, सिंचाई से लेकर डिजिटल इंडिया तक, जानिए इंजीनियर कैसे बना रहे हैं नए भारत की नींव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हर साल 15 सितंबर को नेशनल इंजीनियर्स डे मनाया जाता है। यह दिन भारत के महान इंजीनियर सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के मौके पर मनाया जाता है। इंजीनियरिंग की दुनिया में उनके योगदान को आज भी मिसाल के तौर पर देखा जाता है। उन्होंने सिर्फ बांध और सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने में योगदान नहीं दिया, बल्कि उनकी सोच में देश के विकास की एक बड़ी तस्वीर दिखाई देती थी।

इंजीनियरिंग सिर्फ मशीन, पुल या इमारत बनाने का काम नहीं है। सही मायने में इंजीनियर वह है, जो किसी समस्या को समझे और उसका ऐसा समाधान निकाले, जिसका फायदा लंबे समय तक लोगों को मिले। आज भारत जिस तेजी से तकनीक, बुनियादी ढांचे और डिजिटल व्यवस्था में आगे बढ़ रहा है, उसमें इंजीनियरों की भूमिका लगातार बढ़ रही है।

विश्वेश्वरैया ने बाढ़ नियंत्रण, जल प्रबंधन और सिंचाई के क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किया। 1908 में हैदराबाद में आई भीषण बाढ़ के बाद उन्होंने बाढ़ नियंत्रण से जुड़े समाधान तैयार करने में योगदान दिया। जल प्रबंधन के लिए जलाशयों और बांधों की योजना पर जोर दिया गया। बाद में मैसूर के मुख्य अभियंता के रूप में उन्होंने कृष्ण राजा सागर यानी केआरएस बांध के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस परियोजना ने सिंचाई और कृषि के क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाने में मदद की।

उनकी सोच का असर सिर्फ इंजीनियरिंग तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने औद्योगिकीकरण, शिक्षा और बेहतर प्रशासन को भी देश के विकास के लिए जरूरी माना। उनकी किताबों में भी भारत की आर्थिक और औद्योगिक प्रगति को लेकर उनकी सोच दिखाई देती है। 1955 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक भारत रत्न से सम्मानित किया गया।

आज जब भारत तेजी से तकनीक की ओर बढ़ रहा है, इंजीनियरों की जिम्मेदारी भी पहले से कहीं ज्यादा बड़ी हो गई है। देश में हाईवे, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेलवे, पुल, बंदरगाह और बिजली परियोजनाओं से लेकर स्मार्ट सिटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर तक कई बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इन परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें जमीन पर उतारने में इंजीनियरों की अहम भूमिका है।

इंजीनियरिंग का दायरा अब सिर्फ ईंट, सीमेंट और मशीनों तक सीमित नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, सेमीकंडक्टर, ड्रोन और क्वांटम टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भी भारतीय इंजीनियर तेजी से काम कर रहे हैं। अंतरिक्ष और रक्षा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में भी इंजीनियर नई तकनीकों को विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

डिजिटल इंडिया इसका एक बड़ा उदाहरण है। आज आधार, यूपीआई और डिजिटल लॉकर जैसी डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों के रोजमर्रा के काम को आसान बनाया है। इनके पीछे सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग, डेटा, साइबर सुरक्षा और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की बड़ी भूमिका है। भारत की डिजिटल व्यवस्था को दुनिया में मिली पहचान में इंजीनियरों की मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

दूसरी तरफ देश तेजी से ग्रीन टेक्नोलॉजी की ओर भी बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में इंजीनियर नई तकनीक और समाधान तैयार कर रहे हैं। पीएम सूर्य घर, पीएम-कुसुम और राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन जैसी पहलों में भी तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका अहम है। आने वाले समय में स्वच्छ ऊर्जा और टिकाऊ विकास की जरूरत और बढ़ने वाली है।

एस्सार ग्रुप की ईईटी रिटेल ने ब्रिटेन के अग्रणी फ्यूल रिटेल नेटवर्क एसजीएन रिटेल का किया अधिग्रहण, 2031 तक 800 फ्यूल स्टेशन का लक्ष्य

विश्व केसरी ■

स्टैनलो (यूके)। एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन फ्यूल्स (ईईटी फ्यूल्स) की रिटेल इकाई ईईटी रिटेल लिमिटेड (ईईटी रिटेल) ने ब्रिटेन के प्रमुख स्वतंत्र फ्यूल फोरकोर्ट ऑपरेटर एसजीएन रिटेल के 100 प्रतिशत अधिग्रहण के लिए एक समझौते की घोषणा की है। इस अधिग्रहण के साथ ईईटी रिटेल के नेटवर्क में 118 नए फ्यूल स्टेशन जुड़ जाएंगे।

इस सौदे के बाद ईईटी रिटेल के मौजूदा 117 फोरकोर्ट स्थलों और एसजीएन रिटेल के 118 स्थलों को मिलाकर कुल 235 फ्यूल स्टेशन का देशव्यापी नेटवर्क बन जाएगा। संयुक्त नेटवर्क की वार्षिक ईंधन आपूर्ति क्षमता 65 करोड़ लीटर से अधिक होगी। इसके साथ ही कंपनी ब्रिटेन की दूसरी सबसे बड़ी बैकवर्ड-इंटीग्रेटेड फोरकोर्ट ऑपरेटर बन जाएगी।

ईईटी रिटेल और उसकी मूल कंपनी एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन का लक्ष्य ब्रिटेन में एक ऐसा एकीकृत मॉडल विकसित करना है, जिसमें ईंधन उत्पादन से लेकर अंतिम उपभोक्ता तक आपूर्ति की पूरी श्रृंखला एक ही समूह के नियंत्रण में हो। कंपनी का कहना है कि पिछले दो दशकों में ब्रिटेन का ईंधन बाजार काफी बिखर गया है। कई बड़ी तेल कंपनियों ने घरेलू रिफाइनिंग में निवेश कम कर दिया, जिसके कारण आपूर्ति श्रृंखला अधिक जटिल और आयात पर निर्भर होती चली गई। ऐसे में एस्सार ग्रुप अब 'रिफाइनरी-टू-पंप' मॉडल विकसित कर इस व्यवस्था को सरल और अधिक विश्वसनीय बनाना चाहता है।

कंपनी की स्टैनलो रिफाइनरी पहले से ही ब्रिटेन की कुल सड़क परिवहन ईंधन आवश्यकता का लगभग 20 प्रतिशत उत्पादन करती है। अब इस रिफाइनरी में तैयार ईंधन सीधे ईईटी रिटेल के फोरकोर्ट नेटवर्क तक पहुंचाया जाएगा।

2031 तक 800 फोरकोर्ट का लक्ष्य

एसजीएन रिटेल के अधिग्रहण से ईईटी रिटेल की दीर्घकालिक विस्तार रणनीति को बड़ी गति मिलेगी। कंपनी का लक्ष्य वर्ष 2031 तक 800 फोरकोर्ट का नेटवर्क विकसित करना है, जो ब्रिटेन के फोरकोर्ट बाजार में लगभग 9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर होगा।

कंपनी का मानना है कि जनसंख्या वृद्धि, एक से अधिक वाहन रखने वाले परिवारों की बढ़ती संख्या और ब्रिटेन में फ्यूल स्टेशनों की घटती संख्या भविष्य में इस क्षेत्र को आकर्षक निवेश अवसर बनाती है। उपभोक्ताओं को फायदा और राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा ईईटी रिटेल के अनुसार, स्टैनलो में रिफाइन किए गए ईंधन को सीधे उसके पेट्रोल स्टेशनों तक पहुंचाने से आपूर्ति लागत कम होगी और वैश्विक आपूर्ति व्यवधानों के दौरान ब्रिटेन की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी।

कंपनी का दावा है कि उत्पादन और खुदरा बिक्री को एकीकृत करने से वितरण श्रृंखला की कई अतिरिक्त लागतें समाप्त होंगी, जिसका लाभ अंततः वाहन चालकों को प्रतिस्पर्धी कीमतों के रूप में मिल सकता है।

नाश्ते में करते हैं ये 4 गलतियां तो पूरे दिन रहेगी थकान, आज ही सुधारें आदत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। दिन की शुरुआत हम जिस चीज से करते हैं, उसका असर पूरे दिन की ऊर्जा और काम करने की क्षमता पर पड़ता है। सुबह का नाश्ता शरीर के लिए दिन का पहला ईंधन माना जाता है। रातभर के लंबे अंतराल के बाद जब हम सुबह कुछ पौष्टिक खाते हैं, तो शरीर को काम करने के लिए ऊर्जा मिलती है। लेकिन कई बार जल्दबाजी, व्यस्त दिनचर्या या स्वाद के चक्कर में हम नाश्ते से जुड़ी कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो सेहत पर उल्टा असर डाल सकती हैं।

सुबह की सबसे आम गलती है नाश्ता न करना है। कई लोग वजन कम करने या समय की कमी के कारण नाश्ता नहीं करते और सीधे दोपहर का खाना खाते हैं। लंबे समय तक ऐसा करने से कुछ लोगों को सुबह कमजोरी, थकान या ध्यान लगाने में परेशानी महसूस हो सकती है। खासकर जिन लोगों का दिन शारीरिक या मानसिक मेहनत वाला होता है, उनके लिए सुबह संतुलित भोजन लेना फायदेमंद हो सकता है।

इसलिए कोशिश करें कि सुबह कुछ पौष्टिक जरूर खाएं। बहुत ज्यादा समय न हो तो फल, दही, अंडे, पोहा, उपमा या ओट्स जैसे आसान विकल्प लिए जा सकते हैं।

सुबह के नाश्ते में मीठी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल भी अच्छी आदत नहीं है। बाजार में मिलने वाले कई बिस्किट, पेस्ट्री, डोनट या मीठे पेय पदार्थों में रिफाइंड शुगर की मात्रा ज्यादा हो सकती है। ऐसी चीजें खाने से तुरंत ऊर्जा महसूस हो सकती है, लेकिन यह हमेशा लंबे समय तक पेट भरा रखने का बेहतर तरीका नहीं है। नाश्ते में ज्यादा चीनी की जगह फल, साबुत अनाज और अन्य पौष्टिक चीजों को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

सिर्फ कार्बोहाइड्रेट वाला नाश्ता करने से जल्दी भूख लग सकती है। इसका एक कारण यह भी हो सकता है कि भोजन में पर्याप्त प्रोटीन नहीं है। प्रोटीन पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में मदद करता है और संतुलित डाइट का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके बजाय नाश्ते में अंडा, दही, पनीर, दूध, दाल, चना, मूंग या अन्य प्रोटीन स्रोत शामिल किए जा सकते हैं। इससे नाश्ता ज्यादा संतुलित बन सकता है।

भारत में बहुत से लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है। कुछ लोग तो नाश्ता करने से पहले ही एक या दो कप चाय पी लेते हैं। लेकिन ऐसा करने से कुछ लोगों में एसिडिटी या पेट की परेशानी बढ़ सकती है। अगर आपको पहले से गैस या एसिडिटी की शिकायत रहती है, तो खाली पेट चाय पीने की आदत पर ध्यान देना चाहिए। बेहतर है कि सुबह चाय के साथ या उससे पहले कुछ हल्का खा लिया जाए।

बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप और गंभीर, सिर्फ 13 दिनों में 52 लोगों की मौत

विश्व केसरी ■

ढाका। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश में डेंगू का प्रकोप बेकाबू हो गया है। सितंबर के पहले 13 दिनों में ही संक्रमण से 52 लोगों की मौत हो चुकी है। यह इस साल अब तक एक महीने में हुई मौतों का सबसे बड़ा आंकड़ा है, जिससे बिगड़ते सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार, डेंगू से मरने वालों की कुल संख्या 149 हो गई है, जबकि रविवार तक 51,837 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बांग्लादेश के प्रमुख अखबार 'द डेली स्टार' की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि डेंगू से होने वाली मौतों में बढ़ोतरी की वजह देर से अस्पताल पहुंचना, गलत इलाज और ज्यादा जोखिम वाले समूहों का ज्यादा संवेदनशील होना है। कई मरीज अपनी हालत गंभीर होने के बाद ही जांच और इलाज के लिए आते हैं।

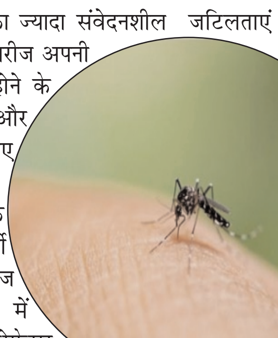

ढाका के शहीद सुहरावर्दी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एसोसिएट प्रोफेसर एचएम नजमुल अहसान ने कहा कि डेंगू से होने वाली मौतों में हालिया बढ़ोतरी मुख्य रूप से देश भर में संक्रमण के तेजी से बढ़ने का नतीजा है।

नजमुल के अनुसार, इन मौतों के पीछे तीन तरह के कारक हैं: वायरल कारक, मरीज से जुड़ी संवेदनशीलता और इलाज से जुड़ी जटिलताएं। सार्वजनिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ मुश्तुक हुसैन ने प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के त्रि-स्तरीय सिस्टम के जरिए डेंगू के इलाज को बेहतर बनाने की बात कही।

रविवार को बांग्लादेश के मत्स्य और पशुधन राज्य मंत्री सुल्तान सलाउद्दीन टुकू ने चेतावनी दी कि आने वाले महीनों में ढाका और अन्य जिलों में डेंगू की स्थिति और खराब हो सकती है और लोगों से सतर्क रहने का आग्रह किया।

बांग्लादेशी मीडिया आउटलेट यूएनबी ने टुकू के हवाले से कहा, 'आने वाले महीनों में डेंगू का खतरा और बढ़ सकता है, इसलिए सभी को अभी से जागरूक होने की जरूरत है। बांग्लादेशी दैनिक 'प्रोथोम आलो' की एक रिपोर्ट के अनुसार, डेंगू देश के सभी 64 जिलों में फैल चुका है और मच्छर से होने वाली इस बीमारी की चपेट में आने के बाद हर दिन सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जा रहा है। इस बीमारी से, जिसे काफी हद तक रोका जा सकता है, लगभग हर दिन मौतें भी हो रही हैं। सरकार ने चेतावनी दी है कि सितंबर के आखिर और अक्टूबर की शुरुआत में स्थिति और बिगड़ सकती है।

कुलंजन: अदरक जैसा दिखने वाला ये पौधा, आयुर्वेद में क्यों माना जाता है खास?

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आयुर्वेद में कई ऐसे औषधीय पौधे बताए गए हैं, जिनका इस्तेमाल सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में होता आया है। कुलंजन भी इन्हीं में से एक है। यह पौधा देखने में काफी हद तक अदरक जैसा दिखाई देता है और इसकी तेज सुगंध तथा तीखा स्वाद इसे दूसरी जड़ी-बूटियों से अलग पहचान देते हैं। आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा में कुलंजन का इस्तेमाल कई तरह की सामान्य स्वास्थ्य समस्याओं में किया जाता रहा है।

बिहार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि कुलंजन का वैज्ञानिक नाम अल्पिनिया कैल्केराटा है। यह मुख्य रूप से उष्ण और नम जलवायु में अच्छी तरह उगता है। इसके पौधे में लंबी, हरी पत्तियां होती हैं, जबकि जमीन के नीचे इसका सुगंधित तना विकसित होता है। इसमें छोटे और सफेद रंग के फूल भी दिखाई देते हैं। हालांकि पौधे का ऊपरी हिस्सा भी अपनी पहचान रखता है, लेकिन औषधीय उपयोग के लिए मुख्य रूप से इसकी जड़ और जमीन के अंदर मौजूद तने को महत्वपूर्ण माना जाता है।

कुलंजन की सबसे खास बात इसकी गर्म तासीर और तीखी प्रकृति मानी जाती है। पारंपरिक रूप से इसका इस्तेमाल सर्दी-जुकाम और श्वसन तंत्र से जुड़ी परेशानियों में किया जाता रहा है। इसकी सुगंधित प्रकृति के कारण इसे सांस से जुड़ी कुछ सामान्य समस्याओं में उपयोगी माना जाता है।

पारंपरिक चिकित्सा में कुलंजन का संबंध जोड़ों के दर्द और गठिया जैसी समस्याओं से भी बताया जाता है। इसके अलावा पाचन से जुड़ी परेशानियों में भी इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। माना जाता है कि इसकी गर्म प्रकृति पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकती है।

कुलंजन के भले ही कई पारंपरिक लाभ बताए जाते हैं।

बंगाल में फर्जी होम्योपैथी कॉलेजों पर परिषद का अलर्ट, डुप्लीकेट रजिस्ट्रेशन नंबर जारी करने का आरोप

विश्व केसरी ■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की होम्योपैथिक चिकित्सा परिषद ने राज्य सरकार को राज्यभर में होम्योपैथी और बायोकेमिस्ट्री में कोर्स कराने वाले कई बिना मान्यता वाले संस्थानों के लगातार चलने के बारे में चेतावनी दी है।

काउंसिल ने कहा है कि इनमें से कई संस्थान ग्रेजुएट छात्रों को गैरकानूनी तरीके से रजिस्ट्रेशन नंबर भी जारी कर रहे हैं। काउंसिल ने कहा कि पास होने वाले छात्रों को रजिस्ट्रेशन नंबर देना पूरी तरह से गैरकानूनी है क्योंकि ऐसा करने के लिए सिर्फ काउंसिल ही अधिकृत संस्था है।

काउंसिल के मुताबिक, ऐसे कई संस्थान बिना जरूरी मान्यता के चल रहे हैं,जिनमें से ज्यादातर पिछली तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय तेजी से खुले थे। इन्हें न तो पश्चिम बंगाल की होम्योपैथिक चिकित्सा परिषद से और न ही राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से मान्यता मिली है। काउंसिल ने राज्य प्रशासन से इन संस्थानों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील की है। काउंसिल ने मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल को पत्र लिखकर दखल देने और प्रशासन से इन अनाधिकृत संस्थानों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू करने का अनुरोध किया है।

काउंसिल के एक अंदरूनी सूत्र ने बताया कि हाल ही में उन्हें उत्तरी बंगाल के कूच बिहार जिले में बिना मंजूरी के चल रहे 'होम्योपैथी और बायोकेमिस्ट्री कॉलेजों की एक चेन' के बारे में पता चला है। जिन अन्य जिलों में ऐसे संस्थान तेजी से बढ़े हैं, उनमें नॉर्थ 24 परगना, साउथ 24 परगना और वेस्ट मिदनापुर शामिल हैं।

रोज करें चक्रासन का अभ्यास, जानें करने का सही तरीका और फायदे

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग भारतीय संस्कृति की प्राचीन धरोधर है, जो मन और आत्मा को संतुलित रखने का मार्ग दिखाता है। योग के अनेक आसनों में चक्रासन एक महत्वपूर्ण आसन है, जो न केवल शरीर को लचीला बनाता है बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

'चक्र' का अर्थ है पहिया और 'आसन' का अर्थ है मुद्रा। इस आसन में शरीर को पीछे की ओर मोड़कर पहिए जैसा आकार दिया जाता है। यह पीठ, हाथ, पैर और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करता है, साथ ही शरीर की लचीलापन और मुद्रा में सुधार करता है। योग विशेषज्ञों का कहना है कि नियमित अभ्यास से यह आसन कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अनुसार, चक्रासन से कमर-रीढ़ की समस्याएं दूर होती हैं, आंखों की रोशनी बढ़ती है, कब्ज से राहत मिलती है, और तनाव-चिंता कम होती है। यह मानसिक तनाव और चिंता को कम कर शांति देने में भी मददगार है। यह मांसपेशियों को मजबूत कर शरीर की सक्रियता बढ़ाता है।

इसके अभ्यास के लिए सबसे पहले पीठ के बल जमीन पर लेट जाएं। अपने पैरों को घुटनों से मोड़ें और पैरों को कूल्हों के पास लाएं। दोनों हाथों को सिर के पास ले जाएं, हथेलियां जमीन पर और उंगलियां कंधों की ओर हों। इसके बाद सांस लेते हुए हथेलियों और पैरों पर जोर देकर शरीर को ऊपर उठाएं।

सिर को आराम से पीछे की ओर लटकाएं। 10 से 20 सेकंड तक इस मुद्रा में बने रहना चाहिए और सामान्य रूप से सांस भी लेते रहना चाहिए। इसके बाद धीरे-धीरे स्थिति में वापस आना चाहिए।

नियमित चक्रासन से न केवल शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर होता है। चक्रासन न सिर्फ रीढ़ की मज़बूती बढ़ाता है, बल्कि पूरे शरीर को ऊर्जावान बनाता है। रोजाना 5-10 मिनट का अभ्यास कमर दर्द को काफी हद तक नियंत्रित कर सकता है।

जो हमारे देश के खिलाफ काम कर रहा है, उससे ट्रॉफी नहीं ले सकते : बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया

विश्व केसरी ■

दुबई। भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए महिला एशिया कप 2026 के खिताब को अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में हरमनप्रीत एंड कंपनी ने श्रीलंका को 72 रनों से रौंदा। हालांकि, एक बार फिर टीम इंडिया ने एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी लेने से साफतौर पर इनकार कर दिया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने 'आईएएनएस' के साथ खास बातचीत में बताया कि पुरुष टीम की तरह ही महिला टीम ने भी मोहसिन से ट्रॉफी लेने से मना कर दिया।

उन्होंने कहा, 'एशिया कप में ट्रॉफी एक विवादित मुद्दा है। हमारी पुरुष टीम ने एशिया कप जीता था। हालांकि, अप्रैल 2025 की पहलगाम घटना के बाद हालात पूरी तरह बदल गए। इसके बाद देश के नागरिकों का हम पर दबाव था कि हमें पड़ोसी देश के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए और न ही उनके साथ क्रिकेट खेलना चाहिए। मगर हमारी सरकार की नीति है कि मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में हमें हर देश के खिलाफ खेलना ही होगा। इसी पॉलिसी को फॉलो करते हुए हम मल्टीनेशनल टूर्नामेंट में हर टीम के खिलाफ खेल रहे हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'इसी को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई हर मल्टीनेशनल टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम भेज रही है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम सारी कंडिशंस मान लेंगे। जिस देश के साथ हमारे रिश्ते पहले से खराब हैं और अप्रैल 2025 से और भी ज्यादा बिगड़ गए हैं, इसके साथ ही जिस देश के साथ अभी भी हमारा ऑपरेशन चालू है उस देश के मुख्य लीडर में से एक, जो हमारे देश के खिलाफ काम कर रहा है, उससे हम ट्रॉफी नहीं ले सकते हैं। डेढ़ साल पहले भारतीय पुरुष टीम ने एशिया कप का खिताब जीतने के बाद ट्रॉफी लेने से मना कर दिया था। इसी को जारी रखते हुए हमारी महिला टीम ने भी मोहसिन नकवी के हाथों से ट्रॉफी नहीं लेने का फैसला किया।

बीसीसीआई सचिव ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा कि टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जबरदस्त खेल दिखाया और सभी मैच एकतरफा अंदाज में जीते। देवजीत सैकिया ने कहा कि उन्हें टीम के प्रदर्शन पर गर्व है और देश में महिला क्रिकेट काफी तेजी से उभर रहा है। फाइनल मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 183 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। इसके जवाब में श्रीलंका की पूरी टीम 111 रन बनाकर ऑलआउट हुई।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास, तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

विश्व केसरी ■

साल्टिलो (मेक्सिको)। जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं।

दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था। इसलिए, धीरज की जीत बनर्जी की 19 साल पहले की सफलता के बाद भारत का पहला विश्व कप फाइनल गोल्ड मेडल है। यह उपलब्धि ऐसे टूर्नामेंट में मिली है जहां दीपिका कुमारी भारत की सबसे सफल तीरंदाज बनी हुई हैं। उन्होंने आठ बार हिस्सा लेते हुए छह विश्व कप फाइनल मेडल जीते हैं, जिसमें 5 सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। हालांकि, धीरज के लिए साल्टिलो का मतलब अपना खुद का रिकॉर्ड बनाना था। इससे पहले दो बार बिना मेडल के लौटने के बाद, आर्मी के इस तीरंदाज ने आखिरकार अपने तीसरे वर्ल्ड कप फाइनल में हिस्सा लेते हुए अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीता।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन 2026 का खिताब, फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता।

तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे।

जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग: विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं।

हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था।

जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

यूएस ओपन के फाइनल में की खिलाड़ी से हारने के बाद सबालेंका ने रिबाकिना के टॉप पर आने पर प्रतिक्रिया दी। जब उन्हें बताया गया कि वह 99 हफ्तों तक टॉप स्पॉट पर रहीं, तो उन्होंने मजाक में पूछा कि क्या रिबाकिना इस मामले में उन्हें हरा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'देखते हैं कि क्या एलेना मुझे इसमें हरा सकती हैं। अगर वह इसी तरह खेलती रहीं, तो हां, मैं मुश्किल में पड़ सकती हूं।

रिबाकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराकर अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीता था। खिताब जीतने के बाद रिबाकिना ने कहा, 'यह सच में अविश्वसनीय है। मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। मतलब, मेरे पास शब्द नहीं हैं।'

कजाकिस्तान की इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट से पहले सात दिनों तक अपने रैकेट को हाथ भी नहीं लगाया था और बताया कि न्यूयॉर्क में उनकी तैयारी बिल्कुल भी अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा, 'किसी तरह, हम हर दिन कोई न कोई रास्ता खोजने की कोशिश कर रहे थे और उन चुनौतियों का सामना कर रहे थे जो हर सुबह मेरे सामने आती थीं। टूर्नामेंट से पहले सात दिनों तक मैंने अपने रैकेट को छुआ तक नहीं था।

कई मुश्किलों और अनिश्चितताओं के बावजूद रिबाकिना ने शानदार वापसी करते हुए खिताब जीता।

सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप के चयन ट्रायल्स में निशु का दमदार प्रदर्शन, काजल और नीलम भी जीतीं

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। पहलवान निशु ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल्स में 53 किग्रा वर्ग में जीत हासिल की। इसके साथ ही उन्होंने सीनियर विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में जगह बनाने के लिए एशियन गेम्स के लिए चुनी गई अंतिम पंघाल के खिलाफ अंतिम ट्रायल मुकाबले का रास्ता तय कर लिया।

निशु ने इंदिरा गांधी स्टेडियम में 53 किग्रा कैटेगरी के कड़े फाइनल मुकाबले में थिश्का को हराया। निशु और अंतिम के बीच होने वाला फाइनल ट्रायल यह तय करेगा कि कजाकिस्तान के अस्ताना में 24 अक्टूबर से 1 नवंबर तक होने वाली सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में इस कैटेगरी में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की चयन नीति के तहत, सोमवार के ट्रायल के विजेताओं को सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में जगह पाने के लिए एशियन गेम्स में जाने वाले पहलवानों को फाइनल ट्रायल में चुनौती देने का अधिकार मिल गया है। फाइनल ट्रायल बाद में आयोजित किया जाएगा। चार नॉन-ओलंपिक वेट कैटेगरी के ट्रायल भी बाद में आयोजित किए जाएंगे।

दो बार की अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियन काजल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और फाइनल में शिक्षा को हराकर 76 किग्रा कैटेगरी में टॉप पर रहीं।

रोमियो जेम्स: एशियन गेम्स में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में निभाई अहम भूमिका, ओलंपिक टीम का भी रहे हिस्सा

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर रोमियो जेम्स का करियर उपलब्धियों से भरा रहा। बतौर खिलाड़ी शानदार प्रदर्शन करने के बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में भी खूब नाम कमाया। 1982 में हुए एशियन गेम्स में भारत को सिल्वर मेडल दिलाने में रोमियो ने अहम किरदार निभाया।

रोमियो जेम्स का जन्म 15 सितंबर, 1958 को हुआ। रोमियो को शुरुआत से ही हॉकी से खास लगाव था। वह बचपन में ही इस खेल की जमकर प्रैक्टिस किया करते थे और जल्द ही उन्होंने हॉकी में करियर बनाने की ठान ली। घरेलू टूर्नामेंट्स में रोमियो का प्रदर्शन लगातार शानदार रहा। उन्होंने 1982 से 1985 के बीच सर्विसेज की कप्तानी भी की और तीन बार नेशनल हॉकी चैंपियनशिप का खिताब भी अपने नाम किया। घरेलू से लेकर इंटरनेशनल स्तर तक रोमियो का प्रदर्शन यादगार रहा और उन्होंने अपने प्रदर्शन से खूब वाहवाही बटोरी।

1982 में नई दिल्ली में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय टीम का हिस्सा रहे और उन्होंने टूर्नामेंट में बेहतरीन गोलकीपिंग करते हुए देश को सिल्वर मेडल दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

1984 में हुए लॉस एंजिल्स ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भी रोमियो ने अपनी शानदार गोलकीपिंग से छाप छोड़ी। भारत ने इस टूर्नामेंट का अंत पांचवें स्थान पर रहते हुए किया।

खिलाड़ी के बाद रोमियो जेम्स का कोचिंग करियर भी शानदार रहा। वह 1994 में एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल रहे। इसके साथ ही विश्व कप 2010 में भी उन्होंने बतौर कोच अहम भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय हॉकी टीम को आकार देने में भी महत्वपूर्ण रोल अदा किया। उनकी देखरेख में कई युवा गोलकीपर उभरे, जिन्होंने विश्व स्तर पर देश का नाम रोशन किया। उन्होंने जमीनी स्तर पर उतरकर भारतीय हॉकी के लिए कई शानदार खिलाड़ी तैयार किए। साल 2015 में रोमियो को हॉकी के खेल में बतौर खिलाड़ी और कोच अहम योगदान के लिए 'ध्यानचंद पुरस्कार' से सम्मानित भी किया गया।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रींटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415